✷ बिहार-झारखंड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

अपना प्रदेश, अपनी बात

सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने भागलपुर में बनाई रेत की शिव मूर्ति

✷ रजि. नंबर : 52290/90 ✷ वर्ष : 36 ✷ अंक : 57 ✷ पृष्ठ : 12 ✷ औरंगाबाद, बुधवार, 23 जुलाई 2025 ✷ मूल्य : 3.00 रुपये ✷ औरंगाबाद एवं बोकारो से प्रकाशित ✷ www.navbihartime.com

विकसित भारत के निर्माण के लिए बिहार को निभानी होगी अग्रणी भूमिका : ऋतुराज सिन्हा

युवाओं को बदलना होगा दृष्टिकोण और सोच तभी बदलेगा बिहार | 'बेहतर बिहार संवाद' कार्यक्रम में छात्रों से भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री का संदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने कहा है कि भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और यह कार्य तब तक संभव नहीं है जब तक बिहार इसमें अग्रणी भूमिका न निभाए। बिहार की विशाल युवा आबादी इस परिवर्तन की धुरी बन सकती है लेकिन इसके लिए सबसे पहले युवाओं को अपनी सोच और दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा। उन्होंने कहा कि बिहार को बदलना है तो युवाओं को अपना एटीट्यूड बदलना पड़ेगा। सोच को सकारात्मक दिशा में मोड़ना होगा। कोई भी व्यक्ति अपने परिवार को कोसकर प्रगति नहीं कर सकता, ठीक वैसे ही बिहार को दोष देकर आगे नहीं बढ़ा जा सकता। बिहार के युवाओं को स्पष्ट एजेंडा के साथ आगे आकर नेतृत्व संभालना होगा। वे मंगलवार को नगर भवन परिसर में सच्चिदानंद सिन्हा महाविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित ''बेहतर बिहार संवाद'' कार्यक्रम में छात्रों से संवाद कर रहे थे। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि बिहार में परिवर्तन की अपार संभावनाएं हैं। यहां की युवा शक्ति यदि ठान ले तो राज्य की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल सकती है। उन्होंने कहा कि 1975 में बिहार के युवाओं ने तानाशाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ बिगुल फूंका था।

जेपी आंदोलन ने प्रशस्त किया सत्ता का मार्ग

जेपी आंदोलन ने सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया। आज भी यदि बिहार को नई दिशा देनी है तो युवाओं को वही जोश, वही जज्बा और वही ऊर्ज़ा दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि गरीबी बिहार की सबसे बड़ी समस्या है। जब तक किसानों और श्रमिकों की आय में वृद्धि नहीं होगी, तब तक गरीबी का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए खेती में तकनीक का उपयोग, बटाईदार किसानों को स्थायी रोजगार और कृषि को व्यवसाय की तरह अपनाने की जरूरत है। सिंचाई, बीज, खाद, बाजार और तकनीक–इन सभी मोर्चों पर सुधार करना होगा। रोजगार के

मुद्दे पर ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि हर युवा सरकारी नौकरी की उम्मीद करता है, लेकिन यह व्यावहारिक नहीं है कि सरकार सभी को नौकरी दे सके। इसलिए युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, नौकरी देने वाला बनने की सोच विकसित करनी होगी। स्वरोजगार इसका सबसे बेहतर विकल्प है। उन्होंने कहा कि सरकार को युवाओं के लिए आसान ऋण व्यवस्था करनी चाहिए ताकि वे स्टार्टअप और छोटे उद्योग की ओर बढ़ें। उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के युवा 18 वर्ष की उम्र में व्यवसाय की शुरुआत कर देते हैं, जबकि बिहार के युवा उसी उम्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लग जाते हैं। यह मानसिकता बदलनी होगी। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के टॉपर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

आत्मनिर्भर बिहार के सपनों को नई उड़ान दें युवा

कार्यक्रम में सच्चिदानंद सिंहा महाविद्यालय के प्राचार्य डा. सुधीर कुमार मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि यह महाविद्यालय मगध क्षेत्र ही नहीं, पूरे बिहार में अपनी पहचान रखता है। यहां के छात्र-छात्राओं ने सदैव जिला और राज्य का नाम रौशन किया है। अब समय आ गया है कि ये युवा आत्मनिर्भर बिहार के सपनों को नई उड़ान दें। इससे पहले ऋतुराज सिन्हा ने राजेंद्र बाल उद्यान में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा का अनावरण किया। ''बेहतर बिहार संवाद'' कार्यक्रम में भाजपा के जिला महामंत्री सतीश कुमार सिंह ने भी युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र-छात्राएं राष्ट्र की असली पूंजी हैं। बिहार की तरक्की आपके प्रयासों से ही संभव है। अब समय आ गया है कि युवा नौकरी की तलाश से आगे बढ़कर खुद रोजगार के अवसर सृजित करें।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में पूर्व विधायक मनोज शर्मा, नवबिहार टाइम्स के संपादक कमल किशोर, भाजपा के जिला अध्यक्ष विजेंद्र चंद्रवंशी, डॉ. नागेंद्र शर्मा, विराट कोचिंग के संचालक अमित कुमार, सचदेवा कोचिंग के संचालक धीरज, पवन, ओम, नवीन, प्रो. शिवपूजन सिंह, प्रो. सिद्धेश्वर सिंह, सुरेंद्र मिश्रा, संजीव नारायण, दीपक कुमार, बी फार्मा विभाग के अध्यक्ष मंजीत, भीम बहादुर, विकास काली, अनूप मिश्रा, विकास सिंह, आशुतोष मोनू, सतीश कुमार मोनू, सौरभ कुमार, अमित अखौरी, अशोक कुमार सिंह समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद जिला अतिथि गृह में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक भी हुई। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि मगध और शाहाबाद क्षेत्र एनडीए का मजबूत गढ़ रहा है। पिछली बार जो नुकसान हुआ था, उसकी भरपाई इस बार पूरी तरह से की जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर मजबूत तैयारी का आह्वान किया।

सदन में विपक्ष के हंगामे के बीच छह विधेयक पारित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा में मंगलवार को दूसरी पाली में विपक्ष के हंगामे के बीच आधे घंटे में छह विधेयक बिना किसी बहस के ध्वनिमत से पारित हो गया। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) विधेयक, 2025 को सदन में पेश किया। उन्होंने कहा कि इसके तहत गांवों की तर्ज पर अब शहरी इलाके में भी विशेष भूमि सर्वेक्षण हो सकेगा। राज्य में रैयती एवं अन्य प्रकार की भूमि का नया अधिकार अभिलेख (खतियान) एवं भू-मानचित्र (नक्शा) बनाया जा रहा है। इस संशोधन विधेयक में नगर क्षेत्रों के राजस्व ग्रामों के भू-सर्वेक्षण कार्यों में सुविधा होगी और नगर क्षेत्रों की जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि राजस्व ग्रामों के लिए अलग-अलग खानापूरी दलों का गठन किया जाएगा। अधिकार अभिलेख के संबंध में दावे एवं आपत्तियां एवं उनके अंतिम प्रकाशन के तीन माह के अंदर भूमि सुधार उप समाहर्ता के स्तर के एक या एक से अधिक पदाधिकारी के समक्ष दायर किया जा सकेगा। अधिकार अभिलेख के अंतिम प्रकाशन के बाद पारित आदेश के खिलाफ तीन माह के अंदर अपील किया जा सकेगा। एक या एक से अधिक भूमि

सुधार उपसमाहर्ता स्तर के पदाधिकारी को राज्य सरकार द्वारा अपील की सुनवाई के लिए अधिसूचित किया जाएगा। सदन में मंत्री संजय सरावगी ने बिहार कृषि भूमि (गैर कृषि प्रयोजनों के लिए संपरिवर्तन संशोधन) विधेयक 2025 एवं बिहार कृषि भूमि (गैर कृषि प्रयोजनों के लिए समपरिर्वतन) (संशोधन) विधेयक, 2025 को पेश किया। बिहार कृषि भूमि (गैर कृषि प्रयोजनों के लिए संपरिवर्तन संशोधन) विधेयक के तहत राज्य में कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन में उपयोग के लिए निर्धारित होने वाले मुआवजा का दर अब नियमावली से तय हो सकेगा। खेती योग्य जमीन को गैर खेती के उपयोग के लिए अनुमंडल पदाधिकारी या इनके समकक्ष पदाधिकारी मुआवजा दर तय कर सकेंगे। अपर समाहर्ता को अपीलीय प्राधिकार और समाहर्ता को पुनरीक्षण प्राधिकार घोषित किया जाएगा। वहीं, बिहार भूमिगत पाइप लाइन (भूमि में उपयोगकर्ता के अधिकार का अर्जन) संशोधन विधेयक 2025 में जमीन के अंदर पानी का पाइप ले जाने का प्रावधान किया गया है। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया, जो ध्वनिमत से पारित हो गया। विधि मंत्री मंगल पांडेय ने बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास (संशोधन) विधेयक 2025 पेश किया। इसके तहत सीतामढ़ी में मां सीता की जन्मस्थली पुनौराधाम के विकास, प्रभावी संचालन एवं प्रबंधन संभालने को लेकर नये सिरे से न्यास समिति का गठन किया गया है। राज्य सरकार ने बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास (संशोधन), अध्यादेश, 2025 को 21 मई 2025 से लागू किया था। वहीं, इस अध्यादेश को कानूनी रूप देने के लिए विधेयक को पारित कर दिया गया। नगर विकास व आवास मंत्री जीवेश मिश्रा ने बिहार नगरपालिका (संशोधन) विधेयक 2025 पेश किया। इसके अनुसार नगरपालिका की बैठक में बाहरी लोगों के भी प्रवेश की अनुमति मिलेगी। नगरपालिका की प्रत्येक बैठक में पार्षदों और मुख्य नगरपालिका अधिकारी या उनके द्वारा नामित कोई अन्य अधिकारी भाग लेंगे। अब प्रत्येक बैठक की कार्यवाही मुख्य पार्षद या बैठक की अध्यक्षता करने वाले पार्षद द्वारा बैठक के आयोजन की तिथि से पंद्रह दिनों के भीतर विहित रूप से हस्तांतरित कर अनिवार्य रूप से जारी किया जाएगा।

कैमूर के तेल्हारा कुंड पर बनेगा दूसरा ग्लास ब्रिज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

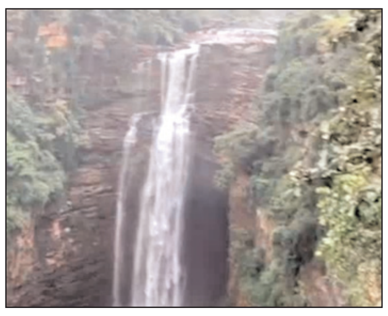

भभुआ। कैमूर जिले का प्रसिद्ध प्राकृतिक स्थल तेल्हाड़ कुंड जलप्रपात पर दूसरा ग्लास ब्रिज बनेगा। इससे यह पर्यटक स्थल और भी रोमांचक बनने जा रहा है। इस परियोजना के लिए लगभग 9 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जाएगी। बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब कैमूर का दौरा किया था तब उसी समय तेल्हाड़ कुंड के पास ग्लास ब्रिज बनाने की घोषणा की थी। इसके बाद बिहार सरकार ने ग्लास ब्रिज बनाने की स्वीकृति दी है। तेल्हाड़ कुंड जलप्रपात आने वाले सैलानी ग्लास ब्रिज, झूला पुल और वॉच टावर जैसी आधुनिक पर्यटक सुविधाओं का लुत्फ उठा पाएंगे। इस परियोजना का निर्माण कार्य बारिश के बाद शुरू किया जाएगा। कैमूर डीएफओ चंचल प्रकाशम ने बताया कि जब सीएम नीतीश कुमार कैमूर आये थे उसी समय तेल्हाड़ कुंड पर ग्लास ब्रिज बनाने की घोषणा की थी। सरकार से मिली स्वीकृति के बाद 9 करोड़ की लागत से ग्लास ब्रिज बनेगा। तेल्हाड़ कुंड जलप्रपात पर ग्लास ब्रिज, झूला पुल और वॉच टावर बनाने का कार्य बारिश के बाद शुरू किया जाएगा। साल 2027 मार्च तक इस कार्य पूरा कर लिया जाएगा। तेल्हाड़ कुंड जलप्रपात कैमूर जिले में भभुआ-औधोरा मार्ग पर स्थित है। यह प्रपात दुर्गावती नदी के उदगम के पास रोहतास पठार में स्थित है। यहां का नजारा पर्यटकों को खूब लुभाता है। यहां ऊंचाई से पानी गिरता है जो पत्थरों से टकराकर कोहरे का रूप लेकर आकाश में छा जाता है। अब इन नई संरचनाओं के जुड़ने से यह क्षेत्र राष्ट्रीय स्तर का पर्यटन केंद्र बन सकता है। स्थानीय लोगों को गाइड, कैफ़ेटेरिया और दुकान चलाने का मौका मिलेगा। साथ ही महिलाओं को हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए भी यहां एक बेहतर मौका मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

तालाब में डूबने से छात्र की मौत

भभुआ (नबिटा ब्यूरो)। भभुआ थाना क्षेत्र के जमुआंव गांव में मंगलवार सुबह सात वर्षीय बालक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृत बालक की पहचान जमुआंव गांव निवासी जमुना बिंद के पुत्र ईश्वर कुमार के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार ईश्वर रोज की तरह सुबह करीब 7 बजे गांव में ट्यूशन पढ़ने निकला था। रास्ते में तालाब के पास से गुजरते समय उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया।

सड़क हादसे में दो कांवरियों की मौत

छपरा (नबिटा ब्यूरो)। सारण जिले में सावन माह की पवित्र कांवड़ यात्रा के दौरान एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो कांवड़ यात्रियों की मौत हो गई। यह हादसा सोमवार की देर रात रिविलगंज थाना क्षेत्र के एनएच-19 पर हुआ। मृतकों की पहचान जनता बाजार थाना क्षेत्र के दयालपुर गांव निवासी दीपक कुमार साह और दीपक कुमार मांझी के रूप में हुई है। दोनों आपस में गहरे दोस्त थे और एक साथ बिहार पुलिस की तैयारी कर रहे थे।

ट्रक की चपेट में आने से आशा कार्यकर्ता की मौत

बांका (नबिटा ब्यूरो)। शहर में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में आशा कार्यकर्ता की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतका की पहचान बेलहर प्रखंड के घसिया गांव निवासी मंजू देवी के रूप में की गई है।

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह कल 'राष्ट्रीय सहकारिता नीति' का करेंगे अनावरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 24 जुलाई को अटल अक्षय ऊर्ज़ा भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 की घोषणा करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सहकारिता नीति के प्रारूप को तैयार करने वाली समिति के सदस्य, सभी राष्ट्रीय सहकारी संघों के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद और वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे। नई सहकारिता नीति 2025-45 तक आगामी दो दशकों के लिए भारत के सहकारी आंदोलन में एक मील का पत्थर साबित होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में नई सहकारिता नीति 2025 का उद्देश्य सहकारिता क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और आधुनिक बनाने के साथ-साथ जमीनी स्तर पर एक रोडमैप बनाकर सहकार से समृद्धि के विजन को साकार करना है। इससे पहले वर्ष 2002 में देश की पहली राष्ट्रीय सहकारिता नीति जारी की गई थी जिसमें सहकारी संस्थाओं की आर्थिक गतिविधियों के बेहतर प्रबंधन के लिए एक आधारभूत रूपरेखा दी गई थी। पिछले 20 वर्षों में वैश्वीकरण और तकनीकी प्रगति के कारण समाज, देश और विश्व में कई बड़े परिवर्तन हुए हैं। इन परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए नई नीति बनाना आवश्यक हो गया था ताकि सहकारी संस्थाओं को वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में अधिक सक्रिय और उपयोगी बनाया जा सके और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने में सहकारिता क्षेत्र की भूमिका मजबूत हो सके।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर बिहार विधानमंडल में जमकर हंगामा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के दूसरे दिन दोनों सदनों में विपक्षी विधायकों ने मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर जमकर हंगामा किया। विपक्ष के विधायक काले कपड़ों में पहले बाहर विरोध प्रदर्शन किया फिर सदन के अंदर जाकर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष ने न केवल हंगामा किया बल्कि इस दौरान सदन में मौजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कागज फेंकने का प्रयास किया। इतना ही नहीं वेल में आकर प्रदर्शन कर रहे सदस्यों ने कुर्सी उठाकर सदन में बवाल काटा। मार्शलों को कुर्सी छीनने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं पूरा सदन अराजक स्थिति में दिखा। हंगामा होता देख विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने सदन की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। इसके पहले सुबह में 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के विधायकों ने सदन में जमकर हंगामा किया था जिसके चलते मात्र 21 मिनट में ही सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थागित करनी पड़ी थी। बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लोकतंत्र विरोधी बताते हुए सदन में विपक्षी सदस्यों ने भारी बवाल किया। वहीं भोजनावकाश के बाद सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे शुरू होने पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि एसआईआर का विषय बिहार के मतदाताओं से जुड़ा हुआ है। इसलिए इस पर तत्काल सदन में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाताओं से चुनकर ही सत्ता पक्ष या विपक्ष के लोग हों यहां विधानसभा में पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार लोकतंत्र की जननी है और इसी बिहार में लोकतंत्र को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। एसआईआर की जो प्रक्रिया चुनाव आयोग के द्वारा बनाई गई है वह मतदाताओं के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि जब मतदाताओं के नाम ही मतदाता सूची से कट जाएंगे तो इसका क्या मतलब है। उन्होंने कहा कि अगर सदन में हम इसकी चर्चा नहीं करेंगे तो कहां करेंगे। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने तेजस्वी की मांग को ख़ारिज करते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही शुरू हुई थी तो हमने आपके सदस्यों को अपनी बात रखने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने अपनी बात नहीं रखी। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा तत्काल इस पर चर्चा कराने की मांग ख़ारिज करने पर विपक्ष के सदस्यों ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया जिसके बाद सदन की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थागित करने की घोषणा विधानसभा अध्यक्ष ने कर दी। दरअसल, विधानसभा में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर चर्चा कराने की मांग को लेकर मानसून सत्र के दूसरे दिन भी विपक्ष ने सदन के बाहर और भीतर जोरदार हंगामा किया। सदन की कार्यवाही शुरू होने पर शिक्षा विभाग से जुड़े सवालों को जब लिया जाने लगा तो उस समय विपक्षी सदस्यों ने सदन की कार्यवाही का विरोध जताते हुए नीतीश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव की ओर से बार-बार विपक्षी सदस्यों को कहा गया कि आप लोग जान बूझकर सिर्फ शोरगुल कर रहे हैं। उनकी ओर से बार-बार की गई अपील के बाद भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा जिसके चलते सदन की कार्यवाही भोजनावकाश तक के लिए स्थागित करनी पड़ी थी। वहीं, दूसरी पाली की कार्यवाही शुरू होते ही विधायक एसआईआर के खिलाफ वेल में पहुंच गए और विधानसभा अध्यक्ष के सामने कुर्सी उठा ली। विधानसभा अध्यक्ष ने विधायकों को सख्त चेतावनी दी लेकिन विधायक मानने को तैयार नही हैं।

आधार, मतदाता व राशन कार्ड केवल पहचान के लिए मान्य : चुनाव आयोग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। बिहार में इस साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव होने है। इसके लिए राज्यभर की राजनीति में गर्माहट तेज है। हालांकि गर्माहट का एक और बड़ा कारण चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2025) के फैसले को लेकर भी है। जहां विपक्षी दल लगातार से चुनाव आयोग के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में मंगलवार को चुनाव आयोग ने बिहार में चल रहे एआईआर-2025 को लेकर उठ रहे सवालों पर सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर सफाई दी है। अपने हलफनामें में चुनाव आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया चुनाव की पवित्रता बनाए रखने के लिए जरूरी है क्योंकि इससे अयोग्य व्यक्तियों को मतदाता सूची से हटाया जाता है। आयोग ने बताया कि एसआईआर-2025 के दौरान आधार कार्ड, वोटर कार्ड और राशन कार्ड जैसी पहचान से जुड़ी जानकारी का इस्तेमाल केवल पहचान स्थापित करने के लिए किया जा रहा है, नागरिकता या निवास प्रमाण के रूप में नहीं। आयोग ने साफ किया कि आधार नंबर देना वैकल्पिक है और यह केवल पहचान के लिए लिया जा रहा है ना कि नागरिकता साबित करने के लिए। आधार अधिनियम, 2016 की धारा 9 के अनुसार, आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इसके साथ ही आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का कोई भी नागरिक तभी वोट डाल सकता है जब वह 18 साल का हो और सामान्य रूप से उस क्षेत्र का निवासी हो। जो व्यक्ति इन योग्यताओं को पूरा नहीं करता, वह वोट का अधिकार नहीं रखता, इसलिए वह संविधान के अनुच्छेद 19 (स्वतंत्रता का अधिकार) और 21 (जीवन का अधिकार) के तहत कोई दावा नहीं कर सकता।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। बीते दिन ही धनखड़ ने राष्ट्रपति मुर्मू को पत्र भेजकर पद से इस्तीफ़े की बात कही थी। उन्होंने इस्तीफ़े के पीछे स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। मंगलवार को राज्यसभा को जगदीप धनखड़ के तत्काल प्रभाव से इस्तीफ़े के संबंध में गृह मंत्रालय की अधिसूचना (दिनांक 22 जुलाई) के बारे में सूचित किया गया। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर धनखड़ के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने लिखा, 'जगदीप धनखड़ को भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।' उपराष्ट्रपति के पद छोड़ने के साथ ही राज्यसभा के सभापति पद भी स्वतः रिक्त हो गया। उपराष्ट्रपति उच्च सदन के पदेन सभापति होते हैं। ऐसे में अब जब इस्तीफा मंजूर हो गया है तो मानसून सत्र में राज्यसभा की पूरी कार्यवाही उपसभापति हरिवंश चलाएंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति की ओर से अधिकृत सदस्य को भी यह जिम्मेदारी दी सकती है। उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जल्द से जल्द कराना होता है। संविधान के अनुसार मृत्यु, त्यागपत्र या हटाए जाने या अन्य किसी कारण से उपराष्ट्रपति पद की रिक्ति भरने के लिए चुनाव यथाशीघ्र कराने का प्रावधान है।

C M Y K

सहकारी समितियों के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही सरकार : डॉ. प्रेम कुमार

बिहार के 6 जिलों में सहकारी विकास परियोजना पर 315.51 करोड़ रुपये की लागत से कार्य जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

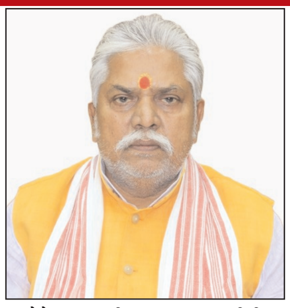

पटना। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा है कि समेकित सहकारी विकास परियोजना के माध्यम से राज्य में सहकारी समितियों का आधारभूत ढांचा तेजी से मजबूत किया जा रहा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाना और किसानों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। ताकि वे सुरक्षित भंडारण, प्रसंस्करण और विपणन के जरिये अपनी आय में वृद्धि कर सकें। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि वर्तमान में बिहार के 6 जिलों– पूर्वी चम्पारण (मोतिहारी), औरंगाबाद, बेगूसराय, दरभंगा, पश्चिमी चम्पारण (बेतिया) और पूर्णिया में समेकित सहकारी विकास परियोजना पर 315.51 करोड़ रुपये की लागत से कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक विभिन्न क्षमताओं के 2126 नए गोदामों का निर्माण पूरा किया जा चुका है जबकि 322 समितियों में पुराने गोदामों की मरम्मत का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। इससे राज्य में कुल 3,33,850 मीट्रिक टन भंडारण क्षमता सृजित हुई है जो किसानों के लिए कृषि उत्पादों के सुरक्षित भंडारण में सहायक होगी। सहकारिता मंत्री ने बताया कि 108 समितियों में राइस मिल का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा 145 समितियों में कम्पोजिट यूनिट, 787 वर्मी कम्पोस्ट इकाई की स्थापना और अन्य गतिविधियों के जरिए समितियों को सशक्त किया गया है। अब तक 1,54,571 सहकारी समिति सदस्यों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से दक्ष किया गया है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि परियोजना की विस्तारित अवधि 30 सितंबर 2025 तक निर्धारित की गई है और सभी जिलों में भवन निर्माण एवं आधारभूत संरचना का कार्य तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से सहकारी समितियों के माध्यम से ग्रामीण विकास को मजबूती मिलेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने बताया कि समेकित सहकारी विकास परियोजना की शुरुआत वर्ष 1988 में सासाराम और भोजपुर (बक्सर) जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की गई थी। इसकी सफलता को देखते हुए वर्ष 2001 से इसे अन्य जिलों में भी विस्तार दिया गया। अब तक राज्य के 20 जिलों में कुल 559.59 करोड़ रुपये की लागत से परियोजना लागू की जा चुकी है। इस परियोजना में अररिया, गोपालगंज, मधुबनी, गया, सीतामढ़ी, आरा, छपरा, सिवान, कैमूर, खगड़िया, शिवहर, नालंदा, वैशाली, जहानाबाद, अररिया, मोतिहारी, औरंगाबाद, बेगूसराय, दरभंगा, बेतिया और पूर्णिया में सहकारी समितियों के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने का कार्य हो रहा है। परियोजना के तहत बेगूसराय में 4.17 करोड़ रुपये की लागत से एक कोल्ड स्टोरेज का आधुनिकीकरण और विस्तार किया गया है। वहीं दरभंगा में मखाना उत्पादकों के लिए दो कॉमन फैसिलिटी-कम-प्रोसेसिंग सेंटर और एक मखाना होलसेल-सह-रिटेल मार्केटिंग सेंटर का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा 24 बैंकिंग सेक्टर में भी अधिसंरचना विकास और आधुनिकीकरण का कार्य पूरा हो चुका है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि समेकित सहकारी विकास परियोजना से सहकारी समितियों की आर्थिक ताकत बढ़ेगी। किसानों को भंडारण और प्रसंस्करण की आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी जिससे वे अपने उत्पाद बेहतर दामों पर बेच सकेंगे। इसके अलावा ग्रामीण स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में सहकारिता आंदोलन को पुनर्जीवित कर ग्रामीण विकास की दिशा में यह एक ठोस कदम है।

बिहार में 18 लाख मृत मतदाता, 7 लाख के नाम दो जगह दर्ज, 26 लाख मतदाता गायब

विशेष सारांश पुनरीक्षण के दौरान सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में चल रहे विशेष सारांश पुनरीक्षण में अब तक मतदाता सूची की जांच के दौरान कई अहम तथ्य सामने आए हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक अब तक करीब 18 लाख मृत मतदाताओं की पहचान की गई है, वहीं 26 लाख मतदाता ऐसे पाए गए हैं जो अपने निर्वाचन क्षेत्र से अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके हैं। इसके अलावा 7 लाख मतदाता ऐसे भी मिले हैं जिनके नाम दो स्थानों पर दर्ज पाए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार 1 अगस्त 2025 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके लिए पूरे बिहार में मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है ताकि सूची में सभी पात्र मतदाताओं का नाम दर्ज हो और अपात्र या दोहरी प्रविष्टियां हटाई जा सकें। इस अभियान में लगभग 1 लाख बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी), 4 लाख स्वयंसेवक और सभी 12 प्रमुख राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों द्वारा नियुक्त 1.5 लाख बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। इनकी जिम्मेदारी उन मतदाताओं की खोजबीन करना है जिनका गणना प्रपत्र अब तक जमा नहीं हुआ है या जो अपने पते पर नहीं मिल रहे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और बीएलओ ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कई बैठकें की हैं। इन बैठकों में उन 21.36 लाख मतदाताओं की सूची साझा की गई है जिनके आवेदन या प्रपत्र अब तक प्राप्त नहीं हुए हैं। इसके साथ ही लगभग 52.30 लाख ऐसे मतदाताओं की सूची भी साझा की गई है जो मृत, स्थानांतरित या एक से अधिक स्थानों पर नामांकित पाए गए हैं। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि विशेष सारांश पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाना है ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो। एसआईआर आदेश के अनुसार प्रारूप मतदाता सूची 1 अगस्त से प्रकाशित की जाएगी और इसके बाद 1 सितंबर 2025 तक नागरिकों को अतिरिक्त नाम जोड़ने, विलोपन कराने और सुधार के लिए आपत्ति दर्ज कराने का अवसर मिलेगा। इस दौरान किसी भी मतदाता को अपने नाम की पुष्टि करने, त्रुटि सुधार कराने और नाम जुड़वाने का मौका रहेगा। चुनाव आयोग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने बूथ स्तर पर जाकर मतदाता सूची की जांच करें और यदि कोई गलती पाते हैं तो निर्धारित समय में सुधार कराएं। आयोग ने यह भी कहा है कि किसी भी तरह की अनियमितता की सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। विशेष सारांश पुनरीक्षण के तहत इस बार चुनाव तंत्र पूरी पारदर्शिता और व्यापक भागीदारी के साथ मतदाता सूची को बेहतर और निष्पक्ष बनाने में जुटा है।

उप राष्ट्रपति बनना चाहते हैं या नहीं यह फैसला नीतीश कुमार लेंगे : अशोक चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद एक बार फिर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उप राष्ट्रपति बनाने की मांग शुरू हो गई है। भाजपा की तरफ से यह मांग की गई है जिस पर अब मंत्री अशोक चौधरी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने नीतीश कुमार के उप राष्ट्रपति बनाने की मांग पर भाजपा को धन्यवाद अदा किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस पर हमारे नेता फैसला लेंगे कि वह क्या चाहते हैं? वह उप राष्ट्रपति बनना चाहते हैं या नहीं यह फैसला उन्हें लेना है। इस दौरान एसआईआर को लेकर विधानसभा में विपक्ष द्वारा कुर्सी टेबुल उठाए जाने पर उन्होंने कहा कि सब कुछ का एक प्रोटोकॉल बना हुआ है, लेकिन देखिए किस तरीके से टेबुल उठाकर चला रहे हैं। 15 साल के शासन ने उन्होंने बिहार का क्या हाल कर दिया। थोड़ा नंबर बढ़ गया तो विधानसभा को भी कहां से कहां यह लोग बना कर रख देंगे। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव की स्थिति पर उन्होंने कहा कि हमें यही जानकारी है कि उन्होंने अभी कोई इस्तीफा नहीं दिया है जब देंगे तब इस पर कोई प्रतिक्रिया दी जा सकती है। मतदाता सूची पुनरीक्षण पर उन्होंने कहा कि कई जिले में लोगों से ज्यादा आधार कार्ड बना है इसका मतलब फर्जी है तो चुनाव आयोग का कहना है कि हम किसी हालत में कोई फर्जी व्यक्ति का वोट गिरने नहीं देंगे और जो सही व्यक्ति है वह वोट गिराएगा यह गलत बात तो नहीं है।

सेना के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की पोशाकें सिलेंगी वीरांगनाएं

पोशाक सिलने का प्रशिक्षण और स्वचालित मशीन उपलब्ध करा रहा स्टेट बैंक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय सेना के शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं और पूर्व सैनिकों की पत्नी या पुत्रियों को स्वाबलंबी बनाने के लिए सैनिक कल्याण निदेशालय ने एक नई पहल की है। अब सेना के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के स्कूली पोशाकों को सिलने की जिम्मेदारी इन वीरांगनों को सौंपी जा रही है। इसके लिए सैनिक कल्याण निदेशालय ने भारतीय स्टेट बैंक और नव अस्तित्व फाउंडेशन के सहयोग से राजधानी के अल्बर्ट एक्का भवन में इन वीर महिलाओं को कपड़े सिलने का दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। प्रशिक्षण के बाद इन वीरांगनों को भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा स्वचालित सिलाई मशीन और सिलाई टूल किट्स प्रदान किये जाएंगे। इन महिलाओं के लिए सिलाई का प्रशिक्षण गैर सरकारी संस्था नव अस्तित्व फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। बिहार रेजीमेंटल सेंटर के ब्रिगेडियर केडी जसपाल ने अल्बर्ट एक्का भवन में इस प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा कि सैनिकों की पत्नियों और बेटियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने इस नेक काम के लिए सैनिक कल्याण निदेशालय, भारतीय स्टेट बैंक और नव अस्तित्व फाउंडेशन को बधाई दी और कहा कि इस प्रशिक्षण से इन वीरांगनाओं को काफी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि आप अपना काम शुरू कीजिए, आपके उत्पाद को बाजार सेना उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के देशभर में सैकड़ों स्कूल चलते हैं। इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की पोशाक का ऑर्डर इन्हीं वीरांगनाओं को दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वीर नारी और उनके आश्रितों के लिए यह एक उत्कृष्ट पहल है। इस तरह का प्रशिक्षण शिविर राज्य के अन्य जिलों में भी समय-समय पर आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर बिहार रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट केडी जसपाल के अलावा भारतीय स्टेट बैंक के बिहार-झारखंड के चीफ जेनरल मैनेजर बीके बंगारराजू, सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक ब्रिगेडियर मृगेंद्र कुमार, सहायक निदेशक कर्नल संतोष कुमार त्रिपाठी, जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कर्नल मनोज कुमार कई पूर्व सैनिक मौजूद थे।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर समस्याओं से कराया अवगत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। मुख्यालय, हाजीपुर में 02 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने की उच्चस्तरीय बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की गयी। बैठक के दौरान पांचों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे। बैठक में संरक्षा, सुरक्षा, ट्रेनों के समय पालन, मानसून के दौरान उठाये जाने वाले आवश्यक सावधानियों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। एसेट मेंटेनेंस, कॉशन ऑर्डर एवं स्पीड रिस्ट्रिक्शन आदि विषयों पर भी बैठक में विभागाध्यक्षों एवं मंडल रेल प्रबंधकों के साथ चर्चा की गयी। बैठक के दौरान मंडल रेल प्रबंधक द्वारा उठाये गये बिंदुओं पर भी गहन चर्चा की गयी। महाप्रबंधक ने पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्री सुविधा, सुरक्षा, संरक्षा आदि के संबंध में किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार में चल रहे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य एवं विभिन्न निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की मॉनिटरिंग के साथ-साथ उसमें तेजी लाने पर भी महाप्रबंधक ने बल दिया।

निर्माण स्थलों पर श्रमिकों को उपलब्ध कराई जाएगी स्वास्थ्य व सुरक्षा

बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भवन व अन्य निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिकों के कल्याण के लिए श्रम संसाधन विभाग की दो दिवसीय कार्यशाला शुरू हो गई। सरकारी कार्यों को नियमानुसार एवं द्रुत गति से संपादित करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला-सह-सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का आयोजन बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड, श्रम संसाधन विभाग के तत्वावधान में राजधानी के दशरथ मांझी श्रम नियोजन एवं अध्ययन संस्थान में किया जा रहा है। इस दो दिवसीय कार्यशाला में राज्य के सभी उप श्रमायुक्त, सहायक श्रमायुक्त तथा प्रत्येक प्रमंडलों से तीन-तीन श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी भाग ले रहे हैं। आयोजित कार्यशाला में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996 के अन्तर्गत उपकर का निर्धारण एवं संग्रहण, चारों श्रम संहिता यथा- कोड ऑन वेजेज-2019, कोड ऑन सोशल सिक्युरिटी-2020, कोड ऑन इंडस्ट्रियल रिलेशंस - 2020 और कोड ऑन ऑक्युपेशनल सेफ्टी हेल्थ एण्ड वर्किंग कंडीशन - 2020 तथा निर्माण स्थलों पर कार्यरत निर्माण श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गयी। विषय के जानकार ओंकार शर्मा, सेवानिवृत मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय), राम बाबू, अधीक्षण अभियंता, अंचल-1, भवन निर्माण विभाग, बिहार सरकार तथा वैशाली लाहिड़ी, राष्ट्रीय परियोजना समन्वयक द्वारा विस्तृत जानकारी उपस्थित पदाधिकारियों को दी गयी। विगत अप्रैल-मई माह में कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इसी कड़ी में इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। बोर्ड द्वारा नियमित रूप से पदाधिकारियों के उन्मुखीकरण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाता रहेगा।

अंगदान कर मिसाल बने रेलवे कर्मचारी रवि वर्मा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व मध्य रेलवे, पटना मंडल के परिचालन विभाग में पदस्थापित रवि वर्मा ने एक सराहनीय एवं प्रेरणादायक निर्णय लेते हुए अंगदान कर समाज में मानवता और सेवा की नई मिसाल पेश की है। श्री वर्मा ने अंगदान का संकल्प लेकर यह दर्शाया है कि एक व्यक्ति का निर्णय कई जिंदगियों को नया जीवन दे सकता है। उनके इस कदम से नेत्रहीन को दृष्टि, किसी रोगी को नई सांसें और जरूरतमंद को जीवनदान मिलने की संभावना बनती है। ऐसे समय में जब अंगदान को लेकर समाज में कई प्रकार की भ्रांतियां फैली हुई हैं।

सांस्कृतिक प्रतियोगिता के अंतर्गत मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी. डी. कॉलेज, पटना की सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित सांस्कृतिक प्रतियोगिता-2025 की श्रृंखला में 21 जुलाई एवं 22 जुलाई को क्रमशः मेहंदी प्रतियोगिता तथा रंगोली प्रतियोगिता का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। दोनों ही प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा, सांस्कृतिक संवेदना एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहनीय झलक देखने को मिली। मेहंदी प्रतियोगिता में कुल 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया। छात्राओं ने पारंपरिक एवं समकालीन डिजाइनों का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन निर्णायक मंडलों यथा- डॉ. सीता सिन्हा, डॉ. रेखा रानी, डॉ. ममता शर्मा द्वारा किया गया। निर्णायकों ने कलात्मकता, डिजाइन की मौलिकता, संतुलन एवं सफाई के आधार पर विजेताओं का चयन किया। प्रथम स्थान- अंजलि कुमारी, द्वितीय स्थान- जबीन महताब, तृतीय स्थान (संयुक्त)-रिया कुमारी एवं सलोनी कुमारी। इस प्रतियोगिता में कुल 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। छात्राओं ने पारंपरिक शैलियों के साथ-साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय सरोकारों को समेटते हुए आकर्षक रंगोलियां प्रस्तुत कीं। प्रतियोगिता का मूल्यांकन निर्णायक मंडलों यथा प्रो. शत्रुघ्न शरण सिंह, डॉ. राहुल अमृतराज, डॉ. सीमा कुमारी द्वारा किया गया। विजेता समूह- प्रथम स्थान- साहब बाबू एवं मुस्कान सिंह। द्वितीय स्थान- मनीषा एवं शिल्पा, तृतीय स्थान (संयुक्त)- अनाध्या, दीप्ति एवं सपना, समापन एवं धन्यवाद ज्ञापन। सांस्कृतिक समिति की संयोजक डॉ. विनीता तिवारी ने आयोजन की सफलता हेतु सभी प्रतिभागियों, निर्णायकों, शिक्षकों एवं आयोजन सहयोगियों का हार्दिक आभार प्रकट करते हुए कहा- इस आयोजन की सफलता का सम्पूर्ण श्रेय हमारे प्राचार्य प्रो. विवेका नंद सिंह को जाता है जिनके मार्गदर्शन, सहयोग एवं निरंतर प्रोत्साहन से यह संभव हो सका। साथ ही निर्णायकों की निष्पक्षता, शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता एवं छात्राओं की रचनात्मकता इस कार्यक्रम की विशेषता रही। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. विवेका नंद सिंह ने प्रतिभागी छात्राओं को संबोधित करते हुए उनके उत्साह, अनुशासन एवं सांस्कृतिक प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने आयोजन की सफलता हेतु सांस्कृतिक समिति की संयोजिका डॉ. विनीता तिवारी सहित संपूर्ण समिति के सदस्यों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि- इस प्रकार के आयोजनों से न केवल विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता विकसित होती है, बल्कि उनमें सांस्कृतिक चेतना और आत्मविश्वास भी सुदृढ़ होता है।

रोटरी क्लब ऑफ अद्विका पाटलिपुत्र ने किया अन्न दान महादान कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। रोटरी क्लब ऑफ पाटलिपुत्र अद्विका द्वारा 'अन्न दान महादान' कार्यक्रम के अंतर्गत 'अपना घर' (गाय घाट) में मानसिक रूप से विच्छिप्त 60 से अधिक लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया। इस सेवा भाव से ओतप्रोत आयोजन की अध्यक्षा बबिता बिदसरिया रहीं। कार्यक्रम को अपना घर के इंचार्ज रंजीत के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। क्लब की सेक्रेटरी नीतू बिरला, श्वेता सिन्हा, कंचन रॉय समेत अन्य सदस्यों की भी सक्रिय उपस्थिति रही। एम पी जैन ने बताया कि यह आयोजन रोटरी क्लब के सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा भावना का एक उदाहरण है जिसमें समाज के उपेक्षित और जरूरतमंद वर्ग के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाया गया।

बैंकों के प्रदर्शन में सुधार के लिए रैंकिंग इंडेक्स को स्वीकृति : सम्राट चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि बैंकों के प्रदर्शन में सुधार के लिए रैंकिंग इंडेक्स बनाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। श्री चौधरी ने कहा कि बैंकों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए उनके प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग/स्कोरिंग इंडेक्स लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। यह इंडेक्स बैंकिंग प्रदर्शन- वार्षिक साख योजना के लक्ष्य की प्राप्ति, क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात में वृद्धि, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र - कृषि, पशुपालन, मत्स्य आदि में ऋण वितरण, स्वयं सहायता समूहों को ऋण उपलब्धता तथा सरकार की योजना जैसे मुद्रा- योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएमईजीपी आदि में भागीदारी को आधार बनाकर तैयार किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास में बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। बैंक का काम केवल बचत को सुरक्षित रखने तक सीमित नहीं हैं बल्कि ये राज्य की आर्थिक गति को भी बल प्रदान करते हैं। कृषि, उद्योग, व्यापार, सेवा, शिक्षा समेत अन्य क्षेत्रों में ऋण उपलब्ध कराकर बैंक रोजगार सृजन के अवसर सृजित करने में भी सहायता प्रदान करते हैं। बैंकों की इसी महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष की शुरुआत में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के माध्यम से वार्षिक साख योजना के तहत बैंकों के लिए साख प्राप्ति का लक्ष्य तय किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान अधिकांश बैंक इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहे हैं। राज्य का क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात यानि सीडी रेसियो भी वर्तमान में राष्ट्रीय औसत से कम है। श्री चौधरी ने कहा कि इस स्थिति में सुधार लाने और बैंकों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए उनके प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग/स्कोरिंग इंडेक्स लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है। श्री चौधरी ने कहा कि यह बैंकों के लिए अलार्मिंग की तरह है। इस इंडेक्स में न्यूनतम 40 अंक प्राप्त करने वाले बैंकों को ही राज्य सरकार की योजनाओं में शामिल किया जाएगा और उन्हें ही सरकारी जमा स्वीकार करने तथा सार्वजनिक उपक्रमों, प्राधिकरणों एवं सोसाइटीज से बैंकिंग लेन-देन की अनुमति दी जाएगी।

बिहार में उर्वरकों की कोई कमी नहीं : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि वर्तमान में बिहार राज्य में किसी भी प्रकार के रासायनिक उर्वरक की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा शारदीय (खरीफ) 2025 के मौसम के लिए बिहार राज्य हेतु 10.32 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 2.20 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 2.50 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 0.50 लाख मीट्रिक टन एमओपी और 0.75 लाख मीट्रिक टन एसएसपी उर्वरक की आवश्यकता का निर्धारण किया गया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 जुलाई तक राज्य में यूरिया का 3.92 लाख मीट्रिक टन, डीएपी का 1.10 लाख मीट्रिक टन, एनपीके का 2.28 लाख मीट्रिक टन, एमओपी का 0.64 लाख मीट्रिक टन तथा एसएसपी का 1.00 लाख मीट्रिक टन स्टॉक उपलब्ध है। श्री सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को सही दर एवं सही समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य में उर्वरकों की कालाबाजारी, अधिक मूल्य पर बिक्री और टैगिंग जैसी अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण हेतु लगातार छापामारी की जा रही है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत मूर्तिकार प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पटना द्वारा पारंपरिक शिल्प को सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई है। 21 जुलाई 2025 से संस्थान परिसर में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत मूर्तिकार ट्रेड में दूसरा बैच के 11 प्रतिभागियों के लिए 40 घंटे का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ हुआ है जो 25 जुलाई 2025 तक चलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक मूर्तिकला शिल्प को संरक्षित करते हुए उसमें आधुनिक तकनीकों का समावेश कर शिल्पकारों को आत्मनिर्भर बनाना है। प्रतिभागियों को निःशुल्क प्रशिक्षण के साथ-साथ टूल किट, स्टाइपेंड तथा अन्य सुविधा भी प्रदान की जा रही है। संस्थान पूर्व में भी प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत निम्नलिखित ट्रेडों में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर चुका है।

यह प्रशिक्षण न केवल पारंपरिक शिल्प को जीवित रखने का माध्यम है, बल्कि इससे शिल्पकारों को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से बिहार की हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल शिल्पकला के संरक्षण, विकास और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले डाबर च्यवनप्राश के साथ करें मानसून का स्वागत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मानसून के आगमन के साथ ही संक्रमणों का खतरा भी बढ़ जाता है, खासकर बच्चों में। ऐसे में उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को सशक्त बनाने हेतु डाबर इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को आरपीएस रेजिडेंशियल स्कूल, पटना में एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर स्कूली छात्रों के बीच डाबर च्यवनप्राश का वितरण किया गया। डाबर इंडिया लिमिटेड के हेल्थ सप्लीमेंट्स के मार्केटिंग प्रमुख, अमित गर्ग ने कहा आयुर्वेद की गहराई और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से तैयार किया गया डाबर च्यवनप्राश आज की जीवनशैली और मौसमी बदलावों से बचाव के लिए एक सुरक्षित और विश्वसनीय समाधान है।

आश्रित हितलाभ का भुगतान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक सीए निरंजन कुमार द्वारा सादे समारोह में मेसर्स ए.एफ.पी. मैन्युफैक्चरिंग कंपनी प्रा. लि. अंतर्गत पंजीकृत बीमित व्यक्ति मिथिलेश कुमार जो हाजीपुर में हेल्पर के पद पर कार्यरत थे उनकी आश्रिता पत्नी-कविता कुमारी, पुत्र- मयंक राज एवं वेदान्त कश्यप को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अंतर्गत आश्रित हितलाभ प्रदान किया गया और संवेदना व्यक्त की गयी। स्व. मिथिलेश कुमार की मृत्यु 30-11-2024 को कार्य के दौरान रोजगार चोट के कारण हुई थी। वे परिवार में अकेले कमाने वाले थे व परिवार पूर्णतः आर्थिक रूप से उन पर निर्भर था। नियोजक द्वारा दुर्घटना रिपोर्ट भेजे जाने के पश्चात इसकी जांच की गयी तथा ई0एस0आई0सी0 द्वारा आश्रितों के लिए मासिक पेंशन स्वीकृत किया गया। पेंशन के रूप में 318 रु. प्रतिदिन की दर से लगभग प्रतिमाह (9540/-) आश्रितों को मिलेगा। दुर्घटना की तिथि से आज तक लगभग 66780 रुपये का बकाया भुगतान भी उनके खाते में अंतरित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कार्य के दौरान व कार्यस्थल और निवासस्थान के मध्य आवागमन के कारण होने वाली दुर्घटना को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 के तहत रोजगार चोट के रूप में स्वीकृत करने का प्रावधान है जिसके अंतर्गत बीमित कर्मचारी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो जाने पर उनके आश्रित परिवारजनों को ई0 एस0 आई0 योजना के तहत वेतन का 90% तक मासिक आश्रित पेंशन दिया जाता है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीसी के जरिए समीक्षात्मक बैठक में जिलाधिकारी हुईं शामिल

मुख्य सचिव ने लंबित कार्यों को निष्पादित करने का दिया दिशा-निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। जुलाई महीने के चौथे मंगलवार को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पूर्व से निर्धारित विभिन्न विभागों की समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी, रोहतास उपस्थित रहीं। विदित हो कि मुख्य सचिव बिहार के द्वारा महीने के प्रत्येक मंगलवार को पूर्व से निर्धारित विभागों के कार्यकलापों की समीक्षात्मक बैठक की शुरुआत की गई।

बैठक में निर्धारित विभागों के प्रधान सचिव के द्वारा एजेंडा वार पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा विभाग के वर्तमान कार्य की स्थिति एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया जाता है। संबंधित विभाग के प्रधान सचिव/ सचिव के द्वारा विभाग से संबंधित लंबित कार्यों के बारे में भी जिला पदाधिकारी गणों को जानकारी दी जाती है। ताकि लंबित कार्यों को निष्पादित करने की दिशा में तत्क्षण कार्रवाई की जा सके। तत्पश्चात पूर्व से निर्धारित विभागों में से कल्याण विभाग, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, गृह विभाग, सूचना एवं जन-संपर्क विभाग, संसदीय कार्य विभाग, निगरानी विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, वित्त विभाग, एससी। एसटी वेलफेयर डिपार्टमेंट, खान एवं भूतत्व विभाग, मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग, परिवहन विभाग, विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, खेल विभाग, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, साइंस, टेक्नोलॉजी एंड टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट एवं विधि विभाग के कार्यों की समीक्षा मुख्य सचिव के द्वारा की गई। आज की बैठक में उपरोक्त विभागों के कार्यकलापों में और तेजी लाने एवं जिला पदाधिकारी गण को संबंधित विभागों के लंबित कार्यों को निष्पादित करने के संबंध में मुख्य सचिव के द्वारा महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए।

नारी उत्थान को लेकर विवेकानंद के विचारों पर भाषण प्रतियोगिता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। महिला कॉलेज, डालमियानगर में मंगलवार को एन एस एस व विवेकानंद ग्रुप ऑफ रेस्टीट्यूशन, औरंगाबाद के सौजन्य से नारी उत्थान एवं स्वामी विवेकानंद के विचार पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन कालेज के एन एसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कुमारी नीतु रानी ने किया। कार्यक्रम पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. दिग्विजय सिंह ने आज ही योगदान किए महाविद्यालय के नवनियुक्त प्रायार्य डॉ अशोक कुमार का स्वागत किया गया। प्राचार्य डॉ कुमार ने स्वामी विवेकानंद के नारी के उत्थान और महिला सशक्तिकरण पर अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किया। भाषण प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रितीका मिश्रा, द्वितीय स्थान समिक्षा त्रिपाठी तथा तृतीय स्थान आफरीन परवीन को प्राप्त की। साथ ही अन्य प्रतियोगियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता के निर्णय मंडल में डॉ. उपासना, डॉ शंम्भू शरण सिंह तथा डॉ जय राम सिंह शामिल थे। निर्णायक मंडल के इतिहास विभाग के वरीय शिक्षक डॉ. शम्भू शरण सिंह ने स्वामी विवेकानंद के नारी के सम्मान और सशक्तिकरण पर ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को परिभाषित किया। हिन्दी विभाग के डॉ. हरेन्द्र कुमार सिंह ने नारी सम्मान के विभिन्न पक्षों को वर्तमान से जोड़ने का प्रयास किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों में डॉ स्मिता, मिथिलेश सिंह, डॉ. रेणु प्रमारी, डॉ. मिलोक मंडल, डॉ. राजीव कुमार समेत शिक्षकेतर कर्मी व छात्राएं मौजूद थी।

गरीब असहाय को भोजन कराना पुण्य का कार्य : अमित पटेल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। फिडिंग होप फाउंडेशन के द्वारा सप्ताह में दो बार जरूरतमंदों के बीच शनिवार और रविवार को भोजन का वितरण किया जाता है। यह जानकारी देते हुए भाजपा के युवा नेता अमित कुमार पटेल ने बताया कि फिडिंग होप फाउंडेशन के संचालनकर्ता राहुल सिंह, मेंबर मोनू कुमार, विशाल कुमार, आशीष कुमार, अनुराग कुमार, ओम श्रीवास्तव, विनित कुमार, आकाश कुमार, प्रिंस सोनी, सुधीर कुमार, अभिषेक कुमार, विकास कुमार, रितिक गुप्ता, राहुल कुमार, बलजीत कुशवाहा, धीरज सोनी, अमन गुप्ता, प्रिंस कुमार के साथ रेलवे स्टेशन पर शनिवार तथा रविवार को जरुरतमंदों के बीच पूरी सब्जी, खीर तो कभी रोटी सब्जी, तो कभी चावल दाल सब्जी का वितरण किया जाता है। उन्होंने बताया कि डिहरी सासाराम रेलवे स्टेशन पर गरीब असहाय लोगों को भोजन कराया जाता है। उन्होंने कहा कि गरीब असहाय लोगों को भोजन कराना पुण्य का कार्य है।

विकसित आत्मनिर्भर और सक्षम बिहार की स्थापना करें : अनिल सिंह

समय सीमा के भीतर अतिशीघ्र बी.एल.ओ.-2 का किया जाएगा गठन : अजय सिंह कुशवाहा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। सासाराम परिसदन के सभागार में रोहतास जिला जनता दल यूनाइटेड की बी.एल. ए. -2 गठन अभियान के तहत बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी और प्रखंड अध्यक्ष शामिल हुये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के वरीय नेता तथा बिहार राज्य नागरिक परिषद के सदस्य अनिल कुमार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अशोक प्रजापति सुरेंद्र खरवार प्रदीप रंजन और धर्मेंद्र सिंह उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता रोहतास के जिलाध्यक्ष अजय सिंह कुशवाहा ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य बी.एल. ओ.-2 के गठन की प्रक्रिया को पूरा करना था। बैठक में प्रदेश के वरीय नेता अनिल सिंह ने कहा कि अधिकांश मतदान केंद्रों पर बी.एल.ओ.-2 की नियुक्ति हो चुकी है पर जो रिक्त हैं उन मतदान केंद्र पर भी बी एल ए 2 का अतिशीघ्र गठन होना चाहिए। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को अपने मतदान केंद्र पर वहां के स्थानीय निवासियों से मेलजोल बढ़ाकर उन्हें पार्टी के और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सिद्धांतों आदर्श एवं विचारों से प्रभावित करके पार्टी के हित में कार्य करने के लिए तैयार करना है। आगामी विधानसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में प्रत्येक वोट महत्वपूर्ण है। हम सभी पार्टी के कार्यकर्ता हैं और हमें किसी भी विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार पर प्रश्नचिह्न खड़ा नहीं करना है बल्कि पार्टी द्वारा प्रेषित प्रत्याशी को जिताना है। आज की युवा पीढ़ी पुरानी सरकारों के काले कारनामों से परिचित नहीं है उन्हें वह पुराना दबा पिछड़ा और शोषित बिहार याद नहीं है इसलिए चौक-चौराहे पर चर्चा के माध्यम से नई पीढ़ी को पुराने दिनों के बारे में बताना है और उन्हें यह भी समझाना है कि हमें अपने पुराने दिनों की पुनरावृत्ति नहीं चाहिए बल्कि हमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार चाहिए जो सफलता के नित नए आयाम तय करें और एक विकसित आत्मनिर्भर और सक्षम बिहार की स्थापना करें। बैठक में जिलाध्यक्ष अजय सिंह कुशवाहा ने उन सभी प्रखंड अध्यक्षों को धन्यवाद और साधुवाद दिया जिन लोगों ने अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर बी. एल .ए.-2 का गठन कर लिया है। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि जिले के शेष मतदान केन्द्रों पर भी समय सीमा के भीतर अति शीघ्र बी.एल.ओ.-2 का गठन कर लिया जाएगा। बैठक में कामता पटेल, मनोज पटेल, असलम अंसारी, धनन्जय भाई पटेल, अलख निरंजन, सुप्रिया रानी, राजेश सोनकर, राज सोनी, तजमुल अंसारी, शशि प्रकाश, अभिषेक पटेल धर्मेंद्र कुशवाहा, अजय महतो, प्रमोद कुशवाहा, परवेज आलम, रेणु कुशवाहा, डोमा राम, सुरेंद्र राम, संतोष कुशवाहा, रुपेश चंद्रवंशी, नवनीत राय, संदीप गिरी, अमरेंद्र कुमार, दीपक चौबे, सिद्धेश्वर सिंह, मनोज सिंह, हरिहर पटेल, सिकंजय सिंह, निखिल जय सिंह, प्रमोद पटेल, संगीता देवी, रामप्रवेश राम सहित कई अन्य उपस्थित रहे।

17आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। अपराधियों व शराब तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने विभिन्न कांडों के 17 आरोपितों को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। एसपी रौशन कुमार के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों में हत्या के प्रयास, चोरी, आईटी एक्ट, विविध कांड, शराब तस्कर व वारंटी शामिल है। पांच लीटर देशी, 15 लीटर अंग्रेजी शराब, दो बाइक, एक टेंपू, चार मोबाइल, नगद 6300 बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि यातायात नियमों के पालन कराने को वाहन जांच अभियान में 24 हजार रुपए जुर्माने की राशि वसूली गई।

छह से दसवीं के छात्रों के बीच प्रतियोगिता आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोचस। प्रगतिशील बिहार की तस्वीर विषय पर मंगलवार को छह से दसवीं के छात्रों के बीच प्रतियोगिता आयोजित की गयी। कल्याण पदाधिकारी सह बीईओ कोचस ने बताया कि इस प्रतियोगिता में सीआरसी स्तर पर चुने गये छह से आठ एवं नौ से दस तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया जिसमें छह से आठ के लिए इतना बदल गया व हमारा विद्यालय बदल रहे हैं विषय पर चर्चा की गई। वहीं नौ से दस के छात्रों के लिए बदलाव की बहार मुफ्त साइकिल पोशाक, पाठ्य पुस्तक एवं शिक्षण सामग्री का वितरण एवं सुनहरे और सुरक्षित भविष्य के लिए छात्रवृति योजना विषय पर चर्चा की गयी। वहीं निबंध लेखन तथा पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। वर्ग छह से आठ के परिचर्चा में मध्यविद्यालय कपसिया, निबंध में अमृता वर्मा, पेंटिंग में शिवानी कुमारी मध्यविद्यालय कुछिला ने प्रथम स्थान प्राप्त किये। वहीं नौ से दस तक में परिचर्चा में श्रवण कुमार प्लस टू उच्च विद्यालय नौवा, निबंध में रितु कुमारी प्लस टू उच्च विद्यालय कुछिला, पेंटिंग में अंजलि कुमारी प्लस टू उच्च विद्यालय कुरुसा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपना जलवा बिखेरा। सभी प्रतियोगिता के लिए संचालन मंडल बनाया गया था जिसमें समन्वयक सह प्रधानाध्यापक विनोद कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, शेषनाथ कुमार, घूरफेकन सिंह, श्रीकंवल सिंह, हेलाल अंजुम थे।

बेटे ने वृद्ध पिता को पीटा, प्राथमिकी दर्ज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अकोढ़ीगोला। थाना क्षेत्र के कौपा गांव में एक वृद्ध पिता को छोटे बेटे ने लाठी-डंडे से मारकर जख्मी कर दिया। मारपीट की खबर सुनते ही बड़े बेटे मौके पर पहुंच कर जख्मी पिता पीएचसी करकटपुर लेकर इलाज कराया। जख्मी पिता की हालत ठीक होने पर छोटे बेटे व बहू पर स्थानीय थाने में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई। पिता कृष्णा पासवान ने लिखित आवेदन में बताया कि हम खाना खाकर अपने रूम में सो रहे थे। तभी छोटा बेटा मेघनाथ पासवान आया और गाली-गलौज करने लगा। कहा कि आप मेरा हर जगह शिकायत करते हैं। इतना ही बात को लेकर मेघनाथ अपनी पत्नी सोनी देवी के साथ लाठी डंडे चलाना शुरू कर दिया जिससे मेरे सिर में काफी चोट लगी है। वहीं बड़े बेटे ने हो हल्ला की आवाज सुनकर मौके पर पहुंच मेरा उचित इलाज कराया। इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि एक पिता ने अपने पुत्र पर मारपीट करने की प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

पीपीयू में 13 विषयों में 77 अतिथि शिक्षकों का नवीनीकरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में मंगलवार को 13 विषयों के 77 अतिथि शिक्षकों का आगामी 11 माह के लिए नवीनीकरण किया गया। इसकी अधिसूचना जल्द ही विश्वविद्यालय द्वारा जारी की जाएगी। मंगलवार को नवीनीकरण समिति द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि नए सत्र शुरू होने के बाद कुछ दिन पहले ही अतिथि शिक्षकों को नवीनीकरण की प्रत्याशा में कॉलेजों में पढ़ाने की अनुमति दी गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से आंकलन किया जा रहा है कि किन-किन विषयों में स्थायी शिक्षक आ गए हैं जिन कॉलेजों में जिस विषय के शिक्षकों के सृजित पद के अनुसार शिक्षक आ गए हैं। वहां से अतिथि शिक्षकों को दूसरे कॉलेजों में शिफ्ट किया जाएगा जहां पर शिक्षकों की कमी है। इसकी सूची भी सभी कॉलेजों के प्राचार्यों, स्नातकोत्तर विभागाध्यक्षों से मांग कर अद्यतन किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार शहरी कॉलेजों में दो से तीन कॉलेजों को छोड़ दिया जाए तो यहां लगभग विषयों में सृजित पद के अनुसार शिक्षक आ गए हैं। ग्रामीण कॉलेजों में कई विषयों में शिक्षकों की कमी है। पीपीयू के 26 अंगीभूत कॉलेजों खासकर ग्रामीण कॉलेजों के कई विषयों में अभी भी शिक्षकों की कमी है। डी एस डब्लू प्रो राजीव रंजन ने बताया कि जिस कॉलेज में स्थायी शिक्षक नहीं होंगे वहां पर अतिथि शिक्षकों का पदस्थापन किया जाएगा। इसकी रिपोर्ट एक से दो दिनों में तैयार हो जाएगी। इधर कुलपति प्रो उपेन्द्र प्रसाद सिंह ने बताया कि पूर्व से कार्यरत अतिथि शिक्षकों की सेवा का विस्तार किया गया है। आगे कॉलेजों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर जिन विषयों में शिक्षकों की जरुरत होगी उन विषयों में रिक्तियों के आधार पर अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी।

पुलिस छापेमारी के दौरान अभियुक्त छत से कूदा, घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोचस। पुलिस छापेमारी के दौरान राजपुर, बक्सर थाना क्षेत्र के खीरी गांव में कोचस थाना के प्राथमिक अभियुक्त पुलिस के दबिश से छत से कूद पड़ा जिसमें गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया है कि दीपक कुमार केशरी पिता सीताराम केसरी पारिवारिक बंटवारे को लेकर हुए विवाद में अपने बड़े भाई संजय कुमार केसरी को गोली मार दी थी जिसमें एफआईआर में उसे आरोपी बनाया गया था। तभी से वह फरार चल रहा था जिसे पुलिस तलाश रही थी। इसी क्रम में कोचस पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर राजपुर पुलिस के सहयोग से छापेमारी कर रही थी कि अभियुक्त को पुलिस आने की भनक लगते ही वह छत से कूद पड़ा जिसे पुलिस ने घायलावस्था में पुलिस कस्टडी में लेकर कोचस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है जहां अभियुक्त का इलाज चल रहा है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि अभियुक्त का फिलहाल इलाज चल रहा है। इसके उपरांत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरपीएफ ने छूटा ट्रॉली बैग यात्री को किया सुपुर्द

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट निरीक्षक राम विलास राम ने बताया कि प्राप्त सूचना के आलोक में गाड़ी संख्या 13348 अप पलामू एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में एक काला रंग का ट्रॉली बैग जिसमें इस्तेमाली कपड़े, एक अदद नोकिया कंपनी का कीपैड मोबाइल, आधार कार्ड, पैन कार्ड कागजात एवं दैनिक उपयोग के सभी सामान है, को ड्यूटी में तैनात अधिकारी सहायक उप निरीक्षक सरोज कुमार एवं साथ आरक्षी अजीत कुमार के द्वारा उक्त गाड़ी के स्लीपर कोच को अटेंड कर यात्री के कहे अनुसार एक ब्लैक कलर का ट्रॉली बैग उतारा गया एवं सुरक्षित रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डिहरी ऑन सोन में रखा गया तथा सूचना यात्री रोहित राज कुमार सिंह को दिया गया। उक्त सूचना पर यात्री रोहित राज कुमार सिंह, पिता स्वर्गीय राज नारायण सिंह, ग्राम बांसडीह, थाना-चास, जिला-बोकारो (झारखंड) रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डिहरी ऑन सोन आए एवं अपने ट्रॉली बैग की मांग की जिसे उक्त ट्रॉली बैग को दिखाने पर उन्होंने अपने ट्रॉली बैग की पहचान किए तथा उसमें रखे सभी सामान को सही सलामत पाए। बाद में उक्त व्यक्ति की उचित पहचान एवं सत्यापन के पश्चात एक गवाह आशीष राज सिंह, पिता मिथलेश सिंह, निवासी-गया के समक्ष उक्त छूटा हुआ ट्रॉली बैग उसमें रखे सभी सामान सहित एक सुपुर्दगीनामा तैयार करते हुए फोटोग्राफी इत्यादि के पश्चात सहायक उप निरीक्षक मनोज कुमार चौधरी रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डिहरी ऑन सोन द्वारा सही सलामत सुपुर्द किया गया।

नाबालिग अपहृता को आरपीएफ ने बरामद कर थाने को किया सुपुर्द

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट निरीक्षक प्रभारी राम विलास राम, सहायक उप निरीक्षक हरेराम कुमार व स्टाफ के साथ गश्त एवं अपराधिक निगरानी के क्रम में एक नाबालिग लड़की को संदिग्धावस्था में उसके अपने चेहरे पर काला मास्क लगाए पूर्वी ऊपरगामी पुल से प्लेटफार्म संख्या-03 पर उतरते हुए देखा गया। वर्दी वालों को देखकर वह सकपकाने लगी। उसे असामान्य देखकर महिला कर्मचारी की मदद से रोककर पूछा गया तो उसने अपना नाम एवं पता काल्पनिक वर्षा कुमारी, उम्र करीब-13 वर्ष, पिता-गोविन्द शर्मा, निवासी-तेजपुरा, थाना-करमा, जिला-पलामू बताते हुए बताया कि वह घर से भागकर डिहरी ऑन सोन रेलवे स्टेशन आ गयी है। चाइल्ड लाइन सासाराम को सूचित करते हुए उसे रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डिहरी ऑन सोन पर लाकर बाल हितैषी वातावरण में रखते हुए महिला रेलकर्मी के सहयोग से काउंसलिंग की गई तो उसने अपने घर का संपर्क नंबर-7281902768 बताया जिस पर संपर्क कर बताया गया कि वर्षा कुमारी नाम की लड़की डिहरी रेलवे स्टेशन पर अकेली घूमते हुए रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डिहरी ऑन-सोन को मिली है तो उधर से बात करने वाले ने अपना परिचय बताते हुए बताया कि वह मेरी पुत्री है और 16 तारीख को घर से भगाकर कोई ले गया है। उन्होंने बताया कि वह इस संबंध में अपने स्थानीय थाना करमा में केस दर्ज करवा चुके हैं। बाद में उनके द्वारा इसकी सूचना स्थानीय थाना करमा को दी गई तो उस थाना के पुलिस अवर निरीक्षक सिद्धार्थ आनंद ने निरीक्षक प्रभारी को अवगत कराते हुए बताया कि उस लड़की के अपहरण के संबंध में हमारे थाना में संबंधित धारा में मामला दर्ज किया गया है और मामले का अन्वेषण मैं कर रहा हूं। उक्त लड़की के परिजनों एवं स्थानीय थाना करमा द्वारा वर्षा कुमारी को पकड़ कर रखे रहने के आग्रह पर महिला रेलकर्मी के संरक्षण में वर्षा कुमारी को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डिहरी ऑन सोन पर सुरक्षित रखा गया। चाइल्ड लाइन सासाराम की सुपरवाइजर कुसुम कुमारी एवं करमा थाना की पुलिस अवर निरीक्षक सिद्धार्थ आनंद साथ स्टाफ, वर्षा कुमारी के परिजनों के साथ रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डिहरी ऑन सोन पर उपस्थित हुए। वर्षा कुमारी के पिता एवं वर्षा कुमारी ने एक दूसरे की पहचान पुत्री एवं पिता के रूप में किया। बाद में करमा थाना के पुलिस अवर निरीक्षक सिद्धार्थ आनंद ने एक लिखित आवेदन देते हुए उनके अपने थाना में दर्ज कांड में आगे की अन्वेषण हेतु उक्त नाबालिग लड़की को सुपुर्द करने की मांग की। पूर्ण रूप से सत्यापन करने एवं आश्वस्त होने के उपरांत चाइल्ड लाइन सासाराम की सुपरवाइजर कुसुम कुमारी की सहमति एवं उनकी उपस्थिति में सुपुर्दगीनामा तैयार कर नाबालिग वर्षा कुमारी को करमा थाना के पुलिस अवर निरीक्षक सिद्धार्थ आनंद को वर्षा कुमारी के पिता एवं जीजा को गवाह बनाते हुए सही सलामत फोटोग्राफी करते हुए सुपुर्द किया गया।

पूर्व मध्य रेल

(निर्माण विभाग)

ई-निविदा सूचना

e-Tender No. EL-C-N-MHX-ETEN-06-25-26

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई.निविदा आमंत्रित की जाती है **1. कार्य का नाम एवं स्थान:** डिजाइन, ड्राइंग, संशोधन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशन 25KV OHE और दो अतिरिक्त लाइनों के लिए और नरकटियागंज यार्ड में लाइन नंबर 7 का विस्तार, HIR-BRU के बीच Br. No. 322 का कट और कनेक्शन, VKNR-PNYA के बीच मौजूदा संकटग्रस्त पुल के डायवर्जन पर 2 प्रमुख पुल, सीतामढ़ी में एलसी–56, एलसी–55 और एलसी–54 के बदले आरओबी के पास ओएचई परिवर्तन कार्य, समस्तीपुर डिवीजन में एलसी–56, एलसी–55 के बदले आरओबी के पास ओएचई परिवर्तन कार्य और डिप्टी सीईई/कॉन/एन/एसपीजे के तहत कोई अन्य स्थान। **2. अनुमानित कार्य की लागत:** रु. 108266464.50 **3. जमा किए जाने वाले बयाना राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्य:** NIT के अनुसार एवं रु. शून्य **4. कार्य पूर्ण करने का समय :** 06 माह **5. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 04.08.2025 दोपहर 12:00 बजे तक। **6. वेबसाइट का विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा की पूर्ण जानकारी देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है:** आई.आर.ई.पी.एस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदि डाउन लोड किया जा सकता है एवं सीईई/कॉन महेन्द्रूघाट, कार्यालय सीएओ/कॉन ईसीआर ऑफिस परिसर, पटना–800004 में निविदा पट पर देखा जा सकता है। हिन्दी एवं अंग्रेजी की सूचना में किसी प्रकार की भिन्नता पाये जाने पर अंग्रेजी में प्रकाशित सूचना को सही माना जायेगा।

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निमार्ण/उत्तर
पू.म.रे./महेन्द्रूघाट/पटना

पीआर/0638/सीओएन/टी/25–26

न्यायालय भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता, रंका

प्रेस विज्ञप्ति

भूमि सुधार उपसमाहर्ता, रंका न्यायालय में प्राप्त भूमि बिक्री अनुमति वाद सं0– 14/2025–26 विक्रेता– रामसकल सिंह पिता– स्व0 महाबीर सिंह जाति– खरवार (अ0ज0जा0) ग्राम–बघवार पो0– कंजिया, थाना– भण्डरिया जिला– गढ़वा तथा क्रेता– प्रेमी देवी पति– राजू नायक जाति– खरवार (अ0ज0जा0) ग्राम– बघवार पो0– कंजिया, थाना– भण्डरिया जिला– गढ़वा द्वारा छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46(1)(A)के अन्तर्गत मौजा–बघवार खाता सं0– 79 प्लॉट सं0– 1389 रकबा– 0.64 ए0, खाता सं0– 79 प्लॉट सं0– 1558 रकबा–0.39 ए0 तथा खाता सं0– 79 प्लॉट सं0– 1610 रकबा– 0.40 ए0 कुल रकबा– 1.43 ए0 के लिए अनुमति अपील वाद समर्पित किया गया है। उक्त वाद से संबंधित किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो 15 दिनों के अन्दर आवश्यक कागजात के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

भूमि सुधार उपसमाहर्ता,
रंका

PR 357944 Land Reforms(25-26).D

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पलामू

Phone no.06562 224033 (खेल शाखा) email id:- palamukhel@gmail.com

विज्ञापन

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची का पत्रांक–552/ राँची, दिनांक–15.10.2024 द्वारा विभागीय नवगठित मार्गदर्शिका सिद्धांत में अंकित प्रावधानों के अनुरूप पलामू जिलान्तर्गत नवसृजित डे–बोर्डिंग क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्रों में यथा निर्धारित प्रक्रिया एवं वांछित अहर्त्ता के आधार पर प्रशिक्षकों की नियुक्ति (दैनिक पारिश्रमिक अथवा विभाग द्वारा अनुमादित मानदेय पर) हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है, जिसकी विवरणी निम्नवत् है :–

क्रमांक	नवसृजित डे–बोर्डिंग क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र का नाम	खेल विद्या का नाम	प्रशिक्षक पदों की संख्या
01	स्तरोन्नत उच्च विद्यालय, पीपरा, पलामू	कुश्ती (बालक वर्ग)	01
02	स्तरोन्नत उच्च विद्यालय, पीपरा, पलामू	कुश्ती (बालिका वर्ग)	01
03	राजकीयकृत बक्शी उच्च विद्यालय, हुसैनाबाद	कबडडी (बालिका वर्ग)	01
कुल :–			03

1. **खेल प्रशिक्षक हेतु योग्यता** :–

A. शैक्षणिक योग्यता :– स्नातक उतीर्ण एवं
खेल योग्यता :– भारतीय खेल प्राधिकरण अन्तर्गत संचालित National Institute of Sports से सर्टिफिकेट कोर्स/विभिन्न खेल संघों द्वारा जारी प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र (Level – C to A)/एम0पी0एड0 /बी0पी0एड0/बी0पी0ई0।

अथवा

B. शैक्षणिक योग्यता :– इन्टरमिडियट उत्तीर्ण एवं
खेल योग्यता :– राष्ट्रीय खिलाड़ी पदक विजेता/अन्तरराष्ट्रीय खिलाड़ी

2. उम्र सीमा :– 20 से 50 वर्ष।
3. आवासीय प्रमाण पत्र आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
4. संबंधित जिले में प्रशिक्षक नहीं मिल पाने पर निकटवर्ती जिला के प्रशिक्षक को प्राथमिकता दी जायेगी।
5. श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा अतिकुशल सरकारी दैनिक कर्मियों हेतु निर्धारित अद्यतन परिश्रमिक राशि का भुगतान किया जायेगा।
6. प्रत्येक तीन वर्षों के अन्तराल पर प्रदर्शन के आधार पर प्रशिक्षकों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जायेगा, जिसके आधार पर उनकी सेवा समाप्त या नवीनीकरण किया जा सकेगा।
7. प्रशिक्षकों की सेवा प्रति कार्य दिवस न्यूनतम 02 घंटे व अधिकतम 03 घंटे की होगी, सप्ताह में कम–से–कम 01 दिन (रविवार) का अवकाश होगा।
8. प्रशिक्षक क्रीड़ा निदेशालय के नियमित कर्मी नहीं माने जाएँगे, न ही वे संविदा के आधार पर अथवा नियमित आधार पर नियुक्ति का दावा करने के पात्र होंगे।
9. उक्त प्रशिक्षक की नियुक्ति पूर्ण रूप से अस्थायी होगी।

नोट :–1. आवेदन पत्र के साथ सभी प्रमाण पत्रों (शैक्षणिक योग्यता एवं खेल योग्यता) की स्व–प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
2. अधिक जानकारी हेतु समाहरणालय स्थित जिला खेल कार्यालय, पलामू में संपर्क किया जा सकता है।
3. इच्छुक आवेदक दिनांक 31.07.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक अपना आवेदन पत्र समाहरणालय स्थित जिला खेल कार्यालय, पलामू में जमा करेंगे।
4. उक्त विज्ञापन में किसी तरह का संशोधन या रद्द करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।

जिला खेल पदाधिकारी,
पलामू

PR 357871 District(25-26).D

नवादा में तीसरे चरण की सिपाही भर्ती परीक्षा आज

परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त कराने की तैयारी पूरी, 23 केन्द्रों पर होगी परीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। 23 जुलाई 2025 (मंगलवार) को केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) द्वारा आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा के तीसरे चरण का आयोजन नवादा जिले में किया जाएगा। परीक्षा एकल पाली में दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक निर्धारित है। इसे स्वच्छ, निष्पक्ष और कदाचारमुक्त संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी रवि प्रकाश और पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने संयुक्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। परीक्षार्थियों को सुबह 9:30 बजे तक रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा, जबकि 10:30 बजे के बाद किसी भी परिस्थिति में परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी उम्मीदवारों की मुख्य प्रवेश द्वार पर सघन तलाशी (फ्रिस्किंग) की जाएगी। महिलाओं के लिए अलग फ्रिस्किंग स्थल निर्धारित किया गया है।

एडमिट कार्ड और वैध पहचान पत्र के अलावा किसी भी अन्य वस्तु, जैसे मोबाइल, घड़ी, कागज, पेन, ब्लूटूथ या कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को साथ लाने की अनुमति नहीं होगी। जिले में कुल 23 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर पुलिस बल के साथ स्टैटिक दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त जोनल दंडाधिकारी, गश्ती दल और उड़नदस्ता दल को भी सक्रिय रूप से प्रतिनियुक्त किया गया है। परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे, वीडियोग्राफी, ट्रैफिक नियंत्रण, बिजली, चिकित्सा सुविधा,

अग्निशमन, वाटर कैनन और आंसू गैस आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जिला समाहरणालय में नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है जिसका दूरभाष संख्या 06324-212261 है। अपर समाहर्ता शंभु शरण पांडेय और प्रभारी डीडीसी शाखा के सुजीत त्रिपाठी निगरानी में रहेंगे। अनुमंडल पदाधिकारी नवादा सदर और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नवादा सदर-1 को सतत गश्ती कर विधि-व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। परीक्षा के दौरान होटल, लॉज, फोटोस्टेट, साइबर कैफ़े और इंटरनेट केंद्रों को सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। परीक्षा दिवस पर विधि-व्यवस्था की जिम्मेदारी अपर समाहर्ता डॉ. अनिल कुमार तिवारी और पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) मोहम्मद इमरान परवेज को सौंपी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी या कदाचार की स्थिति में बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परीक्षार्थियों से समय पर पहुंचने, सभी नियमों का पालन करने और अनुचित गतिविधियों से बचने की अपील की गई है, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण, पारदर्शी और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

देश के भविष्य निर्माता शिक्षक अपनी जिम्मेदारी समझें : प्रो. आरपी कच्छवे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा कॉलेज के बीएड विभाग में सत्र 2023-25 के द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने संकल्प लिया कि वे एक आदर्श शिक्षक बनकर समाज को ज्ञान की ज्योति से आलोकित करेंगे और देश की समृद्धि में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रघुनाथ प्रसाद कच्छवे ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के भविष्य निर्माता होते हैं। उन्हें हर क्षण इस दायित्व का बोध रहना चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षुओं को सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिर्बान चटर्जी, अध्यक्ष, रसायन शास्त्र

विभाग, ने कहा कि शिक्षक ज्ञान का पुंज होते हैं। वे अपने ज्ञान, कौशल और नवाचार के जरिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. ध्रुव कुमार ने कहा अनुशासन, नैतिकता और समर्पण के बिना शिक्षक की भूमिका अधूरी है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नैतिक शिक्षा को पुर्नस्थापित करना आवश्यक है। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग के डॉ. संजीत कुमार सहित बीएड विभाग की डॉ. रंजन कुमार, डॉ. अपर्णा, डॉ. उषा कुमारी, डॉ. संगीता कुमारी, डॉ. प्रशांत, विनय कुमार और जितेंद्र कुमार ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं दीं और उन्हें एक आदर्श शिक्षक बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम संचालन प्रथम वर्ष की दिव्या कुमारी एवं प्रत्यूष ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गौरव, अंकुश, अमृता, सुरभि, रौशन, सूरज, ऋषि, संगीता और दिव्या की अहम भूमिका रही।

बिहार राज्य अंडर-15 शतरंज चैंपियनशिप में नवादा के अंजिष्णु राज ने रचा इतिहास, बने राज्य विजेता

नवादा/नबिटा ब्यूरो। भागलपुर में आयोजित बिहार राज्य अंडर-15 शतरंज चैंपियनशिप में नवादा के प्रतिभाशाली बाल खिलाड़ी अंजिष्णु राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया है। अंजिष्णु ने सात राउंड में कुल 5.5 अंक

अर्जित किए और बिना कोई मैच गंवाए विजयी बनकर उभरे। अंजिष्णु राज नवादा के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. रघुनंदन प्रसाद के पौत्र एवं डॉ. विजय कुमार और मीनू प्रिया के सुपुत्र हैं। प्रतियोगिता में उन्होंने 25 रेटेड खिलाड़ियों को पराजित कर राज्य चैंपियनशिप की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया, जो नवादा जिले के लिए गौरव का क्षण है। अंजिष्णु की इस उपलब्धि पर नवादा के शैक्षणिक एवं सामाजिक हलकों में प्रसन्नता की लहर है। डॉ. रमेश कुमार, संजय कुमार, डॉ. अजय कुमार, सुधीर प्रसाद, नवीन कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कम उम्र में इतना बेहतरीन प्रदर्शन कर अंजिष्णु ने न सिर्फ नवादा बल्कि पूरे बिहार का नाम रोशन किया है।

पीएम आवास की तीसरी किश्त जारी करने की मांग, लाभुक ने डीएम से लगाई गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नारदीगंज (नवादा)। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत मकान की तीसरी किश्त की राशि दिलाने की मांग को लेकर जनपुरा (कहुआरा पंचायत) निवासी बिक्रम कुमार ने जिला पदाधिकारी को आवेदन सौंपा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि योजना के तहत मिली पहली और दूसरी किश्त की राशि से मकान का निर्माण कार्य काफी हद तक पूरा कर दिया गया है, लेकिन तीसरी किश्त की राशि रोक दी गई है। बिक्रम कुमार ने शपथ पत्र सहित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि आवास सहायक कौशलेंद्र चौधरी तीसरी किश्त की राशि जारी करने

के बदले में नजराने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व में फोटो खिंचवाने और अन्य प्रक्रियाओं में भी उनसे पैसे की मांग की गई थी। उन्होंने कहा हम गरीब परिवार से हैं, पूरा पैसा मकान निर्माण में खर्च हो चुका है, अब तीसरी किश्त ही सहारा है। हालांकि, इस मामले में आवास सहायक कौशलेंद्र चौधरी ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि लाभुक द्वारा निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। छत की ढलाई तक कार्य नहीं होने के कारण सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार तीसरी किश्त की राशि अभी जारी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा पीएम आवास योजना में स्पष्ट प्रावधान है कि छत की ढलाई के बाद ही तीसरी किश्त लाभुक के खाते में भेजी जाती है। वर्तमान में मकान की स्थिति खुद तस्वीरों के माध्यम से साफ दिख रही है कि कार्य अधूरा है। लाभुक केवल दबाव बनाकर राशि प्राप्त करना चाहता है। इस विवाद को लेकर प्रखंड प्रशासन की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी कि किस पक्ष का दावा सही है। लेकिन यह मामला एक बार फिर से पीएम आवास योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़ा कर रहा है।

नवादा से रांची के लिए सरकारी बस सेवा शुरू, यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। नवादा से झारखंड की राजधानी रांची तक अब सफर और भी सुलभ हो गया है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के तहत नवादा से रांची के लिए सरकारी बस सेवा की शुरुआत कर दी गई है। यह सेवा यात्रियों को न केवल सस्ता विकल्प देगी, बल्कि उन्हें समय पर और सुरक्षित यात्रा की सुविधा भी उपलब्ध कराएगी। बस के संवाहक पुरुषोत्तम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह बस हर दिन सुबह 7:00 बजे नवादा के सरकारी बस पड़ाव से रवाना होती है और दोपहर 1:00 बजे रांची के सरकारी बस स्टैंड पहुंचती है। वापसी में बस रात 9:00 बजे रांची रेलवे स्टेशन के पास स्थित सरकारी बस स्टैंड से खुलेगी और सुबह 3:00 बजे पुनः नवादा पहुंचेगी। इस सेवा के शुरू होने से नवादा के लोगों में खुशी और उत्साह का माहौल है। लंबे समय से रांची के लिए सीधी और विश्वसनीय सरकारी परिवहन सेवा की मांग की जा रही थी। अब यात्रियों को निजी बसों की तुलना में कम किराए में बेहतर सड़क मार्ग और समय की पाबंदी के साथ यात्रा का लाभ मिलेगा।

डीएम ने शिकायतों का किया ऑन स्पॉट निष्पादन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत द्वितीय अपील मामलों की सुनवाई की। इस दौरान दो अपीलकर्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही निष्पादन किया गया।

पहली अपील दिलीप रजक, पति-युगल रजक, निवासी रामनगर (पूर्वी भाग), नलकूप विभाग के निकट, नवादा द्वारा दर्ज कराई गई थी। परिवादी ने ऑनलाइन माध्यम से शिकायत दी थी, जिस पर संबंधित

पदाधिकारी ने जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान अपीलकर्ता की उपस्थिति में मामले का समुचित समाधान किया गया। दूसरी अपील अतिया खातून नुरेशा, निवासी मोहल्ला तकिया पर, थाना बुंदेलखंड, नवादा द्वारा 13 जून 2025 को दायर की गई थी। इस मामले में भी संबंधित पदाधिकारी ने जांच प्रतिवेदन के साथ उपस्थित होकर द्वितीय अपील प्राधिकारी के समक्ष सुनवाई कराई और शिकायत का समाधान कर दिया गया।डीएम ने बताया कि अधिनियम के तहत सभी मामलों की दो माह के भीतर सुनवाई एवं निष्पादन का प्रावधान है। नवादा जिले में प्रखंड, पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तरीय विवादों तक के लिए शिकायत और अपील की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है।

सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि अब आमजन ऑनलाइन माध्यम से भी शिकायत या अपील दर्ज कर सकते हैं, जिससे पारदर्शिता के साथ त्वरित न्याय की प्रक्रिया और अधिक सुलभ हो गई है। कोई भी व्यक्ति अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण कार्यालय नवादा सदर या रजौली में अपील कर सकता है। जिला स्तरीय मामलों के लिए समाहरणालय परिसर में स्थित लोक सेवाओं का अधिकार भवन में कार्यालय संचालित है।

डीएम ने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान हेतु इस जनोपयोगी अधिनियम का लाभ उठाएं और न्याय संगत व पारदर्शी प्रक्रिया के तहत शिकायत दर्ज कर समाधान प्राप्त करें।

डूबने से दो किशोरियों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। सरमेरा थाना क्षेत्र के फतेहपुर डुमरा गांव के खंधा में पानी भरे पईन में डूब कर दो किशोरी की जान चली गई। मृतका फतेहपुर डुमरा गांव निवासी अशोक मांझी के छह वर्षीया पुत्री जयंती कुमारी और थाना क्षेत्र के चेरो गांव निवासी मिथुन मांझी के साढे चार वर्षीया पुत्री सोनम कुमारी है। परिजनों ने बताया कि दोनों बच्ची अपने परिजन को खाना देने के लिए खेत में गई थी। खाना देकर जब वापस लौट रही थी तब अचानक उसका पैर फिसल गया और पानी से भरे गड्ढे में चली गई। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष साकेंद्र कुमार ने बताया कि दोनों शव को पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया है।

इस्तीफे की खबर को एसीएस डॉ. एस. सिद्धार्थ ने बताया अफवाह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने अपने इस्तीफे की खबर को पूरी तरह अफवाह और तथ्यहीन करार दिया है। मंगलवार सुबह से विभिन्न मीडिया माध्यमों में यह दावा किया जा रहा था कि उन्होंने वीआरएस के तहत इस्तीफा देकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र सौंप दिया है, और इस पर जल्द निर्णय लिया जा सकता है। कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि डॉ. सिद्धार्थ ने 17 जुलाई को ही इस्तीफा दे दिया था, और उनके विधानसभा चुनाव लड़ने की अटकलें भी जोड़ी जा रही थीं। अफवाहों में यह भी दावा किया जा

रहा था कि वे नवादा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। इन सभी दावों पर नवबिहार टाइम्स से विशेष बातचीत में डॉ. एस. सिद्धार्थ ने स्पष्ट कहा कि मैंने न तो इस्तीफा दिया है, न ही ऐसी कोई मंशा है। इस तरह की सभी खबरें पूरी तरह से मनगढ़ंत, भ्रामक और अफवाह हैं। कृपया इस पर ध्यान न दें। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा विभाग में सुधार और विकास के लिए वे लगातार कार्य कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

डॉ. सिद्धार्थ का यह बयान सामने आने के बाद शिक्षा विभाग और प्रशासनिक हलकों में फैली अटकलों पर विराम लग गया है। गौरतलब है कि डॉ. एस. सिद्धार्थ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विश्वसनीय अधिकारियों में गिने जाते हैं और लंबे समय से शिक्षा विभाग में विभिन्न अहम जिम्मेदारियां संभालते रहे हैं।

डीएम ने पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने पर दिया जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में जिले भर में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 के सफल आयोजन के लिए समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह है कि जिलेभर के सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो ताकि वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके, कोई भी पात्र मतदाता न छूटे और मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहे। जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जिलेभर के सभी महादलित टोलों में शत-प्रतिशत पात्र मतदाताओं का गणना प्रपत्र बीएलओ एप पर अपलोड करना

सुनिश्चित करेंगे, महादलित टोला के एक भी पात्र मतदाता नहीं छूटे हैं, इस बात का प्रमाण संबंधित विकास मित्र हर हाल में देना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर निर्वाचकों को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया जा रहा है तथा निर्वाचको से गणना प्रपत्र एवं दस्तावेज प्राप्त कर बीएलओ एप पर अपलोड किया जा रहा है। इच्छुक मतदाता स्वयं भी गणना प्रपत्र ऑनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं तथा भरा हुआ प्रपत्र और दस्तावेज भी ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। वृद्ध, बीमार, दिव्यांगजन तथा अन्य वंचित वर्ग के निर्वाचकों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से बीएलओ के साथ अन्य सरकारी कर्मी एवं स्वयं सेवकों की तैनाती संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा की गई है। उन्होंने कहा कि मृत स्थाई रूप से स्थानांतरित तथा दोहरी प्रविष्टि वाले निर्वाचकों की पहचान के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए के सहयोग से पारदर्शी तरीके से कार्य संपन्न किया जा रहा है।

विष्णु कुमार प्रेरणा बैच 64 में इंडिया लेवल पर चयनित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। उच्च माध्यमिक विद्यालय नाहुब राजगीर के 10 वर्ग में शिक्षा प्राप्त कर रहे विष्णु कुमार का चयन प्रेरणा बैच 64 में इंडिया लेवल पर किया गया है। इनका चयन अंडर 20 में हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार नालंदा जिला में दो बच्चों का चयन किया गया है जिसमें एक विष्णु कुमार है। विष्णु के पिता का नाम सत्येन्द्र पाण्डेय है। उक्त चयनित बच्चा को 23 जुलाई से 30 जुलाई के बीच गुजरात के बंदे नगर जाना है। यहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पठन-पाठन हुआ था। उक्त स्थल को बच्चे भ्रमण करके कई तरह के अभिप्रेरणा प्राप्त करेंगे।

43 फरार अपराधी गिरफ्तार, वारंट और कुर्की में भी तेजी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिले में कानून-व्यवस्था को सख्ती से लागू करने की दिशा में नवादा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने मंगलवार को बताया कि 22 जुलाई 2025 को चलाए गए विशेष अभियान के तहत जिले भर में 24 घंटे के अंदर कुल 43 फरार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें हत्या के चार आरोपी, साइबर क्राइम से जुड़ा एक अपराधी, अवैध खनन में एक, मद्य निषेध कानून के उल्लंघन में छह, और अन्य मामलों में 31 आरोपित शामिल हैं। इसके अलावा 320 लीटर अवैध महुआ शराब भी बरामद की गई है,

जबकि 120 लीटर महुआ घोल को नष्ट किया गया है। एसपी ने बताया कि इस अभियान के दौरान दो मोटरसाइकिलें और पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। वारंट निष्पादन के 795 मामलों और 24 कुर्की मामलों को भी अंजाम दिया गया। वाहन जांच अभियान के तहत 500 वाहनों की जांच की गई और नियमों के उल्लंघन पर 5,500 का जुर्माना वसूला गया है। एसपी अभिनव धीमान ने कहा कि नवादा पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी और उन्हें न्यायालय से सजा दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध है। जो अपराधी वारदात के बाद अन्य जिलों या राज्यों में जाकर छिप जाते हैं, उनके विरुद्ध लगातार गुप्त सूचनाओं का संकलन किया जा रहा है और उन्हें पकड़ने के लिए टीम सक्रिय रूप से अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई नवादा पुलिस की सतर्कता और सख्त इरादों का प्रमाण है। आने वाले दिनों में इस तरह के अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा ताकि जिले में अपराधमुक्त वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

पुलिस ने रेलवे ट्रैक के समीप किया शव बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। सारे थाना क्षेत्र अंतर्गत ओदा गांव के समीप बिहारशरीफ-बरबीघा रेलवे लाइन के किनारे पुलिस ने शव बरामद की है। मृतक की पहचान ओदा गांव निवासी उदय पासवान का (18) पुत्र अंकित कुमार के रूप में की गई है। मृतक के परिजन ने बताया कि युवक दो दिन से लापता था। मंगलवार की सुबह शव निर्माणाधीन रेलवे ट्रैक के समीप से बरामद किया गया। शव देखने से प्रतीत हो रहा है कि वज्रपात की वजह से झुलस कर अंकित की मौत हो गई है। दो दिन पूर्व अंकित कुमार शाम के वक्त शौच के लिए घर से बाहर निकाला था। इसके बाद से वह वापस नहीं लौटा। मंगलवार की सुबह जब रेलवे ट्रैक किनारे कुछ लोगों की नजर शव पर पड़ी तो घटना का खुलासा हुआ।

आशंका व्यक्त की जा रही है कि वज्रपात से झुलस कर युवक की मौत हो गई। इस मामले में सारे थानाध्यक्ष रितु रंजन ने बताया कि शव मिलने की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। आकाशीय बिजली गिरने से मौत होना प्रतीत हो रहा है।

हरनौत थाना में तैनात दरोगा ने खुद को मारी गोली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। हरनौत थाना में पदस्थापित दरोगा राम पुकार यादव ने खुद को रिवाल्वर से गोली मार ली। घटना की सूचना मिलते ही सदर डीएसपी 2 संजय कुमार जायसवाल सहित कई थानों की पुलिस मौके पर हरनौत थाना पहुंच गई। फिलहाल हरनौत थाना का मुख्य गेट बंद कर दिया गया है अंदर किसी को भी जाने की अनुमति नही दी जा रही है। इस घटना के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गई है। सदर डीएसपी 2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि हरनौत थाना के दरोगा ने रिवाल्वर से गोली मार ली है। आनन फानन में इलाज के लिए जख्मी दरोगा को कल्याण बीघा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा बेहतर इलाज के लिए उन्हें पटना रेफर कर दिया गया। इलाज के लिए पटना जाने के दौरान पारस हॉस्पिटल पहुंचते ही उनकी मौत हो गई।

इंटर विद्यालय कौआकोल के शिक्षक प्रमोद बने प्रधानाध्यापक

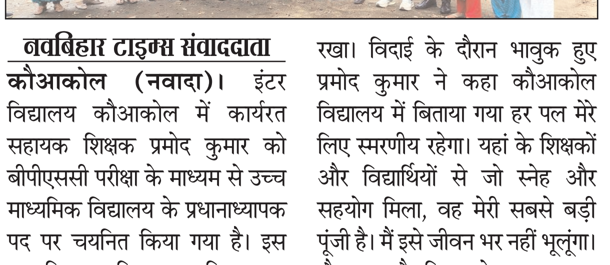

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल (नवादा)। इंटर विद्यालय कौआकोल में कार्यरत सहायक शिक्षक प्रमोद कुमार को बीपीएससी परीक्षा के माध्यम से उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक पद पर चयनित किया गया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार द्वारा उनके सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने प्रमोद कुमार को फूलों की माला पहनाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सहकर्मियों ने उन्हें मेहनती, अनुशासित और प्रेरणादायी शिक्षक बताया, जिन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों से भी जोड़े रखा। विदाई के दौरान भावुक हुए प्रमोद कुमार ने कहा कौआकोल विद्यालय में बिताया गया हर पल मेरे लिए स्मरणीय रहेगा। यहां के शिक्षकों और विद्यार्थियों से जो स्नेह और सहयोग मिला, वह मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। मैं इसे जीवन भर नहीं भूलूंगा। गौरतलब है कि प्रमोद कुमार का तबादला अब जमुई जिले के अलीगंज प्रखंड स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय अवगीला चौरासा में हुआ है, जहां वे प्रधानाध्यापक के पद पर अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। समारोह में विद्यालय परिवार के साथ-साथ छात्र-छात्राओं ने भी उन्हें ससम्मान विदाई दी और उनके स्वस्थ, सफल और यशस्वी भविष्य की कामना की।

वृद्ध कलाकारों के लिए खुशखबरी: मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना का शुभारंभ, पात्र कलाकार शीघ्र करें आवेदन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। राज्य के वरिष्ठ कलाकारों के लिए मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना एक नई उम्मीद बनकर आई है। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना द्वारा शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य राज्य की सांस्कृतिक विरासत को संजोने वाले वृद्ध, आर्थिक रूप से कमजोर एवं उपेक्षित कलाकारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। योजना से कलाकारों को वित्तीय सुरक्षा और सामाजिक सम्मान दोनों मिलेंगे।

इस संबंध में जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, नवादा सुश्री प्रतिभा कुमारी ने बताया कि बिहार कलाकार पंजीयन पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। इस पोर्टल पर पंजीकरण के बाद ही पात्र कलाकार योजना का लाभ ले सकेंगे।

बिहार कलाकार पंजीयन पोर्टल से शुरू हुई नई पहल, नवादा जिले में भी शुरू हुई आवेदन प्रक्रिया

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना का लाभ लेने के लिए निम्नलिखित पात्रताएं निर्धारित की गई हैं:

आवेदक बिहार का मूल निवासी हो।

आयु 50 वर्ष या उससे अधिक हो।

कम-से-कम 10 वर्षों का कला क्षेत्र में अनुभव हो।

आवेदक सरकारी सेवा में नहीं होना चाहिए।

आवेदक का कलाकार पंजीयन पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है। पंजीकृत कलाकारों को ही पेंशन योजना के लिए आवेदन करने की अनुमति होगी।

सुश्री कुमारी ने बताया कि यह योजना न केवल राज्य के सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने का प्रयास है, बल्कि उन कलाकारों को भी सम्मान देने की पहल है जिन्होंने अपने जीवन का अधिकांश हिस्सा कला को समर्पित कर दिया, लेकिन बढ़ती उम्र में आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

इस योजना से संबंधित अधिक जानकारी या सहायता के लिए इच्छुक कलाकार समाहरणालय नवादा स्थित जिला कला एवं संस्कृति कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। जिला पदाधिकारी ने इसे बिहार सरकार की दूरदर्शी पहल बताया, जो राज्य को कला और संस्कृति के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा।

कमियों को युद्धस्तर पर ठीक करायें : डीएम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। इस वर्ष पितृपक्ष मेला 06 सितंबर से प्रारंभ होकर 21 सितंबर 2025 तक आयोजित रखेगा। इस वर्ष पिछले वर्ष की अपेक्षा और अधिक तीर्थयात्रियों के आने की पूरी संभावना है। पितृपक्ष मेला के सफल आयोजन के उद्देश्य से किये जा रहे तैयारियों की समीक्षा जिले के डीएम शशांक शुभंकर ने मंगलवार को कोषांगवार किया। डीएम ने हर कोषांग की तैयारी एवं क्या-क्या काम किया जाना है, उसकी क्या प्रगति है से संबंधित साप्ताहिक समीक्षा कोषांग वार की जा रही है। उन्होंने सभी कोषांगों के वरीय पदाधिकारी एवं नोडल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अभी से ही अपने कोषांग में अधीनस्थ पदाधिकारी, अभियंता एवं संबंधित नामित स्वयंसेवी सम्मानित व्यक्तियों के साथ स्थल निरीक्षण करते हुए, जो भी कमियां पायी जाती है उसे युद्धस्तर में ठीक करवायें। ताकि मेला अवधि में पितृपक्ष मेला को खूबसूरती में और चार चांद लग जाये। मुख्य रूप से मेला क्षेत्र के आवासन कोषांग, जलापूर्ति एवं स्वच्छता कोषांग के कार्यों पर किये गए तैयारी संबंधित साप्ताहिक समीक्षा की गई। आवासन कोषांग की समीक्षा के दौरान डीएम ने कहा कि अब तक 50 आवासन स्थल जिसमें 26 यात्री आवासन स्थल एवं 24 पुलिस आवासन स्थल चिन्हित किये गए हैं जो पिछले वर्ष भी आवासन स्थल में सम्मिलित थे। इसके अलावा 10 अन्य आवासन स्थल पिछले सप्ताह चिन्हित हुए है जिनमें 5 सरकारी भवन एवं 05 निजी संस्था के भवन हैं। डीएम ने कहा कि जिस आवासन स्थल में जो कमी है उसको ठीक करवाये। डीएम ने डीईओ को निर्देश दिया है कि आवासन स्थल की रंगाई पोताई का कार्य करवाना प्रारम्भ करें। डीएम ने बताया कि इस बार भी गांधी मैदान में 2500 क्षमता वाले टेंट सिटी का निर्माण करवाने के लिये पर्यटन विभाग बिहार सरकार को पत्र भेजी गई है। पर्यटन विभाग से समन्वय रख कर प्रस्तावित टेंट सिटी में रहने वालों के लिये पेयजल एवं टॉयलेट की कोई कमी नहीं रहे, इसे लेकर प्रॉपर व्यवस्था पूरा रखे। निगमा मोनास्ट्री बोधगया में 2 हजार की संख्या में आवासन की पूरी व्यवस्था के लिये पर्याप्त रूम एलोकेट की व्यवस्था की जांच कर ले। पेयजल एवं स्वच्छता कोषांग के समीक्षा के दौरान डीएम ने कार्यपालक अभियंता पीएचईडी को निर्देश दिया कि सभी आवासन स्थल पर अभी से ही घूम-घूम कर पितृपक्ष मेला में किए जाने वाली व्यवस्थाओं का आकलन कर लें। शहर में विभिन्न स्थानों पर बने प्याऊ को पूरी तरह चालू करवायें। नगर आयुक्त ने बताया कि इस बार सभी प्याऊ को एक थीम में पेंटिंग भी करवाई जा रही है। वेदी स्थल, घाट, तालाब इत्यादि के समीप बंद चापाकलों को चालू करवाये। डीएम ने पीएचईडी को निर्देश दिए हैं कि पानी की क्वालिटी की जांच करवाएं। कहीं कोई दूषित/ खरा पानी नहीं रहे। डीएम ने कार्यपालक अभियंता बुडको को निर्देश दिया है कि ब्रह्मयोनि पहाड़ पर बने ओवर हेड टैंक की जिससे निगम क्षेत्र के लोगों के लिये जलापूर्ति मिलती है, सभी ओवर हेड टैंक की पूरी तरह सफाई की व्यवस्था करवाये। ताकि कहीं कोई दूषित पानी नही मिले। उन्होंने उप नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि सभी आवासन स्थल पर पानी निकासी हेतु एक सेपरेट टीम नामित रखें ताकि किसी भी आवासन स्थल में जलजमाव की स्थिति रहने पर उसे तुरंत साफ करवाया जा सके। सभी पार्किंग स्थल पर पर्याप्त टॉयलेट एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करावे। डीएम ने कार्यपालक अभियंता पीएचइडी को निर्देश दिया है कि रामशिला, प्रेतशिला, गोदावरी तालाबों को विशेष रूप से पानी सफाई व्यवस्था रखें।

सतत जीविकोपार्जन योजना को देखने उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल गया पहुंचा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। बिहार सरकार की लोककल्याणकारी योजना सतत जीविकोपार्जन योजना (शहरी) के अंतर्गत लाभार्थी परिवारों की प्रगति का आकलन करने हेतु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के 36 सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज गया का दौरा किया। इस टीम में बराक इंटरनेशनल की कंट्री हेड स्वेता बनर्जी, पीसीआई, जे-पाल, एकेएफ सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल थे। इस अवसर पर सभी जगह जीविका के प्रखंड एवं जिला स्तर की टीम के सदस्य भी उपस्थित थे। टीम ने तीन अलग-अलग समूहों में बांटकर बोधगया, मानपुर, तथा चंदौती प्रखंडों के लाभार्थी परिवारों का गृह भ्रमण किया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने योजना के सकारात्मक प्रभाव को प्रत्यक्ष रूप से देखा और अनुभव किया। बोधगया भ्रमण के दौरान बराक इंटरनेशनल जिसमें कंट्री हेड, डीपीएम जीविका एवं अन्य सदस्यों ने हथियार एवं भागलपुर स्थित कई योजना लाभार्थी के घरों में भ्रमण के दौरान जाना कि यदि थोड़ा सा सहयोग एवं मार्गदर्शन मिले तो लोगों के जीवन स्तर में सुधार किया जा सकता है। हथियार में वार्ड नंबर 32 की लाखो देवी, गीता देवी सहित अन्य उदाहरण है जिन्होंने सतत जीविकोपार्जन योजना (शहरी) से मिले पूंजी सहयोग से दुकान खोल अपना जीवन बदला है। इसी प्रकार बोधगया के भागलपुर में वार्ड नंबर 13 की ललिता देवी को योजना के माध्यम से परिसंपत्ति का हस्तांतरण किया गया जिससे आज उनके जीवन स्तर में उल्लेखनीय रूप से सुधार हुआ है। वह सब्जी एवं फलों के साथ अन्य सामग्री की बिक्री से अच्छी आय कर रही हैं जबकि पहले उनका जीवन कठिनाइयों से भरा था। जिला परियोजना प्रबंधक आचार्य मम्मट ने प्रतिनिधिमंडल को योजना के कार्यान्वयन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सतत जीविकोपार्जन योजना के प्रभाव एवं सफलता ने देश-विदेश में सकारात्मक ध्यान आकर्षित किया है। इस योजना की शुरुआत वर्ष 2018 में बिहार सरकार द्वारा उन अत्यंत निर्धन परिवारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से की गई थी जो शराब एवं ताड़ी के उत्पादन या बिक्री से जुड़े थे। यह योजना अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अन्य वंचित समुदायों के लिए सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु परिसंपत्ति हस्तांतरण, क्षमता निर्माण तथा वित्तीय सहायता प्रदान करती है।वर्तमान में इसका संचालन ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जीविका के माध्यम से पूरे बिहार राज्य में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

सीयूएसबी के ऑपरेशन सिन्दूर के बाद भारत की विदेश नीति विषय पर इग्नू के प्रोफेसर का व्याख्यान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी(गयाजी)। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के राजनीतिक अध्ययन विभाग द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के पश्चात भारत की विदेश नीति विषय पर एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो कामेश्वर नाथ सिंह के संरक्षण में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इग्नू के प्रोफेसर सतीश कुमार ने ऑपरेशन सिन्दूर के बाद भारत की विदेश नीति के समक्ष आये चुनौतियों और संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के पश्चात भारत सरकार द्वारा विदेश नीति के द्वारा उठाए गए कदम की सराहना करते हुए कहा कि देश ने इन चुनौतियों को स्वीकारते हुए वैश्विक पटल पर अपनी सम्प्रभुता कायम रखी। प्रो सतीश ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने विश्व को आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाकर एक बड़ा संदेश दिया है जिसके भविष्य में दुर्गामी परिणाम हासिल होंगे। जन सम्पर्क पदाधिकारी ने बताया कि मुख्य वक्ता के संबोधन से पूर्व स्कूल आफ सोशल साइंसेज और पॉलिसी के डीन प्रोफ़ेसर प्रणव कुमार के शोध निर्देशन में दो शोधार्थी खुशबू कुमारी एवं धर्मेंद्र कुमार ने अपने थीसिस को डिफेंड किया।

पीड़ित परिवारों को एससी/एसटी अत्याचार निवारण के तहत मिला मुआवजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों के लिए सुविधा प्रदान करने के लिए बिहार सरकार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मुआवजा प्रदान करना है। जिले के डीएम शशांक शुभंकर द्वारा 13 पीड़ित लाभुकों को 801353 रुपये की राशि मुआवजा भुगतान कराने का आदेश दिया है जो सीधे पीड़ित परिवार के बैंक खाते में जाएगी। उन्होंने बताया कि गया जिला के विभिन्न थानों से प्राप्त प्राथमिकी एवं आरोप पत्र पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 एवं समय-समय पर पीडित/पीड़िता को राहत अनुदान के कुल 13 मामले जिसमें प्राथमिकी के आधार पर 10 एवं आरोप पत्र के आधार पर 03 मामलों में मुआवजा भुगतान हेतु डीएम के द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी जिसमें प्रथम किस्त के 10 मामलो में कुल राशि-551353/- एवं द्वितीय किस्त के 03 मामलो में कुल राशि-250000/- के भुगतान का आदेश दिया गया।

इन्हें प्रथम किस्त की मिलेगी राशि

शेरघाटी थाना क्षेत्र के ग्राम करमैनी डोभी अंतर्गत राधा कुमारी को प्रथम किस्त रूप में 250000 रुपया। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम/ मोहल्ला गोल बगीचा अंतर्गत निकिता रजक को प्रथम किस्त रूप में 50150 रुपया। विष्णुपद थाना क्षेत्र के ग्राम माडणपुर अंतर्गत शनिराज को प्रथम किस्त रूप में 25150 रुपया। बाराचट्टी थाना क्षेत्र के ग्राम छौराबन्ध अंतर्गत विजय राम को प्रथम किस्त रूप में 25150 रुपया। चाकंद थाना क्षेत्र के ग्राम बीथोशरीफ अंतर्गत विष्णुदेव को प्रथम किस्त रूप में 25150 रुपया। शेरघाटी थाना क्षेत्र के ग्राम लखन तकिया अंतर्गत सोनू कुमार को प्रथम किस्त रूप में 25152 रुपया।ि टकारी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचानपुर अंतर्गत लक्ष्मण मांझी को प्रथम किस्त रूप में 50150 रुपया।

ऑटो पलटने से 85 वर्षीय वृद्ध की मौत, दो घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वजीरगंज(गयाजी)। वजीरगंज पुरा हॉल्ट के निकट तपोवन रोड में मंगलवार की दोपहर एक ऑटो अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत सभी ऑटो सवार को बाहर निकाला, ज्यादा गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को ऑटो से वजीरगंज अस्पताल इलाज के लिये लाया गया जहां चिकित्सक ने वृद्ध व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया तथा अन्य घायल दम्पत्ति को इलाज के बाद एएनएमसीएच रेफर कर दिया। घायलों में मोहड़ा प्रखंड निवासी 55 वर्षीय वितन मांझी एवं उनकी पत्नी अनार देवी शामिल हैं। वहीं कुछ घंटों बाद मृतक वृद्ध की पहचान मोहड़ा प्रखंड अंतर्गत 85 वर्षीय सोनरा निवासी रामजी मिस्त्री के रूप में की गई। थानाध्यक्ष वेंकटेश्वर ओझा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है वहां से उसे परिजन को सुपूर्द कर दिया जायगा।

लोजपा 'रा' की नव संकल्प महासभा की तैयारी को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। शहर के एक निजी होटल में लोजपा (रा) की बैठक संपन्न हुई। बैठक आगामी 26 जुलाई को लोजपा द्वारा आयोजित नव संकल्प महासभा की तैयारी को लेकर आहूत की गई जिसमें प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी सहित जिले के विभिन्न प्रखंडों के अध्यक्ष सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए जिसमें तैयारी को लेकर बिंदुवार चर्चा की गई। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि भोजपुर के आरा जिले से नव संकल्प महासभा की शुरुआत की गई है जो मुंगेर, सारण, राजगीर में हो चुकी है। इसके बाद आगामी 26 जुलाई को गया शहर के गांधी मैदान में होगी जिसमें मुख्य अतिथि चिराग पासवान शामिल होंगे। इसी को लेकर यह बैठक आहूत की गई है जिसमें हमारे तमाम वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। तैयारी को लेकर कई दिशा-निर्देश कार्यकर्ताओं को दिए गए हैं। ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग बस, टेंपो, बाइक एवं अन्य वाहनों से पहुंचेंगे। गया की यह महासभा ऐतिहासिक होगी, इसे लेकर व्यापक तैयारी की जा रही है। इस मौके पर लोजपा के राष्ट्रीय सचिव अरविंद कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह, महासभा की प्रभारी शोभा सिन्हा, संसदीय दल के जिला प्रभारी ठाकुर सुमन सिंह, चिंटू शर्मा, गोविंद साव सहित कई लोग शामिल हुए।

भूमि विवाद में मारपीट, मामला दर्ज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। आंती थाना क्षेत्र के खटनही टोला मौला बिगहा गांव में भूमि विवाद में मारपीट की घटना सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पिता-पुत्र को आरोपी बनाया है। जानकारी के अनुसार खटनही टोला मौला बिगहा गांव में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई। इस घटना में उपेंद्र यादव पिता शिवजी यादव का बाएं हाथ का अंगुली टूट गया। आंती थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने कांड संख्या 84/25 दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है और बिंदेश्वर यादव एवं कन्हाई कुमार के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है।

मेन थाना का वार्षिक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। जिले के एसएसपी आनंद कुमार के निर्देशानुसार मंगलवार को डीएसपी विधि-व्यवस्था रवि प्रकाश के द्वारा मेन थाना का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने में संधारित समस्त संचिकाओं एवं अभिलेखों का सूक्ष्मता से अवलोकन कर उन्हें अद्यतन एवं व्यवस्थित रखने हेतु निर्देशित किया। इसके उपरांत उन्होंने गंभीर शीर्ष के लंबित कांडों, वारंट, इश्तिहार एवं कुर्की की शीघ्रता से निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

विदाई समारोह का आयोजन

गयाजी। जिले के एसएसपी आनंद कुमार के मार्गदर्शन में मंगलवार को पुलिस कार्यालय, गया में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया।यह समारोह प्रकाश कुमार (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नीमचक बथानी) एवं अमित कुमार के स्थानांतरण के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर पुलिस अधीक्षक, गया अपर पुलिस अधीक्षक, गया समेत गया पुलिस के कई वरीय पदाधिकारी एवं कर्मीगण उपस्थित रहे।

बाल श्रम मामले में एफआईआर, नाबालिग मजदूर मुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुरुआ। गुरुआ बाजार स्थित श्रम विभाग ने बाल श्रम के खिलाफ कार्रवाई करते हुए किराना दुकान से नाबालिग बाल श्रमिक को मुक्त कराया। इस कार्रवाई से बाजार क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रखंड श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी राजेश कुमार के नेतृत्व में गुरुआ बाजार में छापेमारी की। इस दौरान एक किराना दुकान में नाबालिग से मजदूरी करवाई जा रही थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर बच्चे को बाल श्रम से मुक्त कराया। श्रम विभाग की इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की और प्रशासन से बाल श्रम पर लगातार निगरानी रखने की मांग की। अधिकारी ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह की छापेमारी जारी रहेगी।

हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। आगामी स्वतंत्रता दिवस, 2025 को हर्षोल्लास, उमंग एवं देश प्रेम के वातावरण में हर वर्ष मनाया जाता है। बैठक में बताया गया कि सुबह 9:05 में गांधी मैदान स्टेडियम में, 09:40 बजे में गांधी मंडप में, 9:50 बजे प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय, 10:15 बजे समाहरणालय, 10:30 बजे वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय, 11:00 बजे पुलिस लाइन में झंडोत्तोलन किया जाता है। मंगलवार को तैयारी हेतु जिले के डीएम शशांक शुभंकर में नगर आयुक्त गया नगर निगम को निर्देश दिया गया है कि गांधी मैदान, गांधी मंडप, समाहरणालय इत्यादि स्थानों पर पूरी साफ सफाई की व्यवस्था रखेंगे। गांधी मैदान स्टेडियम में जलजमाव की स्थिति में आ रहे इसके लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं करवाना सुनिश्चित रखेंगे। गांधी मैदान स्टेडियम में बने मंच की रंगाई पुताई एवं मरामति कार्य अभी से ही पूर्ण कर ले। डीएम ने कार्यपालक अभियंता पीएचडी को निर्देश दिया कि आम जनों के पीने के लिए वाटर टैंकर उपलब्ध रखना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने एसडीओ तथा नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि उक्त तिथि के दिन सभी मांस मछली की दुकानें बंद रहे इस पर पूरी कठोरता से अनुपालन कराएं। स्वतंत्र दिवस के अवसर पर इस वर्ष फैंसी क्रिकेट मैच/ बैडमिंटन या फुटबॉल खेल में से कोई एक खेल वर्षा के हिसाब से तय करते हुए आयोजन करे जिसके नोडल पदाधिकारी जिला खेल पदाधिकारी हैं। उन्होंने डीईओ को निर्देश दिया कि सभी सरकारी विद्यालयों में निबंधन प्रतियोगिता करावे। जिले के प्रभारी मंत्री सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा 1-1 महादलित टोला नामित है जिन्हें वहां स्वयं उपस्थित कोकर झंडोत्तोलन कार्यक्रम में शामिल होना रहेगा। मुख्य समारोह स्थल गांधी मैदान में 8 प्लाटून के माध्यम से परेड की व्यवस्था रहेगी।इसके अलावा ग्रीन स्कूल के बच्चों द्वारा बैंड बजाने की व्यवस्था रखी गई है। डीएम ने कहा कि एनआईसी के माध्यम से मुख्य समारोह का लाइव टेलीकास्ट वेबकास्टिंग की व्यवस्था की जाएगी ताकि गया जिला वासियों पूरे कार्यक्रम को अपने मोबाइल में भी देख सकेंगे।परेड का रिहर्सल 6 अगस्त से 13 अगस्त तक किया जाएगा।बैठक में अपर समाहर्ता राजस्व, अपर समाहर्ता आपदा, ज़िला आपूर्ति पदाधिकारी, नोडल पदाधिकारी सामान्य शाखा सहित सभी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

पत्रकार को पितृ शोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। ब्राह्मण जागृति मंच अनुमंडल शाखा टिकारी की तत्वावधान में शोक सभा आयोजित कर मंचीय सदस्य सह वरीय पत्रकार विश्वनाथ आनंद के पूज्य पिता अवकाश प्राप्त प्रधानाध्यपक कृष्ण चंद्र पाठक का आकस्मिक निधन पर सामूहिक रूप से पुण्य आत्मा की शांति हेतु 02 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति सहित इस विरह काल में परिजनों के प्रति साहस धैर्य की कामना ईश्वर किया गया। मालूम हो कि पत्रकार विश्वनाथ आनंद टिकारी के रानीगंज मुहल्ला में रहते हैं जिनका पैतृक आवास जहानाबाद है।

लो वोल्टेज व अनियमित विद्युत वितरण से धान की रोपाई बाधित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुरारू। बिजली की अनियमित वितरण व्यवस्था एवं लो वोल्टेज के कारण धान रोपनी का कार्य पूर्ण रूप से बाधित हो गया है। इस संबंध में महुआइन गांव के चमरू सिंह, तरौची के नन्हक दास, महिमापुर के शिवनंदन दांगी, तिलोरी के नवीन सिंह आदि गांवों के दर्जनों किसानों ने बताया कि बिजली समय पर नहीं रहता है। हरेक घंटा-आधा घंटा पर कटते रहता है जिसके कारण धान की रोपाई एकदम ठप हो चुकी है। बरसात के पानी से बिगहा- दो बिगहा खेतों की पहली चास की जुताई भी की गई है तो बिजली की अनियमितता और लो वोल्टेज के कारण गोंहटा तक सूख रहा है। लाइन आता भी है तो लो वोल्टेज में आता है यहां तक कि जल नल का समर्सेवल भी नहीं चलता है और पीने की पानी का काफी किल्लत हो जाता है। इस वर्ष हीं नहीं प्रत्येक वर्ष धान की रोपाई के समय बिजली का यही हालत रहता है। इस संबंध में जेई संजय चौधरी ने बताया कि बरसात के मौसम में अचानक बिजली की खपत बढ़ जाती है। दो दिनों में लो वोल्टेज की समस्या दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। रफीगंज से बियाडा के लिए आने वाली 33 केवी को परैया के लिए डायरेक्टर दे दिया जाएगा जिससे गुरारू और परैया प्रखण्ड का लोड आधा-आधा बंट जाएगा और लो वोल्टेज की समस्या से निजात मिल जाएगा। अब आगे देखना यह होगा कि बिजली विभाग किसानों की समस्या को कितनी जल्दी दूर कर पाती है कि किसानों की धान की रोपनी ससमय हो जाए।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. कार्य का नाम एवं स्थान : अररिया से सुपौल सेक्शन तक नई बीजी लाइन के निर्माण और कनेक्शन में क्रमशः नया टोला प्रेम नगर के पास (केजीएन–एफबीजी) टावर संख्या 206, डबल सर्किट और बसठी, धोबिनिया नहर के पास (टावर संख्या 31 पीबी) सिंगल सर्किट की 132 केवी डी/सी ट्रांसमिशन लाइन के उल्लंघन को हटाना। e-Tender No. EL-C-N-MHX-ETEN-07-25-26. 2. अनुमानित कार्य की लागत : ₹8,48,81,352.75, 3. जमा किए जाने वाले बयाना राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्य : NIT के अनुसार एवं रू शून्य। 4. कार्य पूर्ण करने का समय : 06 माह। 5. निविदा बंद होने का तिथि एवं समय : 04.08.2025 दोपहर 12.00 बजे तक। 6. वेबसाइट विवरण नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा की पूर्ण जानकारी देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है : आई.आर.इ.पी.एस वेबसाईट www.ireps.gov.in पर, निविदा डाउन लोड किया जा सकता है एवं सीईई/कॉन महेन्द्रूघाट, कार्यालय सीएओ/कॉन ईसीआर ऑफिस परिषर, पटना 800004 में निविदा पट पर देखा जा सकता है।

हिन्दी एवं अंग्रेजी की सूचना में किसी प्रकार की भिन्नता पाये जाने पर अंग्रेजी में प्रकाशित सूचना को सही माना जायेगा।

उप मुख्य विद्युत अभियंता/
निर्माण/उत्तर/पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना
पीआर/0637/कॉन/निर्माण/टी/25–26/40

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या : DNR/PROJ/TRL/NBG/RE-TEN/03 दिनांक – 18.07.2025

1. कार्य का नाम एवं स्थान : Design, Supply, erection testing & Commissioning of 132 KV D/C 3-phase transmission line from GSS Nabinagar to Railway TSS Nabinagar and associated 02 nos. 132KV Line Bays at GSS Nabinagar under Railway Project Danapur of East Central Railway. 2. कार्य का अनुमानित लागत : ₹48,06,93,548.23, 3. निविदा फार्म की किमत : ₹0.00, 4. आवश्यक बयाना राशि : ₹25,53,500.00, 5. निविदा प्रस्ताव जमा करने एवं निविदा खुलने की तारीख एवं समय : निविदा प्रस्ताव जमा करने की प्रारांभिक तारीख दिनांक–28.07.2025 निविदा खुलने की तारीख एवं समय–दिनांक 11.08.2025 को 15:00 बजे। 6. वेबसाइट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्ते व विवरण की जानकारी प्राप्त की जा सकती है : पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्ते व विवरण निविदा प्रपत्र में है जिसे www.ireps.gov.in वेवसाईट पर देखा जा सकता है। 7. पता एवं अन्य जानकारी : मुख्य विद्युत अभियंता/रेल परियोजना/दानापुर कार्यालय जगजीवन स्टेडियम के निकट, खगौल पोस्ट – खगौल जिला – पटना, पिन–801105.

उप मुख्य विद्युत अभियंता/
रेल परियोजना/पूमरे/दानापुर
पीआर/0634/डीएनआर/विद्युत/टी/24–25/40

इटली के अंतर्राष्ट्रीय समर स्कूल में विश्वविद्यालय का किया गया प्रतिनिधित्व

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी(गयाजी)। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के जियोग्राफी विभाग के पीएचडी स्कॉलर शिवम प्रियदर्शी ने डॉ. सोमनाथ बेरा के मार्गदर्शन में इटली के आओस्ता में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर इंजीनियरिंग जियोलॉजी एंड द एनवायरनमेंट के चौथे समर स्कूल में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। शिवम एक प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया के माध्यम से दुनिया भर से चुने गए 30 प्रतिभागियों में से एक प्रतिभागी थे। इस उपलब्धि पर सीयूएसबी के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलसचिव प्रो. नरेंद्र कुमार राणा और जियोग्राफी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. किरण कुमारी ने शिवम को बधाई और शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि काफी प्रशंसनीय है जो सीयूएसबी में गुणवत्तापूर्ण शोध संस्कृति को दर्शाता है। सीयूएसबी के जन संपर्क पदाधिकारी मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि शिवम प्रियदर्शी जियोग्राफी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सोमनाथ बेरा के मार्गदर्शन में शोध कर रहे हैं। डॉ. सोमनाथ बेरा ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि भू-खतरों के प्रबंधन और बुनियादी ढांचे के डिजाइन में भूवैज्ञानिक मॉडलों की भूमिका शीर्षक वाले इस कार्यक्रम ने दुनिया भर के शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों ने एक साथ भू-खतरों जैसे भूस्खलन, मलबे का प्रवाह और हिमनद झीलों के फटने से होने वाली बाढ़ (जीएलओएफ) - के प्रबंधन के लिए नवीन दृष्टिकोणों पर चर्चा की। साथ ही प्रतिभागियों ने भूवैज्ञानिक मॉडलों को सतत बुनियादी ढांचे के विकास में एकीकृत किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भू-खतरा आकलन उपकरणों, संख्यात्मक मॉडलिंग तकनीकों और खतरा-प्रवण क्षेत्रों के लिए भूवैज्ञानिक और भू-तकनीकी डेटा के एकीकरण पर उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त किया। उनकी भागीदारी जलवायु-जनित आपदाओं, विशेष रूप से मलबे के प्रवाह और जीएलओएफ पर उनके डॉक्टरेट शोध के साथ निकटता से जुड़ी हुई है। प्रसन्न शिवम ने कहा कि यह एक समृद्ध शैक्षणिक अनुभव था जहां मुझे आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में अग्रणी शोधकर्ताओं और पेशेवरों के साथ जुड़ने का अवसर मिला। अल्पाइन क्षेत्रों के क्षेत्रीय दौरे और रिमोट सेंसिंग एवं मॉडलिंग टूल्स पर व्यावहारिक सत्र मेरे वर्तमान शोध के लिए विशेष रूप से मूल्यवान रहे।

एसएसपी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। जिले के एसएसपी आनंद कुमार के द्वारा पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित), मेजर सार्जेंट एवं अन्य पुलिस पदाधिकारियों के साथ मंगलवार को पुलिस केंद्र, गया पहुंचकर सिपाही संवर्ग के नवचयनित जवानों के लिए प्रारंभ किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम का जायजा लिया गया। साथ ही प्रशिक्षण हेतु उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं, आवासन स्थल एवं प्रशिक्षण स्थल का भी विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षणरत जवानों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण की उपयोगिता और महत्व पर विस्तृत जानकारी दी तथा उन्हें एक अनुशासित, कर्तव्यनिष्ठ एवं जनसेवक के रूप में तैयार होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अजमेर से भागलपुर के लिए वन-वे स्पेशल का परिचालन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर जयपुर-टुंडला-प्रयागराज-डीडीयू-गया-नवादा -किउल-सुलतानगंज के रास्ते 23 जुलाई 2025 को अजमेर से भागलपुर के लिए एक वन-वे स्पेशल का परिचालन किया जायेगा। गाड़ी सं. 09605 अजमेर-भागलपुर वन-वे स्पेशल 23 जुलाई 2025 को अजमेर से 16.15 बजे खुलकर 17.50 बजे जयपुर, 23.30 बजे टुंडला तथा अगले दिन 24.07.2025 को 07.35 बजे डीडीयू, 8.15 बजे भभुआ रोड, 08.53 बजे सासाराम, 09.08 बजे डिहरी ऑन-सोन, 09.23 बजे अनुग्रह नारायण रोड, 10.40 बजे गया, 11.31 बजे वजीरगंज, 11.53 बजे तिलैया, 12.18 बजे नवादा, 14.45 बजे किउल, 15.11 बजे अभयपुर, 15.38 बजे जमालपुर एवं 16.18 बजे सुलतानगंज सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते 18.30 बजे भागलपुर पहुंचेगी। इस स्पेशल में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02 कोच, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी एवं तृतीय वातानुकूलित इकॉनोमी श्रेणी के 03-03 कोच, शयनयान श्रेणी के 7 कोच, साधारण श्रेणी के 4 कोच एवं एसएलआर के 2 कोच होंगे।

ख़ुदा बख़्श ओरिएन्टल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्थान

आवश्यकता है

बाइंडर (1-GEN) मेंडर **(1-OBC) लाइब्रेरी अटेंडेंट (2-GEN, 1-OBC)**
(वेतनमान **₹18,000 - ₹56,900/- लेवल–1**) (इस पुस्तकालय के नियमाधीन अन्य भत्तों के साथ)।

आवश्यक योग्यताएँ: किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं पास।

अनुभव:
(i) बाइंडर/मेंडर के लिए पांडुलिपियों, उत्कृष्ठ प्रलेखों, पुरानी पुस्तकों की जिल्दसाज़ी और मरम्मत का अनुभव।
(ii) फारसी/अरबी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान।

आयु: 18–25 वर्ष के बीच।

इन पदों के लिए निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में छूट उन आवेदकों को दी जाएगी जो माननीय पटना उच्च न्यायालय के वाद संख्या CWJC 143/2016 और CWJC 4371/2015 में याचिकाकर्ता हैं।

पुस्तकालय में कार्यरत अस्थायी Group D कर्मचारियों को आयु में छूट दी जाएगी। फूलस्कैप साइज के सफेद कागज़ पर साफ टाइप की हुई आवेदन, बायोडाटा, अनुप्रमाणित शैक्षिक तथा अनुभव प्रमाण पत्र और एक ताजा पासपोर्ट साईज फोटो के साथ निम्नहस्ताक्षरित के कार्यालय में दिनांक **30 अगस्त, 2025** तक पहुँच जाना चाहिए। लिफाफे पर पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिये आवेदन पत्र भेजा जा रहा है।

निदेशक,
ख़ुदा बख़्श ओरिएन्टल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना–800004

संपादकीय

स्वच्छता में मप्र का डंका!

वर्ष 2024 के स्वच्छ सर्वेक्षण में मप्र के 8 शहरों को पुरस्कृत होना निश्चय ही गौरव की और नागरिकों को पहले की तुलना में ज्यादा जिम्मेदार बनने की बात है। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ठीक ही कहा है कि यह देश में स्वच्छता के क्षेत्र में मप्र का डंका है। बीते गुरूवार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नें पुरस्कृत शहरों को इनाम बांटे। ये पुरस्कार केन्द्रीय शहर आयोजना मंत्रालय द्वारा दिए जाते हैं। इसके पहले एक टीम सभी राज्यों के शहरों का स्वच्छ सर्वेक्षण करती है। जो विभिन्न मानदंडों के आधार पर शहर को नंबर देती है। राज्य की आर्थिक राजधानी इंदौर तो मानो अब देश में स्वच्छता का मॉडल ही बन गया है। इसके लिए इंदौरवासियों और प्रशासन को बधाई। इस बार केन्द्र सरकार ने स्वच्छ सर्वेक्षण में दो श्रेणियां बनाई थीं। पहली श्रेणी सुपर लीग में उन शहरों को शामिल किया गया, जो दो साल से लगातार स्वच्छता में टॉप-3 में आ रहे थे। इसी में हमेशा की तरह इंदौर टॉप पर रहा। जबकि दूसरी श्रेणी की सामान्य स्वच्छता रैंकिंग के स्वच्छतम शहरों में भोपाल को दूसरा और जबलपुर को पांचवां स्थान मिला। 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में महाकाल की नगरी उज्जैन तो 20 हजार से कम जनसंख्या वाले शहरों में बुधनी सर्वश्रेष्ठ शहर रहा। देवास, जबलपुर, ग्वालियर, शाहगंज भी पुरस्कृत 50 हजार से तीन लाख जनसंख्या वाले शहरों में देवास को प्रथम तथा 20 हजार से कम जनसंख्या वाले शहरों में शाहगंज को तृतीय पुरस्कार मिला। इसी प्रकार सफाई मित्र सुरक्षित शहर की श्रेणी में जबलपुर और ग्वालियर को प्रोमिसिंग शहर (स्टेट अवार्ड) श्रेणी में पुरस्कृत किया गया। प्रदेश की ओर से नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के साथ संबंधित निकायों के महापौर या निकाय अध्यक्ष और अधिकारियों ने पुरस्कार प्राप्त किए। इनके अलावा प्रदेश के 203 शहरों को स्टार रेटिंग प्रमाणीकरण मिला, जिसमें विगत वर्ष के 157 शहरों से 12 प्रतिशत अधिक शहरों ने स्टार रेटिंग प्राप्त की। सर्वेक्षण में भोपाल, इंदौर, जबलपुर को सात स्टार, देवास, रीवा और सतना को पांच स्टार रैंक प्राप्त हुई है। साथ ही प्रदेश के 36 शहरों को तीन स्टार और 161 शहरों को एक स्टार रैंक मिली है। एक और अच्छी बात है कि स्वच्छ सर्वेक्षण में अहमदाबाद, भोपाल और लखनऊ भारत के नए स्वच्छ शहर के रूप में उभरे हैं। जबकि राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 34 शहरों को भविष्य में बेहतर स्वच्छता प्रदर्शन करने के संभावना पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। साथ ही सरकार ने स्वच्छ शहर साझेदारी शुरू की है, जिसके तहत शीर्ष स्वच्छ शहर, कमतर प्रदर्शन करने वाले शहरों को परामर्श देंगे। जहां तक इंदौर की बात है तो सफाई अब इंदौरवासियों की आदत बन चुकी है, जोकि भारत जैसे देश में असाधारण बात है। अपने शहर को साफ रखने को लेकर वहां का हर नागरिक जैसे चौकन्ना दिखता है, वह अद्भुत है। जबकि भोपाल को दूसरी श्रेणी में दूसरा स्थान जरूर मिला है, लेकिन स्वच्छता का स्तर दैनंदिन व्यवहार में वैसा नहीं दिखता, जैसा कि होना चाहिए। हकीकत में प्रदेश की राजधानी में स्वच्छता को लेकर सतर्कता केवल तभी ज्यादा दिखाई पड़ती है, जब स्वच्छ सर्वेक्षण टीम यहां का दौरा करती है, जबकि यह जागरूकता साल भर दिखनी चाहिए। बावजूद इसके पहले की तुलना में भोपाल ज्यादा स्वच्छ दिखता है। मोदी सरकार द्वारा देश को शहरों में स्वच्छता की प्रतिस्पर्धा उस आरोप का सकारात्मक जवाब है, जिसमें कहा जाता है कि भारत के शहर और भारतीय बहुत गंदे रहते हैं। इस अभियान की वास्तवित सफलता तब होगी, जब बिहार जैसे राज्य का कोई शहर भी पुरस्कार पाएगा।

आम आदमी के क्षितिज को अनुप्राणित करती भारत की अंतरिक्ष यात्रा

डॉ. जितेन्द्र सिंह
(केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री)

इसकी शुरुआत बमुश्किल दिखाई दे रही एक दरार से हुई—जो फाल्कन-9 बूस्टर की प्रेशर फीडलाइन के वेल्ड जॉइंट में छिपी हुई थी। यह अंतरिक्ष उड़ान की विशाल मशीनरी में संभवत~एक छोटी सी खामी रही होगी। लेकिन भारत के लिए, यह निर्णायक घड़ी थी। इसरो के हमारे सचेत और अटल वैज्ञानिकों ने जवाब माँगा। उन्होंने कामचलाऊ उपायों की बजाए, मरम्मत पर ज़ोर दिया और ऐसा करके, उन्होंने न सिर्फ़ एक मिशन की रक्षा की बल्कि—एक सपने की भी हिफाजत की।

उस सपने ने 25 जून, 2025 को उड़ान भरी, जब भारतीय वायु सेना के अधिकारी और इसरो-प्रशिक्षित अंतरिक्ष यात्री, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, एक्सिओम-4 मिशन के ज़रिए कक्षा में पहुँचे। एक दिन बाद अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़कर, वह—न सिर्फ़ अंतरिक्ष में, बल्कि मानव-केंद्रित विज्ञान, चिकित्सा और प्रौद्योगिकी के भविष्य में भी भारत की अगली बड़ी छलांग का चेहरा बन गए।

यह कोई रस्मी यात्रा नहीं थी। यह एक वैज्ञानिक धर्मयुद्ध था। शुक्ला अपने साथ सात माइक्रोग्रैविटी प्रयोग लेकर गए थे। इनमें से प्रत्येक प्रयोग को भारतीय शोधकर्ताओं ने उन सवालों के उत्तर जानने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया था, जो न केवल अंतरिक्ष यात्रियों के लिए, बल्कि हमारे समूचे देश के किसानों, डॉक्टरों, इंजीनियरों और छात्रों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

अंतरिक्ष में मेथी और मूंग के बीजों के अंकुरित होने के बारे में विचार कीजिए। यह सुनने में सरल, लगभग काव्यात्मक प्रतीत होता है। लेकिन इसके निहितार्थ गहरे हैं। अंतरिक्ष यान के सीमित क्षेत्र में, जहाँ पोषण का प्र?येक ग्राम मायने रखता है, वहाँ यह समझना कि माइक्रोग्रैविटी में भारतीय फसलें कैसे व्यवहार करती हैं, लंबी अवधि के मिशनों के लिए चालक दल के आहार को नए सिरे से परिभाषित कर सकता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पृथ्वी पर, विशेष रूप से मृदा क्षरण और जल की कमी से जूझ रहे क्षेत्रों में, ऊर्ध्वाधर खेती और हाइड्रोपोनिक्स में नवाचारों को प्रेरित कर सकता है।

इसके अलावा भारतीय टार्डिग्रेड्स का अध्ययन—इन सूक्ष्म जीवों को इनकी मजबूती के लिए जाना जाता है। सुप्तावस्था से जागे इन सूक्ष्म जीवों का अंतरिक्ष में जीवित रहने, प्रजनन और जेनेटिक एक?सप्रेशन की दृष्टि से अवलोकन गया। उनका व्यवहार जैविक सहनशक्ति के रहस्यों को उजागर कर सकता है, जो टीके के विकास से लेकर जलवायु-प्रतिरोधी कृषि तक, हर चीज़ में सहायक हो सकता है।

शुक्ला ने मायोजेनेसिस प्रयोग भी किया। इस प्रयोग में इस बात की पड़ताल की गई कि मानव मांसपेशी कोशिकाएँ अंतरिक्ष की परिस्थितियों और पोषक तत्वों के प्रति कैसी प्रतिक्रिया देती हैं। ये निष्कर्ष मांसपेशीय क्षय के उपचार में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं, जिससे न केवल अंतरिक्ष यात्रियों को, बल्कि वृद्ध रोगियों और आघात या ट्रामा से उबर रहे लोगों को भी लाभ होगा।

अन्य जारी प्रयोगों में सायनोबैक्टीरिया की वृद्धि—ये ऐसे जीव हैं, जो संभवत~ किसी दिन अंतरिक्ष में जीवन-रक्षक प्रणालियों की सहायता कर सकते हैं—तथा चावल, लोबिया, तिल, बैंगन और टमाटर जैसे भारतीय फसलों के बीजों का माइक्रोग्रैविटी के संपर्क में आना शामिल है। इन बीजों को पीढ़ी दर पीढ़ी उगाया जाएगा ताकि वंशानुगत परिवर्तनों का अध्ययन किया जा सके, जिससे संभावित रूप से चरम वातावरण के अनुकूल नई फसल किस्में विकसित हो सकें।

यहाँ तक कि मानव-मशीन संपर्क को भी परखा गया। शुक्ला ने यह समझने के लिए वेब-आधारित आकलन किया कि इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले के साथ बातचीत करने की हमारी क्षमता को माइक्रोग्रैविटी किस प्रकार प्रभावित करती है - जो भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशनों और अंतरिक्ष यान के लिए सहज ज्ञान युक्त इंटरफेस डिजाइन करने के लिए एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि है।

ये कोई अमूर्त प्रयास नहीं हैं। ये समाज के लिए विज्ञान के भारतीय लोकाचार में गहराई से निहित हैं। एक्सिओम-4 का हर प्रयोग पृथ्वी पर जीवन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है—चाहे वह ओडिशा का कोई जनजातीय किसान हो, शिलांग का कोई स्कूली बच्चा हो, या लद्दाख का कोई फ्रंटलाइन डॉक्टर हो।

इस मिशन ने वैश्विक अंतरिक्ष कूटनीति में भारत के बढ़ते कद को भी दर्शाया। सुरक्षा प्रोटोकॉल पर हमारे द्वारा ज़ोर दिए जाने ने स्पेसएक्स को एक संभावित विनाशकारी खामी की पहचान करने और उसे ठीक करने में मदद की। नासा, ईएसए और एक्सिओम स्पेस के साथ हमारा सहयोग समान साझेदारी के एक नए युग को दर्शाता है, जहाँ भारत केवल भाग ही नहीं ले रहा है, बल्कि नेतृत्व भी कर रहा है।

पूरे मिशन के दौरान, इसरो के फ़्लाइट सर्जनों ने शुक्ला के स्वास्थ्य पर नज़र रखते हुए उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत का ध्यान रखा। वे पूरे जोश में रहे और लखनऊ से लेकर त्रिवेंद्रम, बैंगलोर से लेकर शिलांग तक, पूरे भारत के छात्रों से बातचीत करते रहे और युवा मन में विज्ञान और अंतरिक्ष की संभावनाओं के प्रति उत्साह जगाते रहे।

शुक्ला अब लौट आए हैं, और वह अपने साथ प्रचुर मात्रा में डेटा, नमूने लाए हैं और उनके द्वारा लाई गई अंतर्दृष्टि भारत के आगामी गगनयान मिशन और भारत अंतरिक्ष स्टेशन को शक्ति प्रदान करेगी।

यह सिर्फ़ एक अंतरिक्ष यात्री की बात नहीं है। यह एक राष्ट्र के उत्थान की बात है। यह अंतरिक्ष विज्ञान को जनसेवा में बदलने की बात है। यह माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान के लाभ भारत के कोने- कोने तक —दूरदराज के गाँवों में सैटेलाइट इंटरनेट से लेकर शहरी अस्पतालों में पुनर्योजी चिकित्सा तक पहुँचाना सुनिश्चित करने की बात है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों में, गगनयान का आशय है किसी भारतीय को भारतीय साधनों के द्वारा अंतरिक्ष में पहुँचाना। एक्सिओम-4 एक पूर्वाभ्यास है, अवधारणा का प्रमाण है, आकांक्षा और उपलब्धि के बीच का सेतु है।

और जब हम तारों को देखते हैं, तो हम उन्?हें सिर्फ़ अचरज भरी निगाहों से ही नहीं निहारते, बल्कि इरादे से देखते हैं। क्योंकि भारत के लिए आकाश कोई सीमा नहीं, बल्कि प्रयोगशाला है।

बिहार

...रवि तिवारी

ये बिहार है,
मैं बिहारी हूं
ऐसा लोग कहते है
मैं सब पर भारी हूं।

ऐसा चर्चित है
जाति ही भारी
नहीं आती पारी
ना हो जो जाति यारी

जंगल राज हो,
या पलटू राज .
यहां नहीं छिपा
किसी से कोई राज

अब आया है स्वराज
कर रहा है आगाज
नव जवानों को दे रहा आवाज
आओ बनाए नया बिहार राज

पलायन से मुक्ति
शिक्षा में वृद्धि
रोजगार की युक्ति
सम्मान की बुद्धि

जाति बंधन से दूरी
उद्योग से नजदीकी
पैसों का समायोजन
करेगा गरीबी से दूरी

जाति नहीं बच्चों के लिए
वोट करो इस बार
यही नारा दिया इस बार
देखे कौन बनेगा इस बार

बिहार बदलेगा
अब सेंध लगेगी
जाति के कलंक पर
बिहारी पड़ेगा भारी

जंगल राज देख लिया
पलटू राज देख लिया
घर घर चर्चा चल पड़ी
बदलाव की बात हो पड़ी

समय की है मांग
अब दिखा देने का
सबको बता देने का
बिहारी होता है भारी

(कवि वरिष्ठ साहित्यकार और दीर्घ अनुभव वाले प्रबंधन से जुड़े अधिकारी हैं)

बाजार बनाम किसान: कृषि उत्पादन में उत्प्रेरकों की सच्चाई

अवधेश मिश्र

भारतीय कृषि अब एक नई टकराहट के केंद्र में है—जहां खेतों की ज़रूरतों और बाजार की आपूर्तियों के बीच सामंजस्य नहीं, बल्कि संघर्ष पनप रहा है। उत्पादन में सुधार के नाम पर प्रचारित किए जा रहे उत्प्रेरक उत्पाद जैसे बायोस्टिमुलेंट, नैनो यूरिया और अन्य कृषि इनपुट्स की सच्चाई अब किसानों की ज़मीनी शिकायतों, वैज्ञानिक प्रमाण की कमी और संस्थागत उदासीनता के बीच जांच के घेरे में है।

हालिया विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान जब किसानों की शिकायतों को सुना गया, तब यह स्पष्ट हुआ कि प्रचारित उत्पादों की प्रभावशीलता को लेकर जमीन पर गहरी निराशा फैली हुई है। किसान बताते हैं कि बायोस्टिमुलेंट्स के प्रयोग से उत्पादन में कोई उल्लेखनीय बढ़ोतरी नहीं हुई। कई बार तो मिट्टी की संरचना बिगड़ी और फसल की गुणवत्ता भी प्रभावित हुई। यह विरोधाभास तब और गंभीर हो जाता है जब उत्पादों को ÷जैविक वृद्धि प्रोत्साहक÷ कहकर विज्ञापित किया जाए, लेकिन उनके प्रभाव का कोई वैज्ञानिक आधार न हो।

बायोस्टिमुलेंट को वर्ष 2021 में उर्वरक नियंत्रण आदेश (स्नष्टह्र) की अनुसूची ढ्ढढ्ढ में शामिल किया गया था। इसके तहत किसी भी उत्पादक को पंजीकरण और वैज्ञानिक परीक्षण करवाना अनिवार्य है। बावजूद इसके, एक समय पर करीब 30,000 उत्पाद बाज़ार में बिक रहे थे—जिनमें से अधिकतर बिना वैज्ञानिक प्रमाण के ही किसानों तक पहुँच गए। सख्ती के बाद यह संख्या घटकर लगभग 650 रह गई है, जो इस बात का संकेत है कि पूर्ववर्ती स्वीकृति व्यवस्था बेहद लचर रही।

प्रशासनिक चुप्पी और वैज्ञानिक संस्थानों की निष्क्रियता पर सवाल उठते ही एक केंद्रीय बिंदु उभरता है—क्या किसानों की जरूरतें बाज़ार की रणनीति में शामिल ही नहीं हैं? केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों से पूछा था~ ÷क्या हमारे पास ऐसा कोई वैज्ञानिक डेटा है जिससे यह सिद्ध हो सके कि बायोस्टिमुलेंट से कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है?÷ यह प्रश्न सिर्फ एक मंत्रालय के लिए नहीं, बल्कि पूरे तंत्र के लिए चुनौती है। यदि उत्तर नहीं है, तो स्वीकृत उत्पादों की भूमिका किस आधार पर तय की गई?

इस पूरे परिप्रेक्ष्य में ढ्ढष्टन्क्र जैसी वैज्ञानिक संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। केंद्रीय कृषि मंत्री की चेतावनी भी यही थी कि ÷ढ्ढष्टन्क्रकिसानों के लिए है, कंपनियों के लिए नहीं।÷ लेकिन यदि इन संस्थानों से जुड़ी परीक्षण प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है, और उत्पादन से पहले कोई विश्वसनीय परीक्षण रिपोर्ट सामने नहीं आती, तो यह संदेह बढ़ता है कि कहीं न कहीं संस्थागत स्वीकृति बाज़ार के दबाव में दी जा रही है।

नैनो यूरिया और नकली खाद-बीज की बिक्री भी इस संकट को और गहरा करती है। किसानों ने शिकायत की है कि नैनो यूरिया पारंपरिक यूरिया की तरह प्रभावकारी नहीं है। वहीं घटिया बीजों की बिक्री ने उत्पादन को प्रभावित किया और किसानों को आर्थिक नुकसान पहुँचाया। ऐसे मामलों में उत्पादों को ÷सरकारी मान्यता प्राप्त÷ बताकर बेचना किसानों की भरोसेमंद प्रणाली पर गहरा आघात है।

राजस्थान और बीकानेर में घटिया उत्पादों के गोदामों की सीलिंग और अधिकारियों के निलंबन जैसी घटनाएं यह सिद्ध करती हैं कि इस संकट की जड़ें केवल नीति में नहीं, बल्कि ज़मीनी स्तर पर भी फैली हुई हैं। यदि निगरानी और स्वीकृति प्रणाली अपने उद्देश्य से भटकती है, तो किसान केवल उपभोक्ता नहीं, प्रयोगशाला के विषय बन जाते हैं।

अब ज़रूरत है कि वैज्ञानिक परीक्षण को पंजीकरण से पहले अनिवार्य किया जाए। सैंपल टेस्टिंग की प्रक्रिया पारदर्शी और सार्वजनिक हो, और उसकी रिपोर्ट सुलभ तरीके से किसान समुदाय को उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, यदि कोई उत्पाद मानकों पर खरा नहीं उतरता है तो उसकी बिक्री पर पूर्ण रोक लगाई जाए। दोषी अधिकारियों और कंपनियों पर एफआईआर दर्ज हो, लाइसेंस रद्द किए जाएं, और किसानों को मुआवज़ा देने की विधिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

यह प्रश्न अब केवल तकनीकी नहीं रह गया है, बल्कि नैतिक और संस्थागत जवाबदेही का बन चुका है। जब वैज्ञानिक संस्थाएं कंपनियों के दबाव में आकर कार्य करें, और नियामक संस्थाएं उत्पादन की कसौटी को दरकिनार करें, तो किसान के पास कोई विकल्प नहीं बचता। यह स्थिति उस सामाजिक और नीति संकट की ओर इशारा करती है, जिसकी अनदेखी अब संभव नहीं।

भारतीय कृषि को नई नैतिक दिशा की आवश्यकता है—जहां किसानों की आवाज़ केवल खेत तक सीमित न रह जाए, बल्कि नीति निर्माण की नींव बन सके। उत्प्रेरकों के नाम पर चल रहा यह बाज़ारीकरण अब वैज्ञानिक कसौटी पर परखा जाना चाहिए। तभी किसान, विज्ञान और नीति एक साझा उद्देश्य के तहत जुड़ सकेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जब बच्चे दीवारों पर लिखते हैं... समझिए कुछ कहना चाहते हैं

विप्रम

रचनात्मकता मानव मन में बहुत छोटी उम्र से आने लगती है। बच्चे जब रेत में घर-घर खेल रहे होते हैं, तो अपने घरौंदे बना कर खुश होते हैं। कई बार वे घरौंदा तोड़ कर भी खुश होते हैं। वे नहीं जानते दूसरे का दुख या दूसरे बच्चों के घर टूटने का मतलब। लेकिन उसी दौर में जब उनका घर कोई अन्य बच्चा तोड़ देता है तो वहां दुख का सामाजिक प्रशिक्षण होता है। शिक्षक जब स्कूल की कक्षा के श्यामपट्ट यानी ब्लैक-बोर्ड पर लिख रहे होते हैं तब अक्सर देखा जाता है कि कुछ बच्चे अपने तरीके से अपने सामने मेज पर कलम से कोई चित्र उकेर रहे होते हैं। कुछ विद्यार्थी अपने मन से कुछ भी लिख रहे होते हैं, कोई स्केच वाली कलम से अपने आगे बैठे सहपाठी की कमीज पर कुछ लिख देता है, तो कोई कापी से पन्ना निकाल हवाईजहाज बना कर उड़ाता दिखता है। इसी तरह की कुछ और नटखट कारगुजारियां करते हुए कई स्कूली बच्चों को देखा जा सकता है। कई बार स्कूल के शौचालय की दीवारों पर भी भद्दी चित्रकारी देखने को मिलती है। कुछ अच्छे तो कई खराब टिप्पणियां भी उकेरी हुई होती हैं। यही हाल अक्सर रेलगाड़ियों, बसों या सरकारी सार्वजनिक स्थलों पर भी देखने को मिलता है। ऐसा लिखने वाले बढ़ती उम्र के बच्चों के भीतर शायद किसी तरह की हिचक नहीं होती और ये इसके असर के बारे में अंदाजा नहीं लगा पाते। ऐसे कारनामे यहीं नहीं रुकते, बल्कि कुछ ऐतिहासिक इमारतों की दीवारों-दरवाजों पर भी लिखे या चित्र रूप में इस विचित्र मनोवृत्ति का प्रदर्शन दिख जाता है। ये कभी बेमानी होते हैं तो कभी अश्लीलता की हद भी पार कर जाते हैं। ऐसा लगता है कि इस तरह की हरकत करने वालों को अपने मन की कुंठा निकालनी होती है या किसी तरह अपनी बात दूसरे तक तुरंत पहुंचानी होती है, तो इन्हें इससे सरल और सहज माध्यम कोई और नहीं सूझता। यों भी, जो किसी के सामने नहीं कहा जा सकता या सामने आने पर कहने की हिम्मत नहीं होती, उसे इस तरह पेश कर देना इन्हें बेहतर लगता है। किसी पर्यटन स्थल या किसी ऐतिहासिक इमारत पर प्रेम संदेश या दिल की आकृति को चीरते हुए तीर कई लोगों ने देखा होगा।

ऐसी जगहों पर कुछ सामान्य और सूचनात्मक शब्दों को भी मिटा या बिगाड़ दिया जाता है। इस तरह की हरकत करने वालों को कई बार रचनात्मकता के दृष्टिकोण से देखा जाता है, लेकिन सच यह है कि इस तरह से अपनी कुंठा या मानसिकता का प्रदर्शन किसी भी तरह से सराहनीय नहीं हो सकता, क्योंकि इससे दूसरों को असहजता होती है, उन्हें बुरा लगता है। इसके अलावा, इस तरह की कुंठा बाद में और ज्यादा विकृत होती जाती है और दूसरों को नुकसान पहुंचाने वाली बन जाती है। पर्यटन स्थलों या ऐतिहासिक इमारतों पर नाहक ही कुछ लिखना उसे क्षति पहुंचाना भी होता है। इसे दंडनीय भी माना जाता है, लेकिन कुछ लोग ऐसा करते हैं।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष
मित्रों से वैचारिक मतभेद दूर होंगे। धार्मिक कार्यक्रमों में भागीदारी बढ़ेगी। युवा उद्यमियों को सम्मान मिल सकता है। घर की सुख-शान्ति बनी रहेगी।

वृषभ
दैनिक कार्यों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। आसपास के लोगों के व्यवहार पर नजर बनाये रखें। कब्ज और गैस के रोगियों की समस्या बढ़ सकती है।

मिथुन
नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि होगी। आज आप अत्यन्त ऊर्जावान महसूस करेंगे। शारीरिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे।

कर्क
घर में वृद्धजन आपके विचारों से सहमत रहेंगे। विद्यार्थी उच्च शिक्षा को लेकर अत्यन्त सावधान रहेंगे। लोगों की अपेक्षाओं पर आप खरे उतरेंगे।

सिंह
अपने विचारों को लेकर थोड़े स्पष्ट रहें। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। जीवनसाथी की अहमियत को समझें। मन की चञ्चलता पर नियन्त्रण रखें।

कन्या
आज आपकी परिस्थितियाँ काफी कमजोर रहने वाली हैं। आय में कमी होने से आत्मविश्वास में कुछ कमी रहेगी। आपका स्वभाव थोड़ा अड़ियल रहेगा।

तुला
परिजनों का व्यवहार आपके प्रति बहुत ही अच्छा रहेगा। अपनी सफलता का भरपूर आनन्द उठायेंगे। मित्र आपकी प्रत्येक कार्य में सहायता करेंगे।

वृश्चिक
राजनीति से जुड़े लोगों की परेशानियाँ दूर होंगी। पढ़ाई में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। उधार लिया हुआ धन आपको वापस करना पड़ेगा।

धनु
आपके ऊपर जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। नये काम की शुरुआत करने का विचार बनायेंगे। सन्तान की सफलता से उत्साहित रहेंगे। अपनी गलतियों को सुधारने के लिये दिन बहुत अच्छा है।

मकर
प्रबुद्ध व्यक्तियों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर रहेंगे। घर के छोटे-छोटे कार्यों को आज प्राथमिकता देंगे। कारोबार में ग्राहकों के व्यवहार से अप्रसन्न हो सकते हैं।

कुंभ
कार्यक्षेत्र में स्थितियाँ आपके अनुकूल रहेंगी। जॉब में आप बड़ा परिवर्तन कर सकते हैं। बहुमूल्य वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं।

मीन
करियर को लेकर नयी दिशा प्राप्त हो सकती है। जीवनसाथी से परामर्श लेना लाभकारी होगा। वैचारिक मतभेदों को अपने व्यक्तिगत सम्बन्धों पर हावी न होने दें।

ओल्ड पेंशन की मांग को लेकर कर्मचारियों ने लगाया काला बिल्ला

पुरानी पेंशन स्कीम को बहाल करने की मांग को लेकर दो दिनों तक चलेगा आंदोलन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। पूरे बिहार समेत भोजपुर के नेशनल मूवमेंट ओल्ड पेंशन स्कीम सह बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ गोप गुट भोजपुर से संबद्ध संघ के कर्मचारियों पदाधिकारियों ने राज्य कमिटी के निर्णय व ओल्ड पेंशन की मांग के आलोक में कर्मी, पदाधिकारी अपने अपने कार्यालयों में दो दिवसीय काला बिल्ला लगाकर कार्य किये। कर्मचारी ओल्ड पेंशन की मांग लगातार कर रहे है। इस दौरान नारा भी लगाए गए। निजीकरण, एनपीएस, यूपीएस भारत छोड़ो, पुराना पेंशन अधिकार है, सेवानिवृत्ति के बाद सहारा है, एक वोट अधिकार हमारा, पुराना पेंशन लागू करो। बड़हरा ब्लॉक में नेतृत्व जिला सचिव कर्मचारी महासंघ गोप गुट भोजपुर उमेश कुमार सुमन ने किया। सहयोग दीपक शर्मा, राजेश कुमार, धीरज सिंह, प्रेम रंजन, वेद प्रकाश, मनीष, वीरेंद्र सिंह, तारकेश्वर, संध्या सिंह ने किया। सम्बोधित करते हुए सुमन जी ने एनपीएस, यूपीएस और ओपीएस के बारे में विस्तार से चर्चा किये। उदवंतनगर ब्लॉक में नेतृत्व महासंघ गोप गुट भोजपुर के जिलाध्यक्ष रामानन्द सिंह ने की। उपस्थित कर्मियों ने काला पट्टी बांधकर अपने कार्यालयों में कार्यो का निष्पादन किया। जिले में सीडीपीओ कार्यालय, कृषि विभाग, अंचल, ब्लॉक के कर्मियों में रामानंद सिंह, शोभा कुमारी, संजय कुमार, कमलेश पासवान, संजय यादव, तारकेश्वर, वीरेन्द्र, मुकेश, सुनील, दीपक, धीरज, मनोज, सोनाधारी, प्रेम रंजन, सुजीत पांडेय, मनीष, राहुल, निर्मल, राजेश, मनोज, पिंटू, अनिल, सन्ध्या सिंह, समीर, वेद प्रकाश, रवि भारती, मुन्नी, अंजली, सहित अन्य विभाग के कर्मियों ने काला पट्टी बांधकर पहले दिन के कार्यक्रम में भाग लिया।

काला बिल्ला लगाकर किया ओल्ड पेंशन स्कीम बहाली की मांग

घोड़ासहन (पूर्वी चम्पारण)। आजीवन पेंशन की गारंटी, रिटायरमेंट के बाद जीवन निर्वाह की सुनिश्चितता, बुज़ुर्ग अधिकारियों की गरिमा की रक्षा, परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने आदि मांगो को लेकर प्रखंड कार्यालय प्रांगण में मंगलवार को सीओ आंनद कुमार के नेतृत्व में सभी सरकारी कर्मियों एवं अधिकारियों ने काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपिएस) की बहाली की मांग को लेकर पूरे प्रदेश में चल रहे है। एनएमओपीएस के राज्यव्यापी अभियान के तहत किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व एनएमओपीएस बिहार प्रदेश के उपाध्यक्ष एवं बिहार सीओ संघ के अध्यक्ष आनंद कुमार द्वारा किया गया. उन्होंने बताया कि वर्तमान में लागू एनपीएस एवं यूपीएस स्कीमें पूरी तरह से कर्मचारियों के हितों के विपरीत कार्य हैं। योजनाओं में कर्मचारियों की पेंशन बाजार आधारित हो गई है। जो पूरी तरह असुरक्षित और अनिश्चित है। उन्होंने कहा कि लगातार दो दिन 22 और 23 जुलाई को पूरे बिहार में काला बिल्ला लगाकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन सभी प्रखंड एवं जिला स्तर के कार्यालयों में किया जा रहा है। सरकार ने एनपीएस लागू कर कर्मचारियों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा को खत्म कर दिया है। रिटायरमेंट के बाद एक अधिकारी/कर्मचारी जब अपने गांव लौटता है, तो उसे एक सुरक्षित पेंशन की आवश्यकता होती है। एनपीएस में यह सुरक्षा नहीं है। सरकार हमारे ही पैसे को शेयर बाजार में झोंक देती है। जबकि कई राज्यों राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, झारखंड आदि में ओपीएस बहाल हो चुकी है, तो बिहार में क्यों नही। उन्होंने सरकार से कर्मचारियों की पुरानी पेंशन स्कीम को अविलंब बहाल करने की मांग की है। सरकार इस मांग की अनदेखी करती है, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

राजद का विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। मतदाता बचाओ अभियान कार्यक्रम के तहत राजद का रजाकपुर विवाह भवन में बखरी विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन मंगलवार को आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मोहित यादव ने की। जिला सचिव पशुपति पासवान ने आगत अतिथियों को पार्टी का गमछा और फूल माला देकर सम्मानित किया। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में चलाये जा रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण सहित संगठन की मजबूती, जनता से जुड़े ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रदेश प्रवक्ता श्री यादव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा भाजपा-एनडीए के इशारे पर चुनाव आयोग मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से बिहार के गरीबों, दलितों, पिछड़ों, अतिपिछड़ों, अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्ग के लोगो का मतदाता सूची से नाम काटना चाहती है। वोट का अधिकार छीनना चाहती है। राजद किसी भी कीमत पर इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। इसके लिए सड़क से सदन तक और न्यायपालिका में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लड़ाई लड़ने के लिए संकल्पित हैं। इस लड़ाई को मजबूती से लड़ भी रहे हैं। मौके पर बखरी विधानसभा के सभी राजद कार्यकर्ता, राजद प्रखंड अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष मौजूद थे। प्रदेश महासचिव फैयाज आलम ने कहा कि बिहार में अपराधियों का राज कायम है। राज्य की विधि व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुका है। अपराधियों के मन से शासन प्रशासन का खौफ खत्म हो चुका है जिसके कारण दिनदहाड़े अपराधी बेखौफ होकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहा है। प्रदेश महासचिव श्रीनारायण महतो ने कहा कि बिहार में 17 वर्षो से और केंद्र में 11 वर्षो से एनडीए की सरकार है फिर भी रिकर्डतोड़ महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध, गरीबी और पलायन क्यों है। इन ज्वलंत मुद्दों से राज्य की जनता त्राहिमाम है। इस मुद्दों पर भाजपा को बोलना चाहिए। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार नीतीश-भाजपा सरकार के शासनकाल में 65 हजार से अधिक हत्या, 30 हजार से अधिक बलात्कार की घटना, एक लाख से अधिक अपहरण की घटना और तीन लाख से अधिक चोरी की घटना हो चुकी है। सरकार में बैठे लोगों को बताना चाहिए बिहार में यह कौन सा राज है। बैठक को संबोधित करने वालों में युवा राजद के जिलाध्यक्ष मो फैजुर रहमान, व्यवसायिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष बूटन साह, झूग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सुमन पासवान, जिला सचिव पशुपति पासवान, बखरी प्रखंड अध्यक्ष सुरेश प्रसाद यादव, नावकोठी प्रखंड अध्यक्ष गंगा राम महतो, हरेराम महतो, मनोहर केशरी, कैलाश सदा, सुरेन्द्र पासवान, मो नशीम, मो इकबाल, राजकुमार तांती, अजय सिंह, महावीर यादव सहित तीनों प्रखंड के पदाधिकारी, पार्टी के वरिष्ठ नेता आदि शामिल थे।

नियोजन कैंप का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। श्रम संसाधन विभाग बिहार तहत जिला नियोजनालय सह मडल करियर सेन्टर, बेगुसराय में मंगलवार को एक दिवसीय नियोजन कैंप का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला नियोजन पदाधिकारी राणा अमितेष ने की। उक्त कैंप में निजी कंपनी अमधने प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि देवेश पांडेय के द्वारा कैंप में उपस्थित अभ्यर्थियों को कंपनी में कार्य सम्बंधित वेतन एवं भत्ते, कार्य स्थल एवं अन्य विषयों की जानकारी विस्तृत रूप में दी गयी। कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा दिए गए 50 रिक्तियों के विरुद्ध कुल 45 अभ्यर्थियों का साक्षात्कारोपरांत चयन एवं 13 को शार्टलिस्ट किया गया। जब कैंप में कुल 91 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर जिला नियोजन पदाधिकारी राणा अमितेष ने बेरोजगार युवकों को कैरियर एवं रोजगार सम्बन्धी मार्गदर्शन दिया एवं बताया कि नियोजन कार्यालय जिले के रोजगार इच्छुक अभ्यर्थिओं को रोजगार उपलब्ध करवाने की दिशा में प्रत्येक माह जॉब कैंप का आयोजन करता है जिसमें बिहार एवं अन्य राज्यों के निजी क्षेत्र के नियोजकों को आमंत्रित किया जाता है। जिसकी सूचना समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित की जाती है साथ ही श्री राणा द्वारा बताया गया की जिले के वैसे अभ्यर्थी जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं वो नियोजनालय में संचालित पुस्तकालय की सुविधा का निःशुल्क लाभ ले सकते है। एनसीएस पोटल द्वारा निःशुल्क प्रदान की जाने वाली सभी सुविधाओं के बारे में जेएसए राहुल कुमार एवं वाईपी पंकज कुमार द्वारा विस्तृत जानकारी दी गयी।

पुलिस लाइन में दीदी की रसोई का एसपी ने किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा/भोजपुर। मंगलवार के को पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, पुलिस लाइन, आरा में प्रशिक्षणार्थियों को स्वच्छ, पौष्टिक एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जीविका दीदियों द्वारा संचालित 'दीदी की रसोई' का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी भोजपुर तनय सुलतानिया एवं पुलिस उपाधीक्षक श्री राज द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर रसोई का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अनुकरणीय कदम बताया। उन्होंने कहा कि ल्लस्वस्थ एवं संतुलित भोजन किसी भी प्रशिक्षण प्रक्रिया का आवश्यक हिस्सा होता है और जब इसकी व्यवस्था स्थानीय स्तर की महिलाएं संभालती हैं, तो यह आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का प्रतीक बन जाता है। इसके तहत प्रशिक्षणरत पुलिस जवानों को निर्धारित मेनू के

अनुसार प्रतिदिन नाश्ता, दोपहर का भोजन, चाय आदि उपलब्ध कराया जा रहा है। इस रसोई में कार्यरत दीदियों को पूर्व में ही स्वच्छता, पोषण, खाद्य गुणवत्ता एवं सुरक्षा से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है ताकि वे मानकों के अनुरूप सेवाएं दे सकें। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका श्री बरुण कुमार, संचार प्रबंधक श्री मनीष कुमार, सुमन कुमार, कमल कुमार, अपर्णा झा, गुड़िया कुमारी, प्रखंड परियोजना प्रबंधक विशाल कुमार, कमलेश कुमार, अभिषेक कुमार सहित कई जीविकाकर्मी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को कारपोरेट जगत के लिए तैयार करने को लेकर दी गई ट्रेनिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। गंगा ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज बेगूसराय में महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह की प्रमुख कॉरपोरेट सोशल रिस्पन्सिबिलिटी पहल महिंद्रा प्राइड क्लासरूम के अंतर्गत एक विशेष अपस्किलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को कार्पोरेट जगत के लिए तैयार करने तथा उनके व्यक्तित्व एवं पेशेवर क्षमताओं के समग्र विकास के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन जिजीआईएमएस की प्राचार्य प्रो सुधा झा, संस्थान के आइक्यूएसी समन्वयक प्रो. मुरारी कुमार तथा महिंद्रा प्राइड क्लासरूम के मास्टर

ट्रेनर प्रेम रंजन द्वारा संयुक्त रूप से विधिवत शुभारंभ एवं प्रेरणादायक वक्तव्यों के साथ किया गया। यह कार्यक्रम महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह द्वारा प्रायोजित है और इसका संचालन नांदी फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है। जिजीआईएमएस की प्राचार्य प्रो (डा.) सुधा झा ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि इस प्रकार के व्यावहारिक एवं करियर उन्मुख प्रशिक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जिजीआईएमएस परिवार को गर्व है कि वह इस राष्ट्रीय स्तर के सीएसआर कार्यक्रम का भागीदार बन रहा है।आइक्यूएसी समन्वयक प्रो (इं) मुरारी कुमार ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण जिजीआईएम एस के छात्रों के लिए एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।महिंद्रा प्राइड क्लासरूम के मास्टर ट्रेनर प्रेम रंजन ने बताया कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों की न सिर्फ कौशल वृद्धि करता है, बल्कि उन्हें आत्म-विश्वासी, जागरूक और प्रोफेशनल बनाता है। जिजीआईएमएस के छात्रों ने भी पहले ही दिन के सत्रों को अत्यंत प्रभावशाली बताते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण उनके करियर के लिए 'अनमोल रत्न' की तरह है, जो उन्हें नयी दिशा एवं ऊर्जा प्रदान करेगा।जिजीआईएम एस प्रबंधन ने महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह एवं नांदी फाउंडेशन के प्रति आभार प्रकट करते हुए आशा जताई कि आने वाले समय में भी इस प्रकार के उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन होता रहेगा, जिससे छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

नाइट फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जगदीशपुर। जगदीशपुर प्रखंड क्षेत्र के दलीपपुर खेल मैदान में नाइट फुटबॉल टूर्नामेंट में कुल आठ टीमों ने भाग लिया। इसमें बिहिया और चरपोखरी के बीच फाइनल मैच खेलना था। लेकिन चरपोखरी की टीम बिहियां के टीम से फाइनल मैच नहीं खेली। ऐसे में आयोजिकों द्वारा बिहियां टीम को विजयी व चरपोखरी टीम को उपविजेता घोषित किया गया। मैच के उद्घाटन जगदीशपुर विधानसभा के राजद युवा नेता किशोर कुणाल उर्फ राजू यादव ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि फुटबॉल एक लोकप्रिय खेल है। यह खेल केवल शरीर का फिट ही नही रखता है, बल्कि खिलाड़ियों की प्रतिभा का निखार भी होता है। जो गांव से निकलकर स्टेट स्तर पर खेलते हैं।

कैंप आयोजित कर की गई टीबी मरीजों की पहचान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आदापुर (पूर्वी चम्पारण)। प्रखण्ड के बेलवा पंचायत के लक्ष्मीपुर गांव में मंगलवार को यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत हेल्थ कैम्प का आयोजन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संतोष कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने बताया कि टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत यह कैम्प लगाया गया है जहां फ्री स्वास्थ्य जांच की गई। अल्ट्रा पोर्टेबल ऐक्सरे यूनिट मशीन से यक्ष्मा रोगी की पहचान की गई एवं टीबी रोगियों के परिवार के सदस्यों को भी जांच के लिए कहा गया। इस दौरान पंचायत के अधिक से अधिक लोगों को जांच कराने की अपील की गई। वहीं कैम्प में चिन्हित मरीजों का बलगम एकत्रित किया गया एवं जाँच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया जहाँ टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर टीबी का दवा वितरण कर इलाज शुरु की जाएगी। साथ ही कैंप में बीपी जाँच, ब्लड शुगर, एचआईवी, हीमोग्लोबिन, हाइट, वजन का परीक्षण की गई एवं आवश्यक सभी दवा का वितरण किया गया। कैम्प में कुल 96 महिला एवं पुरुष का चेस्ट का एक्सरे कर टीबी का स्क्रीनिंग किया गया। इस दौरान सीएचओ सोनी कुमारी, एएनएम नेहा कुमारी, कंचन कुमारी, वरीय उपचार पर्यवेक्षक पप्पू कुमार राय, वर्ल्ड विजन से मिथलेश कुमार, एक्स-रे टेक्निशियन मोहम्मद सैफ, आशा फैसिलिटीटेटर सोनी कुमारी, आशा कार्यकर्ता सविता कुमारी, अनिता कुमारी, किरण कुमारी, सोना देवी समेत अन्य महिला एवं पुरुष ग्रामीण मौजूद थे।

एनडीए ही मुसलमानों का हितैषी गठबंधन : तुफैल कादरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जगदीशपुर/भोजपुर। जगदीशपुर में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के नेता बिहार आ आयोग के सदस्य तुफैल कादरी के जगदीशपुर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। पूर्व नगर पंचायत के अध्यक्ष मुकेश कुमार गुड्डू के आवास पर उनके द्वारा सभी अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। उसके बाद कोतवाली पर भव्य स्वागत के बाद मो. नासीर अंसारी के नेतृत्व में बैठक की गई। बैठक समाप्ति के बाद भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम किया गया। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र साह ने की। तुफैल कादरी ने कहा कि आने वाला 2025 के चुनाव में सभी कार्यकर्ताओं को लगकर फिर से एनडीए सरकार बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना है, उन्होंने सभी मुसलमानों से अपिल की एनडीए ही एकमात्र मुसलमानों की हितैषी है बाकी सभी पार्टियां आपका वोट लेकर आपको ठगने का काम किया है। इसलिए मुसलमानो के विकास के लिए देश के विकास के लिए बिहार का विकास के लिए भारी से भारी मत देकर फिर एक बार एनडीए सरकार को सत्ता में लाने की अपील किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम समाप्ति के बाद वीर कुँवर सिंह किला मे पहुंचकर वीर कुँवर सिंह प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में मंडल प्रभारी आदित्य कुमार नया टोला मंडल अध्यक्ष चंदन सिंह अरुण सिंह, अर्जुन प्रसाद, अंसार वारिस, खाँ नासीर अंसारी रंजित कुमार आदि थे।

एक नजर

दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति भवन का शिलान्यास

वीरपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड अंतर्गत नौलागढ़ पंचायत के वार्ड संख्या 8 गोपालपुर मखवा में किसानो के द्वारा संचालित गाय दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति भवन निर्माण का नींव मंगलवार को वीरपुर के जिला परिषद सदस्या शिल्पी कुमारी ने शिलान्यास किया। जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि यह भवन षष्टम राज्य वित्त आयोग मद की राशि 840500(आठ लाख चालीस हजार पांच सौ रुपये) से प्रस्तावित है। जल्द ही इसे किसान भाइयों के हितों में सुगम-सुविधाजनक बनाकर समर्पित किया जाएगा ताकि इनके समृद्धि, सपनों को पंख लग सके। किसानों के समस्या का निराकरण, विकास कार्यों, सामाजिक सुविधाओं और व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करना हमारी संसति और प्राथमिकता में है। जिसे मैं द्रुतगति से नवनिर्माण हेतु अथक, अनवरत प्रयासरत हूं। मौके पर भवन के निर्माण में भूमि दाता रामकुमार कुशवाहा, जवाहर कुशवाहा, उदय कुशवाहा के साथ समिति के अध्यक्ष अर्चना कुमारी, सचिव, रेणु देवी, सदस्य अंजू देवी, रिंकू देवी, रूबी देवी, विनीता देवी,दयानंद सिंह,अमरदीप मुन्ना उर्फ गुरुजी, उदय पासवान, नरेश कुशवाहा, रंजीत रमन, ब्रह्मदेव सिंह, अरूण कुशवाहा, राजीव एवं संवेदक मनोज सिंह सहित कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

नए प्रधानाध्यापिका ने किया योगदान

बीहट (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। नगर परिषद बीहट के उर्दू प्राथमिक विद्यालय गरहारा में सोमवार को नए प्रधानाध्यापिका के पद पर योगदान किया। जानकारी के अनुसार प्रधानाध्यापिका के रूप में नीलू कुमारी ने वरीय शिक्षिका शमीना परवीन से विद्यालय का प्रभार लिया। बताते चलें कि प्रभारी प्रधानाध्यापक धर्मेंद्र कुमार मतदाता पुनरीक्षण कार्य में कार्यरत रहने के कारण वरीय शिक्षिका द्वारा विद्यालय का प्रभाव सौंफा गया। मौके पर सहायक शिक्षिका मल्लिका जहां आफरीन खातुन रसोईया सीमा कुमारी के अलावा दानिश महबूब, मोहम्मद वासीफ उर्फ ववन आदि मौजूद थे।

गोली मारकर हत्या

बलिया (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सोमवार के देर रात डंडारी थाना क्षेत्र के राजपुर गाँव के समीप बूढी गंडक नदी के पास बाइक सबार अपराधयों ने 42 बर्षीय हरेराम पासवान की गोली मारकर हत्या कर दिया। डंडारी पुलिस के अनुसार मृतक भी अपराधी किस्म का था। उसको डंडारी और नीमाचाँदपूरा थाना टप बदमाशो मे गिना जाता था। मौके पर पहुचे पुलिस को शव को अपने कब्जे मे लेने मे ग्रामीणों के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ा। बाद मे भारी मकसस्त के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे मे लेकर पोस्टमटम के लिए बेगूसराय भेजकर मामले की छानबीन शरू कर दिया है।

14 लाख से बनेगा जीविका भवन

जगदीशपुर/भोजपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जगदीशपुर प्रखंड के आदर्श ग्राम पंचायत दावां में मनरेगा मद से 14 लाख रुपये की लागत से जीविका भवन का निर्माण होगा। सोमवार को पंचायत के मुखिया सुषुम्लता कुशवाहा ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर व नींव रख कर इसका शिलान्यास किया। मुखिया ने कहा कि जीविका भवन दो माह में बनकर तैयार हो जाएगा। जीविका भवन बन जाने के बाद जीविका दीदियों को अपने विभागीय कार्यों और अपने मीटिंग को करने में इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि भवन में सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इस मौके पर जीविका कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर नमिता कुमारी, पंचायत रोजगार सेवक चंद्रभूषण ओझा, भाजपा नेता मनजी चौधरी, जीविका दीदी अनीता देवी व मनोरमा देवी सहित अन्य मौजूद रहे।

हरी झंडी दिखा कर किया बस को रवाना

बनकटवा (पूर्वी चंपारण) (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार सरकार सड़क परिवहन निगम बिहार सरकार द्वारा मंगलवार को प्रखण्ड क्षेत्र के बरहरवा से पटना के लिए बनकटवा, सेमरी, बड़ा पकही, गोला पकड़िया, मजीरवा फुलवार, बरवा, लखौरा, मोतिहारी एवं मुजफ्फरपुर होते हुए पटना के लिए बिहार सरकार द्वारा बनकटवा को नई बस का संचालन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जीतना थाना अध्यक्ष सुधीर कुमार एवम् विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला पार्षद राम प्रवेश यादव, नेपाल (पिपरपाती) उपाध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह, मंडल अध्यक्ष चंद्रभान मिश्रा, मंडल उपाध्यक्ष विनोद सिंह, मुखिया नागेंद्र यादव आदि उपस्थित रहे। मंडल अध्यक्ष चंद्रभान मिश्रा ने बताया कि बिहार सरकार यातायात एवं परिवहन को आम जन मानस के लिए सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मंडल उपाध्यक्ष बिनोद सिंह ने कहा कि बनकटवा प्रखण्ड के हर क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा सरकार हर संभव प्रयासरत है।

एसएसबी व पुलिस ने किया संयुक्त गश्त

बनकटवा (पूर्वी चंपारण) (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। विधानसभा चुनाव को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से अलर्ट हैं। मंगलवार को भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल 71वीं बटालियन बरहरवा बीओपी के जवानों और जीतना थाना पुलिस ने साथ मिलकर थाना क्षेत्र के भारत-नेपाल सीमा से सटे गांव में फ्लैग मार्च करते हुए सघन गश्ती अभियान चलाया। संयुक्त गश्ती अभियान की अगवाई कर रहें जीतना थाना अध्यक्ष सुधीर कुमार ने बताया की विधान सभा चुनाव को लेकर सीमा एवं नाकाओं पर सुरक्षा व्यवस्था पहले से चुस्त-दुरुस्त कर दी गयी है। लगातार क्षेत्र भ्रमण करते हुए गश्ती अभियान चलाया जा रहा है। सीमावर्ती क्षेत्रों में असमाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

अनुशासन एवं तन्मयता के साथ ले प्रशिक्षण

बेगूसराय (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिला पुलिस केंद्र में सोमवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक आशीष भारती ने प्रशिक्षु सिपाहियों के प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया।ज्ञात हो कि पुलिस केंद्र बेगूसराय में पटना इकाई के 235 प्रशिक्षु सिपाहियों का प्रशिक्षण होना है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मनीष, साइबर पुलिस उपाधीक्षक, इंडोर एवं आउटडोर अनुदेशक एवं सारजेंट मेजर पुलिस केंद्र बेगूसराय उपस्थित थे। पुलिस केंद्र बेगूसराय आगमन के अवसर पर सलामी गार्ड द्वारा उन्हें सलामी दी गई। पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री भारती ने प्रशिक्षु सिपाहियों को संबोधित करते हुए पूरी तन्मयता एवं अनुशासन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अपील की।

चंपारण डाक प्रमंडल में लागू हुई एडवांस पोस्ट टेक्नोलॉजी प्रणाली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण)। भारतीय डाक विभाग द्वारा डाक सेवाओं को आधुनिक, सुगम और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की जा रही है। इसी क्रम में चंपारण डाक प्रमंडल के सभी डाकघरों में एडवांस पोस्टल टेक्नोलॉजी IT 2.0 प्रणाली को 22 जुलाई से लागू किया जा रहा है। यह डिजिटल प्रणाली न केवल डाकघर की कार्यप्रणाली को तकनीकी रूप से सशक्त बनाएगी, बल्कि ग्राहकों को तेज, पारदर्शी और

भरोसेमंद सेवाएं प्रदान करेगी। डाक अधीक्षक चंपारण डाक प्रमंडल मोतिहारी डॉ आशुतोष आदित्य द्वारा इस प्रणाली को लागू करने के लिए चरणबद्ध तरीके से एक टीम को गठित कर लगातार स्वयं इसकी समीक्षा करते हुए योजनानुसार क्रियान्वयन किया गया। डाक अधीक्षक ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह डाक सेवाओं को दीर्घकालीन रूप से अधिक दक्ष और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एडवांस पोस्टल टेक्नोलॉजी IT 2.0 के माध्यम से डाक विभाग को रियल टाइम डिलीवरी, ट्रैकिंग और सेवाओं के डिजिटलकरण में और अधिक सशक्त किया जाएगा। आज से चंपारण डाक प्रमंडल के सभी डाकघरों में आईटी 2.0 के सफल शुरुआत के बाद डिजीटल भुगतान स्वीकार करना शुरू हो गया इसके तहत काउंटर पर क्यूआर कोड स्कैन कर भुगतान हो सकेगा। यह तकनीकी उन्नयन भविष्य में डाक सेवाओं को तेज पारदर्शी और डिजिटल रूप से सक्षम बनाएगा साथ ही साथ डाक अधीक्षक ने यह भी बताया कि डाकिया पत्रों का वितरण जीपीएस से करेंगे और ओटीपी आधारित डिलीवरी होगी। जिससे ग्राहकों और कर्मचारियों दोनों को लाभ होगा। इस प्रकार डिजीटल युग में डाक विभाग को स्मार्ट बनाया जा रहा है। इस मौके पर चंपारण डाक प्रमंडल के सभी डाक निरीक्षक, डाकपाल प्रधान डाकघर मोतिहारी, सभी उप डाकपाल, प्रशिक्षक, तकनीकी सहायक, सभी डाक अधीदर्शक और अन्य सभी डाक कर्मयोगियों ने आईटी 2.0 यानि एटीपी उन्नत डाक प्रौद्योगिकी प्रणाली को लागू करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विद्यालय सर्वांगीण विकास का केंद्र : बीईओ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पुरस्कार वितरण समारोह कार्यक्रम का आयोजन

बीहट। प्रगतिशील बिहार की तस्वीर पर प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न होने के उपरांत मंगलवार को प्रखंड संसाधन केंद्र बरौनी में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुभाष कुमार ने कहा की प्रतियोगिता मूल्यवान है जबकि विद्यालय सर्वांगीण विकास का केंद्र है। इस प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता में पेंटिंग, परिचर्चा एवं निबंध पर आधारित एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के कुल 18 बच्चों को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी द्वारा प्रदान किया गया। इस संदर्भ में निर्णायक मंडल के रुचि सोनम, पूजा सिंह, ज्योति, सुरेंद्र महतो, रामप्रवेश पासवान, मिथिलेश कुमार, सत्येंद्र मिश्रा, भरोसी शर्मा, अमर कुमार, दीपक कुमार एवं मुकेश कुमार ने बच्चों को प्रोत्साहित किया । वहीं निबंध प्रतियोगिता में पूजा कुमारी, साक्षी प्रिया, राकेश कुमार, कुमार राजहंस, सलोनी कुमारी, काजल कुमारी, पेंटिंग में पल्लवी कुमारी, सबीना फातिमा, ममता कुमारी, खुशी कुमारी, रिया कुमारी, स्नेहा कुमारी एवं परिचर्चा में प्रीति कुमारी, अंजली कुमारी, श्याम कुमार ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक अशोक कुमार दास, दीपक कुमार, राहुल कुमार, पीयूष पान, अमन कुमार, अशोक कुमार, आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

मिनी सिटी के रूप में होगा बानूछापर का विकास : गरिमा

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि मॉडल सिटी के रूप में बानूछापर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा। सघन शहरी क्षेत्र के साथ पूरे बानूछापर क्षेत्र को जल जमावमुक्त बनाने के लिए कुल 1.42 करोड़ से दो आरसीसी मुख्य नाला निर्माण के लिए पुनर्निविदा जारी हुई है। महापौर ने बताया कि इन योजनाओं को पाने के लिए योग्य और इच्छुक संवेदक आगामी चार अगस्त तक अपनी दावेदारी अपलोड कर सकेंगे।

राजपुर में चाकूबाजी मामले में दर्ज हुई एफआईआर

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शिकारपुर थाना के राजपुर गांव में चाकूबाजी की घटना में घायल मुरारी कुमार मिश्रा के पिता मृत्युंजय मिश्र ने शिकारपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराया है। एफआईआर में अखिलेश राम, शुभम राम,मेराज अंसारी, नेसार अंसारी एवं भोला अंसारी को नामजद किया है। आरोप है कि 17 जुलाई की देर शाम मुरारी नरकटियागंज से टेम्पू चलाकर घर आ रहा था। गाव के गढ़ी माई स्थान के समीप पहुचा तभी दो बाइक पर सवार लोगो ने आकर टेम्पू को रोक दिया। बाइक से उतरते ही आरोपितों ने मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान गले का चैन व पॉकेट से आठ हजार रुपये भी निकाल लिए। इस दौरान आरोपितों ने जान से मारने की नियत से चाकू मारकर मुरारी को बुरी तरह जख्मी कर दिया। जिसके बाद मुरारी खून से लथपथ होकर बेहोश हो गया। घटना की सूचना पर परिजनों ने घायल मुरारी को अनुमंडलीय अस्पताल लाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सको ने उसे बेहतर इलाज के लिए बेतिया रेफर कर दिया। होश में आने के बाद मुरारी ने आरोपितों का नाम बताया है। थानाध्यक्ष ज्वला कुमार सिंह ने बताया एफआईआर दर्ज कर ली गयी है। मामले में अग्रेतर करवाई की जा रही है।

बाइक की डिक्की तोड़ उड़ाए एक लाख रुपये

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शहर के मीठा हट्ठी रोड में तिरपाल खरीदने गए एक व्यक्ति के बाइक की डिक्की तोड़कर उच्चको ने एक लाख रुपये उड़ा लिया है। घटना मंगलवार की दोपहर की है। मामले में भांटहवा पिपरा निवासी अली हुसैन ने शिकारपुर थाने में आवेदन दिया है। पुलिस को दिए आवेदन में अली हुसैन ने बताया है कि वह मंगलवार को स्टेट बैंक से एक लाख रुपये निकालकर अपने बाइक की डिक्की में रखकर मीठा हट्ठी रोड में तिरपाल खरीदने पहुच। इसी दौरान सड़क के किनारे बाइक खड़ा कर दुकान से तिरपाल खरीदने गया। तिरपाल खरीकर वापस बाइक के पास पहुचा तो बाइक की डिक्की टूटी थी और पैसे गायब थे। थानाध्यक्ष ज्वला कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन मिला है। मामले में जांच पड़ताल की जा रही है।

सभी कर्मचारियों का हल्कावार पंचायत आवंटन

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अंचल में नए राजस्व कर्मचारियों ने योगदान कर लिया है। योगदान के उपरांत सभी कर्मचारियों के साथ सीओ सुधांशु शेखर ने बैठक कर आवश्यक निर्देश दिया। वही बैठक के उपरांत सभी नए राजस्व कर्मचारियों को हल्कावार पंचायत का आवंटन किया गया है। सीओ सुधांशु शेखर ने बताया कि जिन नए राजस्व कर्मचारियों को पंचायत का प्रभार दिया गया है, उनमें अंकित कुमार को बनवरिया, सोमगढ़, अमल सास्वत को रखही चंपापुर, भभटा, रौशन कुमार को बिनवलिया, नगर परिषद, रूपेश कुमार को डुमरिया, बरवा बरौली, जगदीश राम को सेमरी, नौतनवा,अमीतेश कुमार गुप्ता को केसरिया, कुण्डीलपुर, डीके शिकारपुर, अमित कुमार (दो) को चमुआ, मनवा परसी, रितुराज कुमार को पुरैनिया हरसरी, कुकुरा, आशीष कुमार को परोराहा, भसुरारी, मलदहिया पोखरिया, धीरज कुमार को राजपुर तुमड़िया, सुगौली, अमित कुमार तिवारी को केहुनिया रोआरी, गोखुला, नगर परिषद (पिपरा, हरदिया), अमित कुमार (एक) को भेड़ीहरवा, शेरहवा तथा अशोक पटेल को हरदीटेढ़ा एवं धुमनगर पंचायत का प्रभार दिया गया है। सीओ श्री शेखर ने बताया कि सभी राजस्व कर्मचारियों को यह निर्देशित किया गया है कि वे अपने संबंधित पंचायतों का कार्य को समय से निष्पादित करेंगे।

संदिग्ध हालत में मिला वृद्ध का शव

लौरिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मठिया पंचायत के धांगड टोली गांव के ढला के पास से एक 65 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला। मृतक की पहचान मठिया गांव वार्ड संख्या 3 निवासी गामा यादव के रूप में हुई। उनकी पत्नी चुनकली देवी ने बताया कि वे दिन में दस ग्यारह बजे घर से निकले थे। शाम को गांव के लोग धांगड टोली की ओर गए तो वहां शव मिला। पहचान के बाद परिजन शव को घर लाए। फिर थाना को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही लौरिया पुलिस मौके पर पहुंची। लौरिया थानाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेतिया गवर्नमेंट अस्पताल भेजा गया है। मौत के कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा। मृतक गामा यादव के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट है। दोनों पैर भी टूटे हुए हैं। मृतक के चार बेटियां और दो बेटे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजस्व कर्मचारियों को हल्का आवंटित

बगहा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अंचल बगहा एक में नवागत 12 राजस्व कर्मियों के बीच कर्मचारियों को हल्का का बंटवारा कर दिया गया है। इसकी जानकारी देते हुए अंचल बगहा एक सीओ नर्मदा श्रीवास्तव ने बताया कि 2 दिन पूर्व बगहा अंचल में 12 राजस्व कर्मियों ने योगदान किया था। अब इनके बीच हल्का का बंटवारा कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि हल्का कर्मियों की संख्या को देखते हुए एक राजस्व कर्मी को दो से तीन हल्का का प्रभार सौंपा गया है। इसी क्रम में बिना कुमारी को बड़गांव और लगुनहा चौतरवा, पवन कुमार को हरदी नदवा व पतिलार,पवन कुमार सिंह को कोल्हुवा चौतरवा व महीपुर भथोड़ा, रोहित कुमार को बीबी बनकटवा व बसवरिया राहुल कुमार को चखनी राजवटीय , व भैंसही पाडरकाफ, विक्रांत कुमार सिसवा बसंतपुर व रायबारी महुआ, जयपाल कुमार को चंद्रपुर रतवाल व मझौवा रितेश कुमार को नगर परिषद व इंग्लिशया ,राहुल कुमार को परसा बनचहरी ,सिंगाही पिपरिया व मेहुडा, रोशन कुमार को बांसगांव मंझरिया व सलाह बरियारवा व अभिजान कुमार को भैरोगंज व नड्डा हल्का का प्रभार सौंपा गया है। सीओ ने बताया कि सभी राजस्व कर्मियों को शीघ्र ही अपना पदभार ग्रहण करते हुए अपने-अपने हल्का में रहने का निर्देश दिया गया है।

रोपनी करने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

मशरक (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मशरक थाना क्षेत्र के चैनपुर चमरिया गांव में सोमवार को सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान चमरिया गांव निवासी सुग्रीम भर (30) के रूप में हुई है। वह साइकिल से अपनी बहन के घर खैरा धान की रोपनी करने जा रहा था। गांव के बाहर मशरक-सहाजितपुर-एकमा मुख्य पथ पर अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

अपने बच्चों के भविष्य के लिए वोट करें : प्रशांत किशोर

बिहार के बच्चे गुजरात-महाराष्ट्र की फैक्ट्रियों में संघर्ष कर रहे हैं, जबकि नेताओं के बच्चे सत्ता में बैठना चाहते हैं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

एकमा/छपरा (सारण)। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर अपनी ह्यबिहार बदलाव यात्राह्न के तहत सोमवार को सारण जिले के एकमा प्रखंड मुख्यालय स्थित खेल मैदान में पहुंचे। इस दौरान आयोजित जन सभा की अध्यक्षता जन सुराज के जिला अध्यक्ष बच्चा राय व मंच संचालन अशरफ रजा खां ने की। गाजे-बाजे के साथ प्रशांत किशोर का स्वागत जनसुराज के एकमा विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी विकास कुमार सिंह ने की। इस दौरान फूल माला से स्वागत व प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर जन सुराज के प्रदेश उपाध्यक्ष वाईबी गिरि, जन सुराज नेता व पूर्व आईपीएस डॉ जयप्रकाश सिंह, देवकुमार सिंह, प्रखंड प्रमुख पति बच्चा सिंह, मुन्ना भवानी, उदय शंकर सिंह, संतोष कुमार सिंह, एकमा प्रखंड अध्यक्ष राजेश गिरि, बेबी देवी सजल आदि अन्य लोग मौजूद थे। यहां आयोजित जनसभा में उन्होंने बिहार की राजनीति व विकास पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि लोग जाति और धर्म के नाम पर वोट करने के बजाय अपने बच्चों के भविष्य के लिए वोट करें। इससे एकमा व सारण सहित पूरे बिहार की बदहाली दूर होगी। एक साल में बिहार के युवाओं का पलायन हम रोक देंगे। सिर्फ 15 मिनट तक मेरे बातों को सुनकर अपना जवाब दीजिए। उन्होंने उपस्थित जन समूह से आगामी विधानसभा चुनाव में अपने बच्चों के भविष्य के लिए वोट करने का हाथ उठवाकर संकल्प भी दिलवाया। सभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, सीएम नीतीश कुमार व राजद प्रमुख लालू प्रसाद पर निशाना साधा। कहा कि बिहार के नेता अपने बेटे को राजा बनाना चाहते हैं और दूसरी तरफ आपके बच्चे, जो मैट्रिक, बी.ए., एम.ए. तक पढ़ चुके हैं, उन्हें नौकरी के लिए गुजरात व महाराष्ट्र की फैक्ट्रियों में मजदूरी करनी पड़ रही है। अब आपको तय करना है कि आप अपने बच्चों के लिए वोट देंगे या नेताओं के बच्चों के लिए। प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि बिहार के लोगों ने कभी मंदिर के लिए वोट दिया, कभी जाति के नाम पर वोट दिया, लेकिन अपने बच्चों के भविष्य के लिए वोट नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आज मोदी जी बिहार के वोट और देशभर का पैसा लेकर गुजरात में फैक्ट्रियां लगवा रहे हैं, वहीं बिहार के बच्चे उन्हीं फैक्ट्रियों में मजदूरी करने जाते हैं।

रोजगार व पेंशन की घोषणाः

सभा में प्रशांत किशोर ने सारण की जनता से बड़ा वादा किया। उन्होंने कहा कि अगर हमारी सरकार बनी, तो बिहार में ही 10-12 हजार रुपये मासिक की आय वाला रोजगार युवाओं को दिया जाएगा। अब बच्चों को मजदूरी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इसके अलावा उन्होंने यह भी घोषणा की कि दिसंबर 2025 से 60 साल से अधिक उम्र के प्रत्येक पुरुष और महिला को 2000 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी।

शिक्षा पर वादाः

प्रशांत किशोर ने कहा कि जब तक सरकारी स्कूलों में सुधार नहीं हो जाता, तब तक 15 साल से कम उम्र के बच्चों की निजी स्कूल की फीस सरकार द्वारा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि गरीब का बच्चा भी अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में पढ़ सके।

बिहार में बदलाव की अपीलः

सभा के अंत में उन्होंने कहा कि यह छठ और दिवाली बिहार की बदहाली की आखिरी छठ और दिवाली होगी। उन्होंने कहा कि इसके बाद बिहार में बदलाव आएगा, और आपके बच्चों को बेहतर रोजगार और शिक्षा यहीं पर मिलेगी।

एकमा: हार्डवेयर व्यवसायी की हत्या से इलाके में दहशत

अज्ञात अपराधियों ने घर से बाहर बुलाकर मारी दो गोलियां, डीआईजी व एसएसपी ने लिया घटनास्थल का जायजा

छपरा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एकमा थाना क्षेत्र के नगर पंचायत एकमा बाजार के हंसराजपुर में रविवार की देर शाम को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक हंसराजपुर में महावीर हार्डवेयर नमक दुकान के संचालक व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अपराधियों ने उन्हें घर के बाहर नजदीक से दो गोलियां पेट में दाग दीं। वारदात के बाद अपराधी फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल हंसराजपुर निवासी रोशन सिंह (26) को उपचार के लिए नजदीकी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर चिकित्सा के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया। शव घर पर पहुंचने पर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। शव का अंतिम संस्कार सोमवार को परिजनों व ग्रामीणों द्वारा कर दिया गया। घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। एकमा थाना में मृतक के पिता प्रिय रंजन सिंह उर्फ सोनल सिंह के द्वारा अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। सोमवार को सारण रेंज के डीआईजी निलेश कुमार व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मृतक के परिजनों से बातचीत कर आवश्यक जानकारी ली। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक कुछ नशेड़ी साथियों के संपर्क में रहता था और ससुराल पक्ष के लोगों से भी आए दिन लड़ाई झगड़ा करते रहता था। सभी एंगल्स को ध्यान में रखकर पुलिस जांच कर रही है। वहीं पुलिस ने कॉल डिटेल्स के आधार पर कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। डीआईजी ने कहा कि जल्द ही इस वारदात का खुलासा कर दिया जाएगा। वहीं पूर्व विधायक मनोरंजन सिंह धूमल, जनसुराज नेता देवकुमार सिंह, मुन्ना भवानी, लोजपा नेता रौशन भवानी, स्थानीय व्यापारी सत्येंद्र भवानी आदि ने पहुंच कर परिजनों को सांत्वना दी। सभी ने घटना की निंदा करते हुए क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है और पुलिस से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

सिवान में खेल प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

राजेंद्र स्टेडियम में 25 जुलाई से शुरू होगी जिला स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।

सिवान। राजेंद्र स्टेडियम, सिवान एक बार फिर फुटबॉल के रोमांच से गूंज उठेगा। जिले की प्रतिभाओं को मंच देने और खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 का आयोजन 25 जुलाई को किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में जिले के बालक अंडर-15 और बालक एवं बालिका अंडर-17 आयु वर्ग की टीमें दमखम दिखाएंगी।

मान्यता प्राप्त विद्यालयों की टीमें लेंगी हिस्सा

जिला खेल पदाधिकारी उपेंद्र कुमार यादव ने बताया कि इस प्रतियोगिता में केवल वही टीमें भाग लेंगी जिन्होंने सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसाइटी की आधिकारिक वेबसाइट पर निबंधन कराया है। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय को इस प्रतियोगिता में शामिल नहीं किया गया है। जिले के अन्य सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों की टीमों के लिए यह सुनहरा मौका होगा।

आयु सीमा का पालन अनिवार्य

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए आयु संबंधी मापदंड तय किए गए हैं। बालक अंडर-15 वर्ग में वही खिलाड़ी भाग ले सकेंगे जिनकी जन्मतिथि 1 जनवरी 2011 के बाद की है। बालक एवं बालिका अंडर-17 वर्ग में वही खिलाड़ी पात्र होंगे जिनकी जन्मतिथि 1 जनवरी 2009 के बाद की हो।

खेल भावना को मिलेगा बढ़ावा

जिला जनसंपर्क पदाधिकारी कन्हैया कुमार ने बताया कि यह आयोजन जिले में खेल भावना को प्रोत्साहित करेगा और उभरती हुई खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देगा। इस आयोजन से खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत होगी और वे राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपने जिले का नाम रौशन कर सकेंगे।

आयोजन स्थल की तैयारी अंतिम चरण में

राजेंद्र स्टेडियम को प्रतियोगिता के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। मैदान की साफ-सफाई, गोलपोस्ट और खिलाड़ियों के ठहराव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। आयोजकों का लक्ष्य प्रतियोगिता को पारदर्शी, सुरक्षित और उत्साहजनक बनाना है।

चाकू मार युवक की हत्या, जीवन और मौत से जूझ रहा सहोदर

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बारी टोला में चाकू मार एक युवक की हत्या कर दी गई है। चाकूबाजी में युवक का भाई गंभीर रूप से जख्मी है। मृतक की पहचान बारी टोला निवासी शंभू प्रसाद के पुत्र अविनाश कुमार (25) के रूप में की गई है। अविनाश ने मंगलवार की दोपहर इलाज के दौरान पटना में दम तोड़ दिया। मंगलवार की दोपहर करीब दो बजे पटना पुलिस, मुफस्सिल पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पर एसडीपीओ विवेक दीप पुलिस पदाधिकारियों के साथ जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। जांच के लिए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। मृतक के पिता शंभू प्रसाद ने बताया कि उनके घर की ढलाई होने वाली थी। रविवार की रात ढलाई से पूर्व बिजली मिस्त्री छत के सेंटरिंग में बिजली का पाइप डाल रहा था। उनके दोनों पुत्र अविनाश और राहुल छत पर थे। काम के दौरान आधी रात को मिस्त्री को गुटखा का तलब लगने पर राहुल कुमार (19) सड़क के दूसरे किनारे अपनी दुकान से गुटका लाने गया। जब वह दुकान पर गया तो देखा कि उसके गांव का एक युवक सोनू उर्फ संजीव चोरी की नीयत से दुकान का ताला काट रहा है। राहुल को देखते ही सोनू ने उसपर चाकू चला दिया। चाकू उसके पेट में लगी। उसके चीखने पर उसका भाई अविनाश भी पहुंचा। तब सोनू ने उसके उपर भी वार कर दिया। जिससे अविनाश के बांह में लगी और उसका नश कट गया। चाकू से वार करने के बाद सोनू फरार हो गया। इलाज के लिए दोनों भाइयों को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। जीएमसीएच के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को पटना रेफर कर दिया। मुफस्सिल थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि मंगलवार की दोपहर पटना पुलिस ने घटना की सूचना दी। घटनास्थल की जांच की गई है। मामले की जांच हो रही है।

राजद का किसान न्याय सम्मेलन 18 अगस्त को पटना में

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। किसान न्याय यात्रा के सिलसिले में बेतिया पहुंचे राष्ट्रीय जनता दल किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चंदन यादव ने कहा है कि सरकार देश के किसानों को गुमराह कर रही है। सरकार की गलत नीतियों के कारण किसानों की हालत दिनों दिन खराब होती जा रही है और सरकार उन्हें सिर्फ आश्वासन दे रही है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए चंदन यादव ने कहा कि नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो किसानों की माली हालत सुधारने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री को बराबर पत्र लिखा करते थे। लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद वे किसानों को भूल गए हैं। किसानों से हमेशा झूठे वादा करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पुलिस अपराध पर पर्दा डालने के लिए किसानों को अपराधी बता रही है। इसके लिए मुख्यमंत्री को माफी मांगनी चाहिए और ऐसे बयान देने वाले एडीजी को तत्काल बर्खास्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव ने लोगों को 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने की बात कही थी। मुख्यमंत्री ने इसकी नकल कर 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा किया है। लेकिन यह काफी नहीं है। सरकार को उपभोक्ताओं को 200 यूनिट बिजली मुफ्त देनी चाहिए। श्री यादव ने कहा कि सूबे के किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए 18 अगस्त को पटना में किसान न्याय सम्मेलन की जानी है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि अधिक से अधिक किसान भाई इस सम्मेलन में शामिल हो। किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष इंद्रजीत यादव ने कहा कि सरकार किसानों को छल रही है। उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। हर जगह उनका शोषण हो रहा है। राजद किसानों का शोषण बर्दाश्त नहीं करेगी। पटना के किसान न्याय सम्मेलन में किसानों का हक दिलाने की रणनीति बनेगी। मौके पर किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष इंद्रजीत यादव, मुख्य प्रवक्ता प्रभु यादव, शत्रुघ्न प्रसाद, अमजद खान आदि मौजूद थे।

अवैध शराब और हथियार के साथ दो सगे भाई गिरफ्तार, भेजे गए जेल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।

नौतन (सीवान)। क्षेत्र के खलवां गांव से वायरल एक वीडियो ने पुलिस को सतर्क कर दिया। वीडियो में दो युवक अवैध अंग्रेजी शराब और हथियार के साथ दिख रहे थे। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस वीडियो को लेकर पुलिस ने स्वतः संज्ञान लिया और जांच में जुट गई। जांच में सामने आया कि वीडियो में दिख रहे दोनों युवक सगे भाई हैं, जो खलवां गांव निवासी विद्या यादव के पुत्र राजन यादव एवं विशाल यादव हैं। थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार ने बताया कि वीडियो की पुष्टि होने के बाद दोनों आरोपियों की पहचान कर उनके घर पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के क्रम में उनके पास से उत्तर प्रदेश निर्मित 6 पिस किंगफिशर ब्रांड की अंग्रेजी शराब बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा 2 लीटर है। साथ ही, हथियार की जानकारी को लेकर भी पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष ने यह भी कहा कि दोनों के खिलाफ अवैध शराब रखने और हथियार के साथ सार्वजनिक रूप से भय फैलाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजते हुए जेल भेज दिया गया है।

निर्धारित मूल्य पर किसानों को उपलब्ध कराएं यूरिया, शिकायत पर होगी करवाई

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रखंड कृषि सभागार में मंगलवार को उर्वरक निगरानी समिति की एक बैठक की गई। बैठक के दौरान बीडीओ सूरज कुमार सिंह ने कहा कि जो रेट निर्धारित है उसी रेट पर किसानों को यूरिया उपलब्ध कराएं। इसमें किसी प्रकार की शिकायत बर्दाश्त नही की जाएगी। वहीं नवागत अनुमंडल कृषि पदाधिकारी संतोष कुमार ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को कड़ा निर्देश दिया है की यूरिया निर्धारित रेट पर ही किसानों को दें। अगर कहीं से शिकायत मिली तो संबंधित दुकानदारों पर सीधे प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

उन्होंने कृषि कर्मियो की उपस्थिति में खाद की बिक्री कराने का निर्देश दिया है। बैठक में बीस सूत्री के अध्यक्ष रंजन ओझा ने किसानों को समय से खाद उपलब्ध नहीं होने व निर्धारित दर से अधिक राशि लेने के मामले को लेकर थोक विक्रेताओं एवं अधिकारियो की मिली भगत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज अन्नदाता परेशान है। उन्हें खाद के लिए घंटो लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। लेकिन उसे निर्धारित दर पर खाद उपलब्ध नही होता है। हालाकि उन्होंने नए जिला कृषि पदाधिकारी एवं अनुमंडल कृषि पदाधिकारी से इसमें सुधार करने की उम्मीद जताई। वही प्रमुख प्रतिनिधि चंदन कुमार साह ने कहा कि एक तो वर्षा नही होने के कारण किसान जैसे तैसे धान की रोपनी की है। जब उसे खाद की जरूरत थी तब महंगे दाम पर खाद लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि विभाग को चाहिए कि पहले ही यूरिया की उपलब्धता रखे। ताकि किसानों को समय से खाद उपलब्ध हो सके एवं उन्हें आर्थिक बोझ नहीं उठानी पड़े। इसके साथ ही विधायक प्रतिनिधि अनुज कुमार पाठक समेत अन्य ने बैठक में अपने अपने विचार रखे। वही बैठक के दौरान व्यवस्था का अभाव दिखा। कई उर्वरक विक्रेताओं खड़ा रहना पड़ा तो कई इधर उधर भटकते दिखे। इधर बैठक में उपस्थित उर्वरक विक्रेताओं ने कहा की बैठक तो बुलाई जाती है लेकिन पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था नही की जाती है। दुकानदारों ने अनुमंडल कृषि पदाधिकारी से एक स्वर में शिकायत किया कि उनसे खाद पहुंचाने के एवज में थोक विक्रेता भाड़ा वसूलते हैं। नहीं देने पर खाद भेजने से मना करते हैं। बैठक के उपरांत अनुमंडल कृषि पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि उर्वरक निगरानी समिति की बैठक की गई है। बैठक में यूरिया खाद को निर्धारित रेट 266.50 रुपये प्रति बैग किसान को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। अगर निर्धारित रेट से अधिक रुपये ली जाने की शिकायत मिलती है तो वैसे दुकानदार पर करवाई तय है। उन्होंने कहा कि भाड़ा को लेकर दुकानदारों ने शिकायत किया है। इसे वरीय अधिकारी को अवगत कराया जाएगा। बैठक में प्रशिक्षु बीएओ रोहित गौतम, बीस सूत्री अध्यक्ष रंजन ओझा, प्रमुख प्रतिनिधि चंदन कुमार साह, विधायक प्रतिनिधि अनुज पाठक समेत उर्वरक विक्रेता शामिल रहे। उधर बैठक में महज 80 खाद विक्रेता हीं उपस्थित रहे।

बिहार राज्य सहकारी बैंक लि. बना डीजी लॉकर से जुड़ने वाला उत्तर और पूर्वी भारत का पहला सहकारी बैंक

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने बिहार राज्य सहकारी बैंक लि. के मुख्यालय से बैंक के सभी ग्राहकों के लिए डीजी लॉकर की शुरूआत की।

सहकारिता मंत्री का संदेश

इस मौके पर सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने संबोधित किया और कहा कि सहकारी बैंक बिहार के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के सूचना पत्र का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर बिहार के सहकारिता मंत्री ने राज्य की जनता से अपील की और कहा कि बिहार राज्य सहकारी बैंकों से जुड़कर सभी आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का सुरक्षित रूप से लाभ उठाएँ एवं राज्य की प्रगति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। बिहार राज्य सहकारी बैंक, पटना ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह बैंक उत्तर और पूर्व भारत का पहला सहकारी बैंक बन गया है, जो भारत सरकार के डीजी लॉकर प्लेटफॉर्म से सफलतापूर्वक जुड़ गया है। इस पहल के तहत अब बिहार राज्य सहकारी बैंक लि. के खाताधारक टीडीएस प्रमाण पत्र, ब्याज प्रमाण पत्र और खाता विवरण जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों को कहीं से भी, कभी भी डिजिटल रूप में प्राप्त कर सकते हैं।

बिहार राज्य सहकारी बैंक लि डीजी लॉकर से जुड़ने वाला उत्तर और पूर्व भारत का पहला सहकारी बैंक बना है। बिहार राज्य सहकारी बैंक, पटना ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह उत्तर और पूर्व भारत का पहला सहकारी बैंक बन गया है, जो भारत सरकार के डीजी लॉकर प्लेटफॉर्म से सफलतापूर्वक जुड़ गया है।

डीजी लॉकर की शुरूआत

बिहार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार द्वारा पटना में इस सेवा का शुभारम्भ बिहार राज्य सहकारी बैंक लि. के मुख्यालय, पटना से किया गया` इस अवसर पर उन्होंने कहा- सहकारी बैंक राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। डीजी लॉकर से जुड़ने से बैंकिंग सेवाएं और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और सुलभ होंगी।

अब बिहार राज्य सहकारी बैंक लि. के खाताधारक टीडीएस प्रमाण पत्र, ब्याज प्रमाण पत्र और खाता विवरण जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों को कहीं से भी, कभी भी डिजिटल रूप में प्राप्त कर सकेंगे।

जनता से अपील

मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने राज्यवासियों से अपील की कि वे सहकारी बैंकों से जुड़ें और आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठाकर राज्य की प्रगति में भागीदार बनें।

आगे की योजना

मंत्री महोदय ने यह भी घोषणा की कि बिहार के सभी जिला केंद्रीय सहकारी बैंक लि. जल्द ही डीजी लॉकर प्लेटफॉर्म से जुड़ेंगे। इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

प्रमुख विशेषताएंः

खाता विवरण अब मोबाइल पर एक क्लिक में। ब्याज प्रमाण पत्र टैक्स फाइलिंग के लिए तुरंत डाउनलोड योग्य, एवं डीजी लॉकर प्रमाण पत्र अब सीधे डीजी लॉकर में उपलब्ध। बैंक के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह द्वारा इस परियोजना का सफलतापुर्वक नेतृत्व किया गया एवं उन्होंने कहा- हमारा उद्देश्य था कि हर खाताधारक को डिजिटल रूप से सशक्त बनाया जाए। डीजी लॉकर के माध्यम से हम ग्राहकों को एक सुरक्षित, तेज और भरोसेमंद सेवा प्रदान कर रहे हैं। यह सिर्फ एक तकनीकी एकीकरण नहीं है, बल्कि सहकारी बैंकिंग को भविष्य की दिशा में ले जाने का एक कदम है। हमने सुनिश्चित किया है कि डाटा सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे, और हर दस्तावेज की सत्यता स्वतः प्रमाणित हो सके।

प्रबंधन का मार्गदर्शन

बैंक के अध्यक्ष रमेश चंद्र चौबे ने कहा- हमारा लक्ष्य है कि सहकारी बैंकिंग को तकनीकी रूप से सशक्त बनाकर ग्रामीण और शहरी ग्राहकों को समान रूप से डिजिटल सेवाएं प्रदान की जाएं। डीजी लॉकर से जुड़ना इसी दिशा में एक बड़ा कदम है।

मिशन और विजन

मिशनः हर नागरिक को डिजिटल बैंकिंग की सुविधा देना, विशेषकर ग्रामीण और सहकारी क्षेत्रों में। **विजनः** भारत का अग्रणी डिजिटल सहकारी बैंक बनना, जो पारदर्शिता, सुरक्षा और नवाचार में अग्रणी हो।

पूर्व मुखिया के पिता बाबू रघु सिंह का निधन

इसुआपुर (सारण)नवबिहार टाइम्स संवाददाता। लौवा पंचायत के पूर्व मुखिया हरेंद्र सिंह के पिता बाबू रघु सिंह (सेवानिवृत्त बंगाल पुलिस जवान) का शनिवार देर रात निधन हो गया। निधन की खबर से गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

Affidavit

I hitherto known as Ashok Shiv Shankar Sharma s/o Shivshankar Baldev Sharma vill- Pakdi Mishrain P.S. Kateya P.O. Kateya Dist. Gopalganj Bihar PIN-841437 have changed my name and shall hereafter be known as TIRTHRAJ RAMLACHCHAN SHARMA SI 7060 dated 21.7.25

CMYK

राजनीतिक दलों ने दिया पूर्ण सहयोग का भरोसा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। विधानसभा आम चुनाव से पहले निर्वाचक सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में जोरशोर से तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में अनुमंडल कार्यालय, जहानाबाद में निर्वाचक सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक अनुमंडल पदाधिकारी-सह-निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, 216 जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र एवं भूमि सुधार उप समाहर्ता-सह-निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, 217 घोसी विधानसभा क्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुई।

बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य निर्वाचक सूची के पुनरीक्षण कार्य में

सभी राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। निर्वाचन पदाधिकारियों ने प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे स्वयं तथा अपने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) के माध्यम से पुनरीक्षण कार्य में पूर्ण सहयोग करें। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रवार तथा मतदान केंद्रवार मृत, स्थानांतरित और दोहरी प्रविष्टियों वाले मतदाताओं की अद्यतन सूची साझा की गई। साथ ही प्रत्येक बूथ पर अब तक अप्राप्त गणना प्रपत्रों की संख्या की जानकारी भी दी गई, ताकि राजनीतिक दल अपने स्तर से प्रपत्रों के संकलन में सहयोग कर सकें।

अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के साथ समन्वय बनाकर बीएलए की प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करना आवश्यक है, जिससे मतदाता सूची का कार्य समयबद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित रूप में संपन्न हो सके।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने निर्वाचन आयोग के इस अभियान में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और संगठनात्मक स्तर पर बीएलए को सक्रिय करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की बात कही।

हरियाली से आएगी खुशहाली : डॉ. शंभू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

ओबरा। विवेकानंद विज़न आइडियल पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा मंगलवार को आत्मोदय अभियान के तहत ओबरा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन परिसर, ओबरा पोस्ट ऑफिस परिसर सहित कई स्थानों पर बच्चों ने पौधारोपण कर लोगों के साथ पर्यावरण, मृदा संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छता और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर संवाद किया। स्टेशन परिसर में स्टेशन प्रबंधक उमेश कुमार और पोस्ट ऑफिस में पोस्टमास्टर वैद्यनाथ प्रसाद गुप्ता की उपस्थिति में पौधारोपण किया गया। इस दौरान

पूर्व स्टेशन प्रबंधक अरविंद कुमार सिंह ने भी पौधा लगाकर बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरुकता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों अखिलेश शर्मा, कुमारी सुमन और नित्यानंद कुमार ने भागीदारी की। विद्यालय प्रबंधन की ओर से छात्रों को 100 पौधे वितरित किए गए, जिन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प भी दिलवाया गया। विवेकानंद ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के निदेशक डॉ. शंभूशरण सिंह ने कहा बच्चे आत्मोदय अभियान के माध्यम से समाज से सीधे जुड़कर पर्यावरणीय मुद्दों पर संवाद कर रहे हैं। उधर, डालमियानगर महिला कॉलेज में स्वामी विवेकानंद की पुण्य स्मृति में महिला उत्थान और विवेकानंद विचार विषय पर भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

तेज रफ्तार ऑटो की टक्कर से चिकित्सक गंभीर रूप से घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। शहर के शाहपुर मोहल्ला स्थित राम लखन सिंह यादव कॉलेज के समीप सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ऑटो की टक्कर से सदर अस्पताल के चिकित्सक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल चिकित्सक की पहचान डॉक्टर खालिद राजा के रूप में हुई है, जो रफीगंज से बाइक पर सवार होकर ड्यूटी के लिए सदर अस्पताल जा रहे थे। डॉ. खालिद राजा ने बताया कि वे कामा बिगहा मोड़ होते हुए यादव कॉलेज की ओर से गुजर रहे थे, तभी कॉलेज के समीप एक तेज रफ्तार ऑटो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वे सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद ऑटो चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल चिकित्सक को तत्काल सदर अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल उनकी स्थिति खतरे से बाहर है। घटना की सूचना मिलते ही सदर अस्पताल के अन्य चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मी अस्पताल पहुंचे और घायल चिकित्सक का हालचाल जाना। डॉक्टर खालिद ने बताया कि स्वस्थ होने के बाद वे नगर थाना में ऑटो चालक के खिलाफ लिखित आवेदन देंगे। साथ ही उन्होंने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की मांग की है, ताकि फरार चालक की पहचान हो सके।

शिक्षा को नई दिशा देने आगे आए नए प्रधानाध्यापक

तीन स्कूलों में बीपीएससी चयनित शिक्षकों ने संभाला कार्यभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले के विभिन्न प्रखंडों में मंगलवार को शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम देखने को मिला। बिहार लोक सेवा आयोग से चयनित तीन प्रधानाध्यापकों ने अपने-अपने विद्यालयों में विधिवत योगदान दिया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

अंबा में विनय कुमार गुप्ता बने बैंराव विद्यालय के प्रधानाध्यापक

प्रखंड के प्लस टू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बैंराव में विनय कुमार गुप्ता ने प्रधानाध्यापक पद का कार्यभार संभाला। उनके स्वागत में विद्यालय में एक समारोह आयोजित किया गया, जिसमें प्रखंड प्रमुख धर्मेंद्र कुमार सहित कई शिक्षक, छात्र और ग्रामीण उपस्थित थे। प्रमुख ने श्री गुप्ता की नियुक्ति को शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक सुधार की दिशा में अहम कदम बताया। डॉ. गुप्ता इससे पहले उच्च विद्यालय बैजाबीघा, कुटुंबा में सामाजिक विज्ञान शिक्षक के रूप में दस वर्षों तक सेवा दे चुके हैं। वे यूनेस्को से प्रशिक्षण प्राप्त राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर भी रहे हैं और उन्हें विवेकानंद शिक्षा सम्मान से नवाजा जा चुका है।

मदनपुर प्रखंड के दो विद्यालयों में भी नए प्रधानाध्यापक पदस्थापित

मदनपुर प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, सोन्डीह में जय गणेश यादव ने प्रधानाध्यापक पद का कार्यभार ग्रहण किया, वहीं उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, एरकी कला में अरुण कुमार राम ने योगदान दिया।

मलहद-साव बिगहा के बीच वर्षों से अधूरी पड़ी सड़क

विधायक बोले– टेंडर हो चुका है, जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोह (औरंगाबाद)। गोह प्रखंड अंतर्गत मलहद और साव विगहा गांवों को जोड़ने वाली सड़क पिछले कई वर्षों से अधूरी पड़ी है। करीब 300 मीटर लंबा यह कच्चा मार्ग ग्रामीणों की परेशानी का कारण बना हुआ है। बरसात में जहां यह रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है, वहीं गर्मी में धूल उड़ती रहती है, जिससे लोगों को आने-जाने में भारी कठिनाई होती है। स्थानीय ग्रामीणों में इसको लेकर गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग के निर्माण की मांग कई बार जनप्रतिनिधियों से की जा चुकी है। कई विधायक आए और

गए, पर सड़क की स्थिति आज भी वैसी की वैसी है, एक ग्रामीण ने नाराजगी जताते हुए कहा। सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने वर्तमान विधायक भीम यादव से संपर्क किया। जब इस मुद्दे पर विधायक से दूरभाष पर बात की गई, तो उन्होंने कहा मलहद-साव बिगहा सड़क का टेंडर हो चुका है। बहुत जल्द निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द से जल्द सड़क का निर्माण नहीं हुआ, तो वे सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। इस मार्ग से रोजाना स्कूल जाने वाले बच्चे, किसान, वृद्ध और महिलाएं गुजरते हैं। जनता की बुनियादी सुविधाओं से जुड़ा यह मुद्दा एक बार फिर सवाल खड़ा कर रहा है कि विकास की रफ्तार कब इन गांवों तक पहुंचेगी।

जहानाबाद जिला परिषद की खाली जमीन पर बनेंगे विवाह भवन और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स : डीडीसी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जिले के विकास को लेकर प्रशासन ने कई बड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जिले की उप विकास आयुक्त डॉ. प्रीति ने बताया कि जिला परिषद की खाली जमीन पर विवाह भवन, दुकान और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जैसी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए योजना तैयार की गई है। इससे लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और स्थानीय स्तर पर सुविधाएं भी बढ़ेंगी। प्रशासनिक स्वीकृति और धन आवंटन के बाद इस योजना पर तेज़ी से काम शुरू होगा। डॉ. प्रीति ने बताया कि मनरेगा योजना के तहत इस वर्ष जिले में 2 लाख 11 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पिछले वित्तीय वर्ष में यह लक्ष्य 1 लाख 93 हजार पौधों का था। इस बार

प्रशासन ने लक्ष्य को और बढ़ाते हुए जिले में वन आच्छादन 21 प्रतिशत तक ले जाने का प्रयास शुरू किया है, जो राज्य सरकार के तय मानक से 4 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भी काम हो रहा है, लेकिन कई बार लाभार्थी पहली किस्त की राशि मिलने के बाद मकान का निर्माण कार्य शुरू

रोजगार के बढ़ेंगे अवसर पौधारोपण और आवास योजना में भी तेजी

नहीं कर पाते। इसकी वजह आर्थिक कमजोरी और जागरूकता की कमी होती है। कई लोग योजना की राशि का उपयोग किसी और काम में कर लेते हैं। ऐसे में विभाग की ओर से लाभार्थियों से संपर्क कर उन्हें मकान निर्माण के लिए प्रेरित किया जाता है। आवास योजना में बिचौलियों की भूमिका पर भी डॉ. प्रीति ने स्पष्ट कहा कि राशि सीधे लाभार्थियों के खाते में जाती है। यदि फिर भी कोई व्यक्ति कमीशन के नाम पर पैसे की मांग करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि श्रावणी मेले के बाद अपूर्ण आवासों को पूरा करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिले में विकास कार्यों में धन के असमान आवंटन के सवाल पर डॉ. प्रीति ने कहा कि जिला परिषद एक स्वायत्त निकाय है और योजनाओं का निर्धारण उसका बोर्ड करता है। फिर भी सभी क्षेत्रों में बराबर अनुपात में राशि आवंटित हो, यह प्रयास किया जाना चाहिए। प्रशासन की भूमिका योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित रहती है। योजनाओं के दोहराव और गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने माना कि विभाग में सक्षम कर्मियों की कमी के कारण कई बार कार्य प्रभावित होता है, लेकिन इसके बावजूद लगातार अनुश्रवण किया जा रहा है ताकि योजनाएं समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरी हों। यदि एक ही कार्य को दो अलग-अलग योजनाओं में शामिल करने की बात सामने आती है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। हुलासगंज प्रखंड में जिला परिषद की लगभग 20 एकड़ जमीन और पुराने प्रखंड कार्यालय के उपयोग को लेकर डॉ. प्रीति ने कहा कि वे हाल ही में जिले में योगदान दी हैं और इस मामले को अगली जिला परिषद की बैठक में रखकर उचित निर्णय लिया जाएगा। उप विकास आयुक्त ने कहा कि जिले के समावेशी विकास के लिए प्रशासन लगातार काम कर रहा है। चाहे वह वृक्षारोपण हो, आवास निर्माण हो या व्यावसायिक गतिविधियों के लिए आधारभूत संरचना का विकास–सभी मोर्चों पर योजनाएं बनाई जा रही हैं ताकि जहानाबाद का चहुंमुखी विकास हो सके।

गोह विधानसभा के विभिन्न गांवों का दौरा कर जनसमस्याएं सुनीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा (औरंगाबाद)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं गोह के पूर्व विधायक मनोज शर्मा ने रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के हसपुरा मंडल अंतर्गत विभिन्न गांवों–डिहुरी, मठिया, पिरु और गवसपुर–का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और हरसंभव समाधान का भरोसा दिलाया। पूर्व विधायक श्री शर्मा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा आपका आशीर्वाद मिला तो जनहित से जुड़ी हर समस्या के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम करूंगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने गांव, गरीब और किसान के विकास को प्राथमिकता दी है और यही दिशा आगे भी जारी रहेगी। दौरे के दौरान श्री शर्मा बूथ अध्यक्ष मृत्युंजय यादव के पिता के

ब्रह्मभोज कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से भेंट कर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा जिला महामंत्री अमन कुशवाहा, वरिष्ठ कार्यकर्ता अनिल आर्य, हसपुरा दक्षिणी मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा, मंटू शर्मा, उत्तरी मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत मुन्ना, मंडल उपाध्यक्ष चितरंजन सिंह, सुरेश आर्य, वैश्य समाज संयोजक वीरेंद्र कुमार, नंदन यादव, दिलीप शर्मा, नंदु चौधरी, धर्मेंद्र चौधरी, संतोष कुमार (सिपाही जी), संतोष बैठा, रामाकांत बैठा, राकेश कुमार समेत दर्जनों ग्रामीण और कार्यकर्ता मौजूद रहे। श्री शर्मा के दौरे से स्थानीय कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों में उत्साह देखा गया। लोगों ने उनके नेतृत्व में विकास की उम्मीद जताई।

मगही साहित्य के पुरोधा रामविनय शर्मा 'विनय' नहीं रहे, साहित्य जगत में शोक की लहर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। प्रगतिशील मगही साहित्य के वरिष्ठ कवि एवं गीतकार रामविनय शर्मा 'विनय' का 86 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। वे जहानाबाद जिले के अलगना गांव निवासी थे। उनके निधन की सूचना मिलते ही मगही साहित्य जगत में शोक की लहर दौड़ गई। साहित्यप्रेमियों के बीच शोक और स्तब्धता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने 19 जुलाई की मध्यरात्रि अपने पैतृक निवास पर अंतिम सांस ली। 20 जुलाई को उनका पार्थिव शरीर फतुहा गंगा तट पर पंचतत्व में विलीन किया गया। डॉ. शर्मा को मगही भाषा का पुरोधा माना जाता था। उन्होंने राज्य से बाहर भी मगही साहित्य को पहचान दिलाने के लिए लंबा संघर्ष किया। उनके निधन पर गया कॉलेज के पूर्व अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. के. के. नारायण ने हुलासगंज में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि रामविनय बाबू जीवन के अंतिम क्षणों तक पूरी तरह स्वस्थ थे। विवेकानंद केंद्र जहानाबाद के संयोजक डॉ. अनिल कुमार ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पांच दशकों से अधिक समय तक रामविनय शर्मा की कविताओं की गूंज मगही कवि सम्मेलनों के मंचों से होती रही। डॉ. के. के. नारायण ने एक संस्मरण साझा करते हुए बताया कि मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के मगही विभागाध्यक्ष डॉ. भरत सिंह द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में बिजली गुल होने के बाद भी रामविनय बाबू ने माइक के बिना ही प्रभावशाली काव्य पाठ किया था। उन्होंने कहा था–सर, दस हजार तक के श्रोताओं के लिए मुझे माइक की जरूरत नहीं होती। उनकी कविता टप-टप चूअ हइ छपरिया हो, हम तो कर ही मजूरिया सुनकर पूरा सदन तालियों से गूंज उठा था।

गोह में आज सात घंटे तक बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोह (औरंगाबाद)। प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र में बुधवार को हाईटेंशन लाइन के केबल शिफ्टिंग कार्य के कारण सात घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। यह कार्य एसबीआई बैंक से लेकर सरकारी अस्पताल तक किया जाना है। जानकारी देते हुए कनीय अभियंता सूरज कुमार ने बताया कि गोह टाउन फीडर से जुड़े छह ट्रांसफार्मर–विशेषकर न्यू एरिया और गोलापर क्षेत्र–की बिजली आपूर्ति सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक पूरी तरह ठप रहेगी। इस दौरान संबंधित इलाकों के उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे आवश्यक कार्य पूर्वाह्न 10 बजे से पहले निपटा लें, ताकि असुविधा से बचा जा सके। विभाग द्वारा कार्य को निर्धारित समय में पूरा करने का प्रयास किया जाएगा ताकि जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल की जा सके।

संस्कृत शिक्षा के नवाचार और विकास की दिशा में बिहार ने बढ़ाया कदम

बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. मृत्युंजय कुमार झा का तीन दिवसीय ओडिशा दौरा, शंकराचार्य और शिक्षा मंत्री से हुई महत्वपूर्ण भेंट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। बिहार में संस्कृत शिक्षा को जनसामान्य तक पहुंचाने, आधुनिक संदर्भों से जोड़ने और नई पीढ़ी में इसकी स्वीकार्यता बढ़ाने के उद्देश्य से बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. मृत्युंजय कुमार झा ने ओडिशा का तीन दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पुरी में शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती से भेंट कर बिहार में संस्कृत के पुनर्जागरण हेतु चल रहे प्रयासों की जानकारी दी और मार्गदर्शन प्राप्त किया। डॉ. झा ने बताया कि बिहार में संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की दिशा में कई योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं, जिनमें गुरुकुल शिक्षा प्रणाली की वापसी, पाठ्यक्रम का समसामयिक संशोधन, नई वेबसाइट का निर्माण और आम जनता में संस्कृत के प्रति रुचि जगाने के लिए संवाद अभियान शामिल हैं। शंकराचार्य ने इन प्रयासों की सराहना करते हुए इसे समाजोपयोगी चिंतन बताया और कहा कि संस्कृत के उत्थान के लिए ऐसे प्रयास ही भारत को फिर से ज्ञान की भूमि बना सकते हैं। अपने दौरे के दूसरे दिन डॉ. झा ने ओडिशा के स्कूल एवं जन शिक्षा मंत्री श्री नित्यानंद गॉड से भी मुलाकात की। उन्होंने बिहार सरकार की ओर से संस्कृत शिक्षा को लेकर की जा रही पहलों की विस्तृत जानकारी दी और ओडिशा सरकार से आग्रह किया कि वहां के विद्यालयों में संस्कृत को अनिवार्य

विषय के रूप में पढ़ाया जाए। इस मुलाकात में दोनों राज्यों के बीच शैक्षिक सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। डॉ. झा का यह दौरा केवल पारंपरिक शिक्षा तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने भुवनेश्वर स्थित निफ्ट (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी) के निदेशक राकेश कुमार झा के साथ विशेष बैठक कर संस्कृत और फैशन डिज़ाइनिंग के बीच अंतर्संबंधों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने बताया कि भारत की पारंपरिक परिधान शैली–जैसे साड़ी, धोती, उत्तरीय आदि–का मूल संस्कृत से जुड़ा हुआ है और हमारे प्राचीन ग्रंथों में इनका विस्तार से वर्णन मिलता है। डॉ. झा ने यह भी बताया कि वर्तमान में कई फैशन ब्रांडों ने अपने उत्पादों में संस्कृत शब्दों का प्रयोग शुरू किया है, जिससे यह भाषा आधुनिक संदर्भों से भी जुड़ रही है। उन्होंने कहा संस्कृत केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि संस्कृति, शिल्प और अभिव्यक्ति का भी स्रोत है। इसे फैशन जैसी विधाओं से जोड़ने से हमारी सांस्कृतिक जड़ों को नवाचार के साथ जोड़ा जा सकता है। संस्कृत विद्यालय शिक्षक संघ के मगध प्रमंडलीय अध्यक्ष डॉ. एस.के. सुनील ने डॉ. झा के इस दौरे को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि संस्कृत और नवाचार का यह समागम शिक्षा जगत में एक नई क्रांति ला सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि निफ्ट और बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के बीच भविष्य में ठोस सहयोग स्थापित हो सकता है।

भूमि विवाद में रिटायर्ड जमादार समेत दो सगे भाई लहूलुहान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के विशंभरपुर गांव में सोमवार देर रात भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई, जिसमें एक पक्ष के रिटायर्ड जमादार समेत दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान 62 वर्षीय सुरेश यादव और 60 वर्षीय अर्जुन यादव के रूप में की गई है। दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों ने बताया कि काफी समय से पाटीदारों के बीच भूमि को लेकर विवाद चला आ रहा था। सोमवार को दिन में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो उस समय तो शांत हो गई, लेकिन देर रात

विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। अर्जुन यादव जब अपने बीमार मवेशी को दवा देकर लौट रहे थे, तभी रास्ते में घात लगाकर उन पर लाठी-डंडे से हमला किया गया। शोर सुनकर बड़े भाई सुरेश यादव बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो हमलावरों ने उन्हें भी नहीं बख्शा और बुरी तरह पीट दिया।

घायलों ने उपेंद्र यादव, महेंद्र यादव, छोटू यादव, अमित यादव, शशि यादव, सुमित यादव और गुड्डू यादव पर जानलेवा हमले का आरोप लगाया है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

मुफस्सिल थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। पीड़ित पक्ष की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। मामले की गहन जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि विवाद से जुड़े घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे शांति-व्यवस्था पर असर पड़ रहा है। प्रशासन ने भी ऐसे मामलों को गंभीरता से लेने की बात कही है।

करंट लगने से मवेशी की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा (औरंगाबाद)। प्रखंड क्षेत्र के यदु बिगहा गांव के पास मंगलवार को करंट लगने से एक गाय की दर्दनाक मौत हो गई। घटना सर्वेश सिंह के बागीचे के समीप स्थित मुर्गी फार्म के पास की है। बताया गया कि दस दिन पूर्व आए आंधी-तूफान में बिजली का तार टूटकर जमीन पर गिर गया था। तार में लगातार करंट प्रवाहित हो रहा था। मंगलवार को चरते समय सोहर बिगहा निवासी दिनेश सिंह की गाय उस तार की चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पशुपालक ने हसपुरा थाना को लिखित सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच की।

सातवीं शताब्दी का नंदेश्वर नाथ महादेव मंदिर बना श्रद्धा का केंद्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जिले के हुलासगंज प्रखंड अंतर्गत दावथू गांव में स्थित नंदेश्वर नाथ महादेव मंदिर ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर पूरब और हुलासगंज से 4 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह प्राचीन शिव मंदिर सातवीं शताब्दी का बताया जाता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग की स्थापना राक्षसराज बाणासुर ने की थी। बाद में पाल वंश के प्रतापी शासक धर्मपाल ने मंदिर का पुनर्निर्माण कराया। पत्थरों की सुंदर नक्काशी और गुंबदनुमा संरचना इसे कला का

अद्भुत नमूना बनाती है। मंदिर में स्थापित शिवलिंग को मनोकामना पूर्ण करने वाला माना जाता है। श्रावण मास में इस मंदिर की महिमा और भी बढ़ जाती है। श्रद्धालु फतुहा से कांवर यात्रा कर गंगाजल लाते हैं और नंदेश्वर नाथ का जलाभिषेक करते हैं। यहां सावन भर अखंड ज्योति जलती रहती है और शिवरात्रि

पर बड़ी संख्या में महिलाएं भगवान शिव की पूजा-अर्चना करती हैं।

मंदिर के 75 वर्षीय पुजारी मंगलानंद पाठक बताते हैं कि यह शिवलिंग केवल प्राचीन नहीं, बल्कि लोगों की आस्था और सुरक्षा का प्रतीक भी है। उनका मानना है कि विपत्ति के समय में भगवान शिव इस क्षेत्र के लोगों की रक्षा करते हैं। वहीं, स्थानीय श्रद्धालु धर्मवीर पाठक कहते हैं कि यह स्थल आध्यात्मिक और ऐतिहासिक अवलोकन का केंद्र है, जहां हर व्यक्ति की भावनाएं गहराई से जुड़ी हैं। मंदिर के रखरखाव की जिम्मेदारी गांव की एक कमेटी निभा रही है। हालांकि, पर्यटन विभाग द्वारा इसे विकसित करने की योजना कई वर्षों से लंबित है और अब तक ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

नंदेश्वर नाथ मंदिर आज भी पूर्वजों की भक्ति, स्थापत्य कला और लोकविश्वास का प्रतीक बना हुआ है। जरूरत है तो बस सरकारी संरक्षण और विकास की, ताकि यह मंदिर आने वाली पीढ़ियों को भी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ सके।

कमलेश हत्याकांड में लल्लू मुखिया की संपत्ति कुर्क

घर हुआ पुलिस छावनी में तब्दील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बाढ़। बाढ़ पुलिस ने नालंदा निवासी कमलेश हत्याकांड में कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देश के आधार पर स्थानीय गुलाबबाग में बाढ़ विस के पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी एवं लोहिया जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्णवीर सिंह यादव उर्फ लल्लू मुखिया की संपत्ति को कुर्क किया गया। इस दौरान काफी संख्या में मुखिया के समर्थक भी मौके पर मौजूद थे। वहीं दूसरी तरफ परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। इसमें पूरे अनुमंडल के पुलिस कर्मियों को संभावित टकराव से निपटने के लिए तैनात किया गया था। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित आठ थानाध्यक्ष, कई इंस्पेक्टर, दारोगा और सिपाही इस टीम में शामिल थे। अनुमंडल प्रशासन के द्वारा दंडाधिकारी के रूप में अंचल अधिकारी बाढ़ को तैनात किया गया था। करीब 4 घंटे तक कार्रवाई चली जिसमें पुलिस ने ड्रिल मशीन से मेन गेट तोडा और मुखिया के कमरे का सामान कुर्क किया। कई बार जमीन और प्रॉपर्टी स्वामित्व को लेकर मुखिया के अन्य पार्टनरों के साथ पुलिस कर्मियों की बहस भी हुई। कार्रवाई के दौरान कमलेश हत्याकांड के दोनों गवाह मौके पर मौजूद होकर कार्रवाई को गलत बताया। दूसरी तरफ राष्ट्रीय जनता दल के प्रधान महासचिव राजू प्रसाद चंद्रवंशी ने बयान जारी कर कहा कि हत्याकांड में गवाह को बरगला कर पुलिस ने राजनीतिक मंशा से कोर्ट में लल्लू मुखिया के खिलाफ बयान दर्ज कराया है ताकि वह विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ सकें। जबकि दोनों मुख्य गवाह पुलिस जांच और कार्रवाई का साफ विरोध कर रहे हैं। इस मामले को लेकर कोर्ट और वरिष्ठ पुलिस पदाधिकारी को भी जांच के लिए आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गई थी। पूरे तथ्यों को दरकिनार कर पुलिस ने एक तरफा कार्रवाई की है। पार्टी इस कार्रवाई को कोर्ट में ले जाएगी।

अस्पताल रोड में युवक का शव मिलने से सनसनी

पुलिस कर रही मामले की जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। मसौढ़ी थाना क्षेत्र के अस्पताल रोड स्थित मंगलवार की अहले सुबह बीच सड़क पर शव मिलने से पुरे इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जाता है की रात्रि गश्ती पुलिस पार्टी को बीच सड़क पर शव मिला था। मौके पर पुलिस पहुंची उस वक्त सांसे चल रही थी लेकिन अनुमंडल अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। मृतक की पहचान पवन कुमार पिता अवध किशोर सिंह (30 वर्ष) शाहपुर गढ़ी उत्तर पश्चिमी दिल्ली का बताया जाता है। सूचना मिलते ही मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नभ वैभव भी अपनी पूरी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि मृतक के पैकेट से आधार कार्ड मिला है और उसके शरीर पर टायर का निशान है ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कोई वाहन इस पर चढ़ाकर पार कर गया है, जिससे इसकी मौत हो गई है। पूरे मामले की छानबीन की जा रही है। वही अनुमंडल कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम में सीसीटीवी फुटेज देखा गया है जहां पर देर रात सड़कों पर आते जाते हुए दिखा है, इससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कोई वहान के थक्के से उसकी मौत हुई है। हालांकि अभी भी कई बिंदुओं पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर दिल्ली का रहने वाला व्यक्ति मसौढ़ी कैसे पहुंचा और मसौढ़ी कौन लाया, किसके यहां आया।

बहरहाल पूरे मौत की गुत्थी सुलझाने में पुलिस जुटी हुई है इसके अलावा पूरे मोहल्ले में उसे युवक का शव मिलने से कई तरह की चर्चाएं हो रही है। हालांकि उसके पैकेट से मिले हुए आधार कार्ड से पूरे मामले की जांच की जा रही है।

डीएसपी पंकज कुमार को दी गयी विदाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दनियावां (पटना)। डीएसपी पंकज कुमार के विदाई समारोह का आयोजन दनियावां में किया गया। प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक सह बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन पटना के महासचिव गांधीवादी प्रेम जी ने अंगवस्त्र, बुके एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उन्होनो बताया कि डीएसपी के रूप में पंकज जी का कार्यालय उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने अपनी कार्यशैली से लोगो के दिल मे जगह बनाया है। पुलिस की सेवा एक तपस्या है रात दिन हर मुसीबत में लोगों के साथ मदद के लिए इसमें ततपर रहना पड़ता है। वहीं लाइफ लाइन ऑक्सीज़न बैंक के सचिव शिशुपाल कुमार ने कहा कि पंकज जी हमेशा याद आयेंगे। मौके पर क्राइम रिपोर्टर सुरजीत कुमार, अंकित कुमार, रवि कुमार मौजूद रहे।

देवी स्थान काली मंदिर में खप्पड़ पूजा को लेकर बैठक

3 को निकलेगी माता की डाली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलवारीशरीफ। श्री श्री देवी स्थान काली मंदिर, संगत पर में खप्पड़ पूजा की तैयारी को लेकर मंदिर प्रांगण में एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता पुजारी जीत मोहन पंडित ने की. बैठक में पूजा की रूपरेखा तय की गई तथा विभिन्न जिम्मेदारियों का वितरण किया गया। खप्पड़ पूजा 3 अगस्त 2025 को आयोजित की जाएगी, जबकि देवी पूजा की विधिवत शुरुआत 25 जुलाई 2025 से होगी। पूजा स्थल पर परंपरा अनुसार डाली (खप्पड़) निकालने, मटकोड़, जागरण, हवन एवं विसर्जन कार्यक्रम सम्पन्न किए जाएंगे। देवेंद्र प्रसाद ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पूजा विधि का संचालन संतोष बाबा एवं कृष्णा पांडे करेंगे। पूजा व्यवस्था में सहयोग हेतु राकेश साह एवं रॉकी गोस्वामी को सह-सहयोगी नियुक्त किया गया है। पूरे आयोजन की निगरानी और व्यवस्था के लिए गणेश चौधरी एवं हरेंद्र सिंह को सचिव बनाया गया है। जबकि पूजा व्यवस्था समिति में जीत मोहन पंडित, राकेश शाह, मुकुल कुमार, प्रेम चौधरी, रॉबिन एवं विक्की कुमार शामिल हैं। बैठक में स्थानीय श्रद्धालुओं और समिति सदस्यों ने खप्पड़ पूजा को भव्य और श्रद्धा-पूर्ण बनाने का संकल्प लिया। आयोजन की सफलता के लिए सभी से सहयोग की अपील की गई है। यह खप्पड़ पूजा सैकड़ों वर्षों से यहां निकलती आ रही है। इस परंपरा के तहत सबसे आगे मंदिर के पुजारी माता की डाली (खप्पड़) में हवन की अग्नि लेकर दौड़ते हैं, जबकि उनके पीछे-पीछे हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ माता के जयकारे लगाते हुए दौड़ती है। डाली मंदिर की परिक्रमा करते हुए फुलवारी शरीफ टमटम पड़ाव, मस्जिद चौक, गली, पेठिया बाजार, सदर बाजार, प्रखंड कार्यालय, पुरानी भट्टी मोड़ होते हुए पुनः मंदिर प्रांगण में पहुंचती है, जहां समापन होता है। बताया जाता है कि सैकड़ों वर्ष पहले पटना जिले में महामारी फैल गई थी। तब लोगों की जान बचाने के लिए मंदिर के तत्कालीन पुजारी झमेली बाबा को माता ने स्वप्न में दर्शन देकर यह उपाय बताया था कि हवन पूजन कर अग्नि को खप्पड़ में लेकर पूरे गांव-शहर की परिक्रमा की जाए। तभी महामारी का प्रकोप खत्म होगा। तभी से यह परंपरा लगातार चलती आ रही है और आज भी उतनी ही आस्था और श्रद्धा के साथ निभाई जाती

स्नान करने के दौरान पुनपुन नदी में डूबा युवक, तलाश में जुटी एसडीआरएफ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। पुनपुन थाना क्षेत्र के पैमार घाट के पास पुनपुन नदी में स्नान करने के दौरान मंगलवार की सुबह एक युवक की डुबने से मौत हो गई है। मृतक की पहचान पैमार घाट निवासी राहुल कुमार उम्र 35 वर्ष पिता विनय कुमार सिंह के रहने वाला हैं। बताया जाता है की मंगलवार की सुबह नदी में स्नान करने गया था जहां फिसल कर गहरे पानी में चला गया, लोगों ने डूबते हुए देखा तो काफी हो हल्ला किया और काफी खोज दिन की लेकिन कही नहीं पता चल पाया। पुनपुन थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची उसके बाद एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची है और सुबह से लेकर तकरीबन 12 घंटे के बाद भी अभी तक शव नहीं मिल पाई हैं।लगातार गोताखोर की टीम शव की तलाश मे जुटी है।

सत्येंद्र हत्याकांड में आरोपित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मसौढ़ी। मसौढ़ी के कोरियावां गढ़ में सत्येंद्र हत्याकांड में आरोपित लवकुश कुमार पिता बिट्टू कुमार को भदौरा गांव से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल यह घटना मसौढ़ी थाना क्षेत्र के कोरियावा गढ़ में 4 जुलाई को क्रिकेट खेलने को दौरान हुए आपसी विवाद में गोलीबारी में घटना घटी थी जिसमें मृतक की पत्नी निर्मला देवी के बयान पर सात नामजद समेत अज्ञात पांच पर प्राथमिकी की दर्ज की गई थी, 7 नामजद में अब तक तीन लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। दो ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। बाकी बचे दो फरार अपराधीयो को लेकर पुलिस छापेमारी कर रही है। थानाध्यक्ष ने कहा कि दो लोग पुलिस की खौफ से रोशन, हैदर कोर्ट में सरेंडर कर दिए हैं। तीन लोग की गिरफ्तारी हो गई है दो और बचे हैं उनकी भी जल्द गिरफ्तारी हो जाएगी।

पूर्व की रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट आधा दर्जन जख्मी

बाढ़। थाना क्षेत्र के रहीम गांव में सोमवार की रात्रि पूर्व से चल रहे विवाद के बाद फिर से दो पक्षों के बीच पहले कहा सुनी हुई। फिर लाठी डंडे चलने लगे मारपीट की घटना में आधा दर्जन लोग जख्मी हो गए घायलों में 50 वर्षीय रीता देवी, 58 वर्षीय नीतीश कुमार, 31 वर्षीय मोनी देवी, 64 देवेंद्र कुमार, 35 वर्षीय विवेकानंद कुमार, और 60 वर्षीय गीता देवी जख्मी हो गई सभी को इलाज के लिए बाढ़ के अनुमंडल अस्पताल में भर्ती करवाया गया, पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पूर्व में भी मारपीट की घटना घटित हो चुकी है जिसको लेकर पूर्व में मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस का कहना है कि दोषियों पर हरसंभव कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाई मुहिम, 2 हजार जावा महुआ किया नष्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। ऑपरेशन देसी शराब छापेमारी के दौरान लहसुना पुलिस ने मंगलवार को लहसुन थाना क्षेत्र के गुरपततिचक चपौर बांध के पास वृहत पैमाने पर छापेमारी की जहां पर तकरीबन 2000 किलो जावा महुआ को नष्ट किया गया है, जहां शराब धंधेबाज जमीन के अंदर छोटे-छोटे ड्रम में गाड़कर महुआ और गुड़ सड़ा रहे थे। लगातार मिल रही शिकायतों को सत्यापन करते हुए लहसुना थानाध्यक्ष खुशबू खातून के नेतृत्व में गुरपतिचक चपौर बांध के समीप छापेमारी की गई जहां पर कई जगहों पर जमीन के अंदर गड़ा हुआ ड्रम से जावा महुआ को निकाल कर नष्ट किया गया है, इसके अलावा चुलाई शराब को भी नष्ट करते हुए दर्जनों शराब की भठ्ठीयों को तोड़ा गया। लहसुना थानाध्यक्ष खुशबू खातून ने बताया कि लहसूना थाना क्षेत्र में कई जगहों को शराब जोन चिन्हित किया गया है और वहां लगातार ऑपरेशन देसी शराब छापेमारी के दौरान भठ्ठीयां तोड़ते हुए शराब धंधेबाज के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। हालांकि मंगलवार को छापेमारी के दौरान धंधेबाज भाग निकले हैं, बावजूद जिन जिन घरों से शराब चुलाई नष्ट की गई है उन सबों को चिन्हित करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

स्कीम का झांसा देकर ठगी का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बाढ़। बाढ़ के स्टेशन रोड में स्थित एक मार्केट कांप्लेक्स के सर्राफा व्यापारी पर ग्राहकों को लाभकारी स्कीम का झांसा देकर लाखों रुपया ठगी करने का आरोप लगाया गया है। इसको लेकर ग्राहकों ने थाने में पहुंचकर सर्राफा व्यापारी पर कार्रवाई करने की मांग की है। ग्राहकों ने बताया कि ज्वेलरी की दुकान में आकर्षक स्कीम दिखाकर ठगी की जा रही थी। इस दौरान नदामा गांव निवासी महिला से 18 लाख रुपए, बरुवाने गांव निवासी गुड़िया देवी से 5 लाख संजय सिंह, परसामा से 1 लाख वसूले जाने की शिकायत पुलिस से की गई है। ठगी कई वर्षों से की जा रही थी। ग्राहकों से रुपए की ठगी करने के बाद ज्वेलरी देने के लिए टालमटोल किया जा रहा था।

अधिवक्ता संघ चुनाव को लेकर बढ़ी सरगर्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। अगामी 24 जुलाई को अधिवक्ता संघ का होने वाले चुनाव को लेकर अधिवक्ता संघ परिसर में सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव, सहायक सचिव, कोषाध्यक्ष समेत अन्य पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गयी है और अब प्रत्याशी अपने-अपने पक्ष में माहौल बनाने में जुट गए हैं। हर प्रत्याशी अधिवक्ताओं के बीच लगातार संपर्क कर रहे हैं और अपने एजेंडे व योजनाओं को सामने रखकर मतदाताओं को रिझाने की कोशिश कर रहे हैं. अधिवक्ता संघ में लंबे समय से सक्रिय वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ युवा अधिवक्ता भी इस बार मैदान में हैं जिससे मुकाबला दिलचस्प हो गया है। इस चुनावी माहौल में चाय दुकान से लेकर कचहरी परिसर तक चर्चा सिर्फ उम्मीदवारों की हो रही है.कई प्रत्याशी चुनाव जीतने के बाद संघ के आधुनिकीकरण, अधिवक्ताओं के लिए वेलफ़ेयर फंड, पुस्तकालय विस्तार और वरिष्ठ व कनिष्ठ अधिवक्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाने का वादा कर रहे हैं खासकर इसबार के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए 7 उम्मीदवारों के बीच जबरदस्त टक्कर देखी जा रही है। अध्यक्ष पद पर नंद किशोर शर्मा व निवर्तमान अध्यक्ष मिथिलेश कुमार यादव के बीच कंाटे की टक्कर देखी जा रही है। वही महासचिव पद के 3 उम्मीदवारों के बीच जबरदस्त टक्कर देखी जा रही है. जिसमें पूर्व महासचिव अनिल कुमार सिंह और राज कुमार के बीच कंाटे की टक्कर देखा जा रहा है। इसबार के चुनाव में जहां युवा चेहरे के साथ अनुभवी अधिवक्ता भी मैदान में हैं।

करोड़ों की लागत से बना पंचायत सरकार भवन खंडहर में तब्दील

हासाडीह में सात वर्ष पहले बना था पंचायत सरकार भवन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना मिनी सचिवालय की एक तस्वीर यह भी देखिए जो उद्घाटन हुआ नही और अब खंडहर मे तब्दील हो गया है। मसौढी के हांसाडीह स्थित योजना एवं विकास विभाग के द्वारा बिहार पंचायत शुद्धिकरण परियोजना के अंतर्गत एक करोड़ 36 लाख की राशि से 1,8 2018- 19 में पंचायत सरकार भवन बनाया गया था,लेकिन अब बना हुआ पंचायत सरकार भवन बेकार साबित हो रहा है। जो भवन बनने के बाद से भी आज तक पंचायतवासियों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। उद्घाटन से पहले ही खंडहर में तब्दील हो चुका है।दरअसल भवन नहीं खुलने के कारण अंदर व बाहर में कचरे का अंबार बन चुका है। दिवाल और खिड़कियां टूटने लगी है। गौरतलब है की जिस वक्त यह पंचायत भवन बना था उस वक्त वह भदौरा पंचायत में स्थित था, लेकिन 2023 में यह नगर परिषद के अधीन हो गया, ऐसे में बिहार सरकार की यह महत्वकंाक्षी योजना धरातल पर नहीं उतर पाई प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचायत सरकार भवन का निर्माण करा कर एक ही छत के नीचे पंचायत का सभी विभाग का कार्यालय खोलना मुख्य उद्देश्य था। मुखिया का चैंबर, सरपंच के लिए न्याय का सभागार, पंचायत सचिव, राजस्व कर्मचारी का कार्यालय, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास सहायक, किसान सलाहकार आदि का कार्यालय पंचायत सरकार भवन में स्थापित कर लोगों को एक ही छत के नीचे सभी सुविधा उपलब्ध कराना उद्देश्य था। लेकिन पंचायत सरकार का निर्माण के बाद से आज तक चालू नहीं होने से लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। वार्ड पार्षद चंचला कुमारी ने सरकार से मांग किया है कि जल्द ही इसे वार्ड के अधीन हस्तांतरित कर दिया जाए ताकि आम जनता को इससे लाभ मिल सके।स्थानीय लोगो मे कारू सिंह अमरेंद्र कुमार ,प्रेमचंद साहनी, मुकेश कुमार, मुक्कू, ओमप्रकाश पासवान, भोला चौधरी, सोनी देवीस अनीता देवी, ममता देवी ने बताया कि जिस उद्देश्य सरकार ने करोड़ों रुपए खर्च कर इतनी अच्छी बिल्डिंग बनाई थी वह अब किसी काम का नहीं रह गये।इस पूरे मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभाकर कुमार ने कहा कि जल्द ही उसे नगर परिषद के अधीन हस्तांतरित कर दिया जाएगा ताकि आम जनता को इससे लाभ मिल सके।

चोरी की बाइक के साथ एक युवक गिरफ्तार

दानापुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मंगलवार को सगुना मोड पर यातायात पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक चोरी के बाइक के साथ एक चोर को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार दीपक कुमार राय ब्रह्मचारी मनेर निवासी है। गिरफ्तार दीपक व चोरी का बाइक दानापुर पुलिस को सौंप दिया गया है। सगुना मोड यातायात प्रभारी मिसर कुमार शर्मा ने बताया कि सगुना मोड पर वाहन चेकिंग अभियान के दौरान पटना की ओर से आ रही एक बाइक पुलिस को देखकर भागने लगा तो ट्राफिक पुलिस ने खदेड कर पकड़ा। जब गाडी का कागजात मांगा गया तो नही दिया। जांच पड़ताल किया गया तो गाड़ी चोरी की थी। उन्होंने बताया कि पाटलिपुत्र थाना में बाइक चोरी का मामला दर्ज है।

एक नजर

चोरी एवं आर्म्स एक्ट मामले में दो गिरफ्तार

मसौढ़ी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। भगवानगंज थाना क्षेत्र के नरहट मुसहरी से चोरी एवं आर्म्स एक्ट मामले में दो लोगों के गिरफ्तार किया गया है। जिसमें नरहट मुसहरी गांव के धर्मेंद्र मांझी पिता छोटन मांझी, छोटन मांझी पिता स्वर्गीय पुना मांझी है। थानाध्यक्ष सुजीत कुमार ने बताया कि भगवानगंज थाना के नरहट गांव में वर्ष 2009 में किसी आपसी विवाद में दो गुटों में जमकर हिंसक झड़प हुई थी फायरिंग की घटना हुई थी इस मामले में वादी द्वारा दिए गए आवेदन में चोरी और आर्म्स का मामला थाने में दर्ज किया गया था उसी में न्यायालय द्वारा निर्गत वारंट के आधार पर दोनों की गिरफ्तारी करते हुए जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

ट्रांसफार्मर में लगी आग से अफरा तफरी

मसौढ़ी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। धनरूआ थाना क्षेत्र के भखरी गांव में मंगलवार की दोपहर गांव पर उस वक्त अफरा तफरी का माहौल हो गया जब गांव के एक ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई जहां ट्रांसफार्मर फटने की डर से लोग इधर-उधर भागने लगे। दरअसल स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रांसफार्मर पर काफी लोड है और लोड की वजह से ट्रांसफार्मर का तेल का रिसाव नीचे होने लगा और वह तेल गिरकर नीचे आग लग गई और आग के लपटे तेजी से ऊपर जाने लगे जिसको लेकर ट्रांसफर फटने की डर से लोग इधर-उधर भागने लगे, लेकिन हिम्मत जुटा कर स्थानीय लोगों ने किसी तरह से आग पर काबू पा लिया। वहीं स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग के जेईई और एसडीओ को फोन किया लेकिन समय पर लोग नहीं पहुंचे, स्थानीय लोगों में भारत सिंह, वाल्मीकि प्रसाद, नीतीश कुमार, महेंद्र कुमार, महेश प्रसाद, मुनरिक यादव आदि स्थानीय लोगों ने कहा कि भखरी गांव में 100 लोगों का इससे कनेक्शन है बिजली गुल हो जाने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है वहीं बिजली एसडीओ ने बताया कि जल्द ही ट्रांसफार्मर को बदल दिया जाएगा और बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

सुरक्षा उपकरणों की दी गई जानकारी

मसौढ़ी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। नेशनल सफाई कर्मचारी फाइनेंस एण्ड डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एनएसके एफडीसी) द्वारा मंगलवार को नमस्ते अभियान के अंतर्गत नगर परिषद के सम्राट अशोक कन्वेंशन हॉल में सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरणों के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। अभियान के दौरान ट्रेनर उमेश सिंह ने कहा कि सफाई करने के दौरान सफाई कर्मचारी के द्वारा उपलब्ध कराए गए पीपी कीट को अवश्य पहने उसके साथ मास्क, ग्लब्स व हेलमेट भी अनिवार्य रूप से लगांए, ताकि किसी प्रकार के संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा न रहे। वहीं नाले व अन्य जगहों पर सफाई कार्य सुपरवाईजर की देख- रेख में ही करें। सफाई करने के दौरान सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। इसके साथ ही नालो के साफ सफाई के तौर तरीके के बारे में बताया गया की कैसे नाले में उतरकर साफ सफाई करने हैं। इस दौरान सफाई निरीक्षक,जमादार, सफाई लिपिक एवं सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।

हटाया गया अतिक्रमण

दानापुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। नगर को स्वच्छ सुंदर और जाम से निजात दिलाने को लेकर मंगलवार को छावनी परिषद प्रशासन ने असैनिक क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चला। अतिक्रमणकारियों के बीच हडकंप मच गया. छावनी परिषद प्रशासन की टीम ने बस पडाव, बलदेव स्कूल, सदर बाजार, गांजा रोड व मच्छरहट्टा रोड में टाउन क्लिन ऑपरेशन चलाया। घंटो तक चले व्यापक रूप से अभियान में. बुलडोजर से झोपडियों व गुमटी को ध्वस्त किया गया है. एक गुमटी से 500 रूपये जुर्माना वसूला गया है। अभियान परिषद के मुख्य अधिशासी पदाधिकारी सपन कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। उन्होंने बताया कि पूरे छावनी क्षेत्र के असैनिक क्षेत्र को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया जायेगा और नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाया जायेगा। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोबारा अतिक्रमण करने वालों से जुर्माना वसूला जायेगा साथ ही कानूनी कारवाई की जायेगी। अभियान में परिषद के प्रधान लिपिक मो फरोज, कन्हैया कुमार समेत छावनी कर्मी शामिल थे।

किराया नहीं देने पर बीस दुकानें सील

दानापुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। छावनी परिषद प्रशासन ने दुकानों के किराये नही देने पर दुकानों को सील करने का नोटिस भेजा गया है. परिषद के मुख्य अधिशासी पदाधिकारी सपन कुमार ने बताया कि परिषद क्षेत्र 133 दुकानें है. जो टीन शेड, शॉप, मार्केट कॉम्प्लेक्स दुकान है. उन्होंने बताया कि दुकानों को किराये पर आवंटित किया गया है. बीस दुकानदारों किराया नही भुगतान नही कर रहे है. जिसको लेकर परिषद प्रशासन ने दुकानदारों को नोटिस देते हुए कहा गया है कि किराया नही जमा करने पर दुकानों को सील किया जायेगा. उन्होंने बताया कि बिना नक्शा पास कराये मकान निर्माण करवाने वालों पर कानूनी कारवाई किया जायेगा. साथ ही परिषद प्रशासन से अनुमति प्राप्त करने के बाद ही मकान का निर्माण करा सकते है. बिना अनुमति के निर्माण कार्य करने पर सख्त कानूनी कारवाई किया जायेगा.।

सैनिटरी पैड का वितरण

दानापुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड कार्यालय परिसर में मंगलवार को संस्था की ओर से युवती व महिलाओं को निःशुल्क सेनेटरी पैड का वितरण किया. साथ ही उनको स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। बीडीओ विभेष आनंद ने बताया कि संस्था की ओर से युवतियों व महिलाओं के बीच निःशुल्क सेनेटरी पैड वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि परिवार की महिला स्वस्थ होगी तभी परिवार भी स्वस्थ होगा। मौके पर भाजपा नेता शंकर सिंह, बीस सूत्री अध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह, भानू सिंह, समाजसेविका गुडिया देवी ने महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

नप के पूर्व उपाध्यक्ष की 5वीं पुण्यतिथि मनी

दानापुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष राज किशोर यादव के 5वीं पुण्यतिथि पर नगर परिषद कार्यालय परिसर में स्व राज किशोर यादव के प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित कर नमन किया गया। इस अवसर पर नप के पूर्व मुख्य पार्षद डा अनु कुमारी, पार्षद ई प्रेम किशोर ने उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित किया. डा अनु कुमारी ने कहा कि वे लोगों के दुख सुख में शामिल होने वाले सामाजिक व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि वे लगातार पिछले 25 वर्षों से सामाजिक न्याय की धारा को मजबूत करने में लगे थे। उनके आदर्शों पर चलने की आह्वान किया. पार्षद ई प्रेम किशोर ने कहा कि मिलनसार व्यक्ति थे और समाज के हर तबके लोग को लेकर चलते थे। मौके पर पार्षद रमेश कुमार उर्फ मुन्ना मेहता, नंद लाल राय, अनिल कुमार, दुर्गेश कुमार, अर्जुन पासवान, पार्षद प्रतिनिधि अविनाश कुमार उर्फ भंटा यादव, राकेश गोप, नरेश कुमार, पूर्व पार्षद पार्वती देवी, रविंद्र कुमार उर्फ पप्लू शर्मा व राज किशोर प्रसाद समेत गणमान्य लोग मौजूद थे।

करंट से किसान घायल

बाढ़ (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अनुमंडल के एनटीपीसी थाना क्षेत्र के ढकवाहा चक गांव में खेत का पटवन करने के लिए विद्युत करंट का तार जोड़ने दौरान 35 वर्षीय कमलेश कुमार यादव नामक किसान को करंट लग गया । वहीं भदौर थाना क्षेत्र के खजुरार गांव में खेती कर रहे 25 वर्षीय किसान गौतम कुमार यादव को करंट लग जाने के चलते परिजनों ने उसे पहले तो घरेलू तरीके से बेलन से इलाज किया। फिर बेहतर इलाज के लिए बाढ़ के अनुमंडल अस्पताल लाकर इलाज करवाया दोनों की हालत खतरे से बाहर है।

चाइना ओपन- प्रणय जापानी खिलाड़ी को हराकर प्री-क्वार्टर में पहुंचे

पहला गेम हारने के बाद वापसी की, लक्ष्य को चीनी खिलाड़ी ने हराया

चांगझोउ (एजेंसी)। चांगझोउ में खेले गए चाइना ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के एचएस प्रणय ने मेंस सिंगल्स में शानदार शुरुआत की। उन्होंने जापान के कोकी वतनबे को 8-21, 21-16, 23-21 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जबकि लक्ष्य सेन टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उन्हें चीनी खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा।

- **अनुपमा उपाध्याय को मिली हार** – विमेंस सिंगल्स में भारत की अनुपमा उपाध्याय को चीनी खिलाड़ी लिन हिसयांग–ति के खिलाफ 23–21, 11–21, 10–21 से हार का सामना करना पड़ा। अनुपमा पहले गेम में कड़ी टक्कर देने में सफल रहीं, लेकिन दूसरे और तीसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने उन्हें आसानी से हरा दिया।
- **मिक्स्ड डबल्स में पहले ही दौर में बाहर** –मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर–रुत्विका गद्दे और अशिथ सूर्य–अमृता प्रमुथेश की जोड़ियां पहले ही राउंड में बाहर हो गए हैं।
- **सिंधु, लक्ष्य और अन्य भारतीय खिलाड़ी भी मैदान में** – चाइना ओपन में भारत की ओर से पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और पुरुष डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी–चिराग शेट्टी की जोड़ी भी हिस्सा ले रही है। महिला डबल्स में भारत की अमृता प्रमुथेश–सोनाली सिंह, कविप्रिया सेल्वम–सिमरन सिंघी और रुतपर्णा पांडा–स्वेतपर्णा पांडा की जोड़ियां प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

पहला गेम हारने के बाद प्रणय ने वापसी की

पहला गेम 8-21 से गंवाने के बाद प्रणय ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और इसे 21-16 से जीता। तीसरे और निर्णायक गेम में वे 1-7 और फिर 13-20 से पीछे थे, लेकिन शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कोर 20-20 पर बराबर किया और अंत में 23-21 से गेम और मैच अपने नाम किया।

लक्ष्य आखिरी दो गेम हारे

लक्ष्य सेन पहले ही राउंड में चीनी खिलाड़ी ली शिफेंग से हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। लक्ष्य पहला गेम 21-14 से जीतने के बाद लगातार दो गेमों में 22-24 और 11-21 से हारे।

मैनचेस्टर टेस्ट की प्लेइंग-11 में 2 बदलाव करेगी टीम इंडिया

आजमाए गए फार्मूले से हटकर श्रृंखला बराबर करने उतरेगा भारत

मैनचेस्टर (एजेंसी)। पिछले मैच में हार और कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल हो जाने के बावजूद भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाले चौथे टेस्ट क्रिकेट मैच में श्रृंखला में वापसी करने और ओल्ड ट्रैफर्ड में पहली बार जीत हासिल करने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भारत को हालांकि अभी तक आजमाए गए अपने फॉर्मूले से हटने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

लीड्स में पहले टेस्ट के बाद भारत ने अंतिम एकादश में तीन ऑलराउंडरों को शामिल किया था। इनमें नितीश रेड्डी भी शामिल थे, जो घुटने की चोट के कारण अब श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर जैसे दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर की मौजूदगी में भारत के पास आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने की गुंजाइश थी, लेकिन मैनचेस्टर में ऐसा शायद न हो, जहां भारतीय टीम अभी तक जीत हासिल नहीं कर पाई है।

भारत ने यहां अभी तक 9 मैच खेले हैं जिनमें से चार में उसे पराजय का सामना करना पड़ा जबकि बाकी पांच मैच ड्रॉ रहे। इंग्लैंड वर्तमान श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे चल रहा है और अगर भारत को पांच मैच की इस श्रृंखला को जीवंत बनाए रखना है तो उसे यहां हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। श्रृंखला का पहला टेस्ट मैच खेलने

टीमें -
भारत – शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज।

वाले शार्दुल ठाकुर को रेड्डी की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है लेकिन उनका बल्लेबाजी में उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है।

अगर उन्हें टीम में लिया जाता है तो उन्हें गेंदबाजी में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा क्योंकि रेड्डी ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में महत्वपूर्ण अवसरों पर विकेट लिए थे। भारत लीड्स के संयोजन को फिर से आजमा सकता है, जहां उसके पास जडेजा के रूप में केवल एक स्पिनर था और छठे नंबर तक विशेषज्ञ बल्लेबाज थे, जिसमें करुण नायर और साई सुदर्शन दोनों अंतिम एकादश में थे। इसके अलावा नए तेज गेंदबाज़ अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं।

अगर आकाश दीप कमर की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाते हैं, तो इनमें से कोई भी उनकी जगह ले सकता है। आकाश दीप की तरह, कंबोज भी अच्छी सीम मूवमेंट पैदा कर सकते हैं। वह भारत ए के इंग्लैंड दौरे का भी हिस्सा थे और इस तरह से यहां की परिस्थितियों से कुछ हद तक वाकिफ हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का अंतिम एकादश में जगह बनाना तय है।

लॉर्ड्स में श्रृंखला में पहली बार भारतीय बल्लेबाज नहीं चल पाए थे और और अगर भारत को श्रृंखला में वापसी करनी है तो कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई वाली बल्लेबाजी लाइन-अप को फिर से अच्छा प्रदर्शन करना होगा। गिल तीसरे टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन इसके बावजूद श्रृंखला में उनके नाम पर 600 से अधिक रन दर्ज हैं। भारत के लिए उनका बड़ा स्कोर काफी मायने रखता है।

जोफ्रा आर्चर ने टेस्ट क्रिकेट में अपनी सफल वापसी में यशस्वी जायसवाल को दो बार आउट किया और यह बाएं हाथ का बल्लेबाज इंग्लैंड के तेज गेंदबाज की अतिरिक्त गति से निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार होगा। गिल ने भले ही श्रृंखला में भारत की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए हैं लेकिन वह के एल राहुल हैं जो अधिक विश्वसनीय बल्लेबाज नजर आए। भारत को फिर से उनसे ठोस प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। मैच से पहले भारत के अभ्यास सत्र को देखकर लगता है कि ऋषभ पंत अपनी उंगली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं और हमेशा की तरह अपनी दोहरी जिम्मेदारी निभाएंगे।

दिव्या-कोनेरू एफआईडीई वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में

पहली बार दो भारतीय महिला खिलाड़ी टॉप-4 में पहुंची, दोनों का मुकाबला चीनी खिलाड़ी से

नईदिल्ली (एजेंसी)। कोनेरु हम्पी के बाद दिव्या देशमुख भी चेस एफआईडीई विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। इसके साथ ही पहली बार दो भारतीय महिला टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना पाई हैं। इससे पहले, रविवार को कोनेरु हम्पी सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी थीं। यह टूर्नामेंट जॉर्जिया के बटुमी में खेला जा रहा है।

दिव्या ने ट्राई ब्रेक में हरिका द्रोणावल्ली को हराया - सोमवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में दिव्या देशमुख ने अपनी ही देश की हरिका द्रोणावल्ली को हरा कर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया। दिव्या और हरिका के दोनों क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ रहे थे और टाई ब्रेक में दिव्या ने दोनों ही बाजियां जीत कर सेमीफाइनल के लिए प्रवेश किया। अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला तान झोंगयी से होगा।

कोनेरू हम्पी ने चीनी खिलाड़ी को हराया – वहीं, कोनेरू हम्पी ने चीन की सॉन्ग युक्सिन को हराकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया था। उन्होंने पहला गेम जीता, जबकि दूसरा गेम ड्रॉ रहा। अब सेमीफाइनल में चीन की लेई टिंगजी से खेलेंगी।

पहली बार भारत की चार महिला खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची – इस टूर्नामेंट में पहली बार भारत की चार महिला खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची। कोनेरू हंपी के अलावा हरिका द्रोणवल्ली, आर. वैशाली और दिव्या देशमुख ने क्वार्टरफाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

वैशाली को मिली हार – वैशाली रमेशबाबू को चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त तान झोंगयी से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही इस टूर्नामेंट में उनका अभियान समाप्त हो गया। वैशाली ने कजाकिस्तान की मेरुएर्त कमालिदेनोवा को हराकर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया था।

विमेंस एक दिवसीय रैंकिंग-

दीप्ति शर्मा को 10 स्थान का फायदा

स्मृति मंधाना टॉप पर कायम, बॉलर्स में इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन नंबर–1

दुबई (एजेंसी)। खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। भारत की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने बैटर्स रैंकिंग में 10 स्थान की छलांग लगाई हैं। उन्होंने पहले वनडे में नाबाद 62 और दूसरे मैच में 30 रन बनाए थे। अब वे 23वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

इंग्लैंड की सोफिया डंकले ने पहले मैच में 83 रन बनाए और वे 24 स्थान ऊपर चढ़कर 52वें स्थान पर पहुंच गईं। एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स ने भी 53 रन की पारी खेली और 40 स्थान चढ़कर 118वें स्थान पर आ गईं।

भारत की स्टार बैटर स्मृति मंधाना ने सीरीज में 28 और 42 रन बनाए और 727 रेटिंग के साथ बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना नंबर-1 स्थान कायम रखा हैं।दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में फिफ्टी लगाकर टीम को जीत दिलाई थी।

बॉलर्स में सोफी एक्लेस्टन टॉप पर - वनडे की बॉलर्स रैंकिंग में इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन टॉप पर हैं। उन्होंने 2 वनडे में चार विकेट झटके, जिनमें दूसरे मैच में 3/27 के आंकड़े शामिल हैं। उनकी रेटिंग बढ़कर 776 हो गई और उन्होंने टॉप स्थान और मजबूत कर लिया।

इसी सीरीज में स्पिन गेंदबाजों का दबदबा रहा, जिसमें इंग्लैंड की चार्ली डीन और भारत की स्नेह राणा ने तीन-तीन विकेट लिए। डीन टॉप 10 में पहुंच गईं और नंबर 9 पर हैं, जबकि स्नेह राणा 12 स्थान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

चार्ली डीन को ऑलराउंडर्स रैंकिंग में भी फायदा –ऑलराउंडर रैंकिंग में भी डीन को फायदा हुआ है और वे ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी के साथ संयुक्त 14वें स्थान पर आ गई हैं। सोफी एक्लेस्टन भी ऑलराउंडर सूची में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गईं।

टी–20 रैंकिंग में आयरिश प्लेयर्स को फायदा - टी20 रैंकिंग में आयरलैंड की खिलाड़ियों ने भी शानदार छलांग लगाई है। कप्तान गैबी लुईस ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले मैच में 67 रन बनाए और वे बैटर्स रैंकिंग में पांच स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गईं। गेंदबाजी में आर्लीन केली दो स्थान ऊपर 23वें स्थान पर और कारा मरे चार स्थान ऊपर 48वें स्थान पर आ गईं।

दिल्ली सरकार का तोहफा, ओलंपिक और पैरालंपिक विजेताओं के नकद पुरस्कार राशि में भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की है। यह जानकारी मंगलवार को मंत्री आशीष सूद ने दी। सूद ने मेधावी छात्रों को मुफ्त लैपटॉप प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री डिजिटल योजना को मंजूरी देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसले लिए गए। सूद ने कहा, 'आज, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें दिल्ली के विकास के साथ छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ऐतिहासिक फैसले लिए गए। ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं को पहले तीन करोड़ रुपए, दो करोड़ रुपए और एक करोड़ रुपए दिए जाते थे लेकिन खेल पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए अब ओलंपिक तथा पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को 7 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं को 5 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेताओं को 3 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। सूद ने घोषणा की कि दिल्ली सरकार में स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को ग्रुप ए की नौकरियां दी जाएंगी, जबकि कांस्य पदक विजेताओं को ग्रुप बी की नौकरियां दी जाएंगी। सूद ने यह भी घोषणा की कि मुख्यमंत्री डिजिटल योजना के तहत युवाओं के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए छात्रों को मुफ्त लैपटॉप प्रदान किए जाएंगे।

लेवोन अरोनियन बने फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम लास वेगास चैंपियन, कार्लसन तीसरे स्थान पर

लास वेगास, यूएसए (एजेंसी)। लास वेगास में आयोजित हुए पहले अमेरिकी फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम का खिताब 42 वर्षीय लेवोन अरोनियन ने जीत लिया। फाइनल में उन्होंने हमवतन युवा ग्रैंडमास्टर हंस नीमन को 1.5-0.5 से पराजित करते हुए 2,00,000 डॉलर की पुरस्कार राशि अपने नाम की। पहले मुकाबले में ड्रॉ के बाद अरोनियन ने दूसरी बाजी में शानदार मोहराबंदी करते हुए निर्णायक जीत दर्ज की। नीमन को इस हार के बाद 1,40,000 डॉलर के साथ उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। यह उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रही। तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में मैग्नस कार्लसन ने यूएसए के हिकारू नाकामुरा को 1.5-0.5 से पराजित किया। पहला मुकाबला संतुलित रहा लेकिन दूसरी बाजी में कार्लसन ने शुरुआती बढ़त से खेल को अपने पक्ष में मोड़ते हुए जीत हासिल की और 1,00,000 डॉलर का पुरस्कार अपने नाम किया । कार्लसन इस जीत के साथ फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर की समग्र तालिका में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। उन्होंने कहा, हालांकि एक दिन खराब रहा लेकिन वापसी करके लगातार पाँच मुकाबले जीतना अच्छा लगा।

अरोनियन की भावनात्मक जीत – जीत के बाद अरोनियन ने कहा, यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक है, खासकर जब इनाम राशि को देखें तो। मेरी पत्नी और बेटी यहां मेरे साथ थीं, उन्हीं से मुझे ताकत मिली। फाइनल में नीमन ने शुरुआत में दबाव बनाया लेकिन एक निर्णायक गलती के बाद अरोनियन ने बढ़त बना ली और एक?सचेंज अप के साथ बाजी खत्म कर दी।

मैनचेस्टर टेस्ट में बुमराह के निशाने पर दो बड़े रिकॉर्ड, मात्र इतने विकेट चाहिए

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही टेस्ट सीरीज का चौथा टेस्ट मैच बुधवार 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेला जाएगा। इस मुकाबले में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी खेलेंगे। बुमराह ने लीड्स और लॉर्ड्स में खेले गए मुकाबलो में हिस्सा लिया था जबकि वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते बर्मिंघम टेस्ट मैच से बाहर रहे थे। सोमवार को मोहम्मद सिराज ने मैनचेस्टर में बुमराह के खेलने की पुष्टि करते हुए कहा, अभी तक हम केवल इतना जानते हैं कि जस्सी (बुमराह) भाई खेलेंगे। मैनचेस्टर टेस्ट मैच में बुमराह दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते है। बुमराह के पास इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बनने का मौका है। साथ ही एसईएनए देशो (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) में सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल लेने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर सकते है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम फिलहाल इंग्लैंड में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज है। अकरम ने इंग्लैंड में 14 टेस्ट मैच खेलकर 53 विकेट लिए है। वही बुमराह ने इंग्लैंड में अब तक 11 टेस्ट मैच में 49 विकेट लिए है। यानी बुमराह को अकरम का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए सिर्फ 5 विकेट और चाहिए।

एशियाई गेंदबाजों द्वारा इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट

वसीम अकरम-53 विकेट
जसप्रीत बुमराह- 49 विकेट
अनिल कुंबले- 39 विकेट
इशांत शर्मा- 39 विकेट

दूसरा रिकॉर्ड जो बुमराह अपने नाम करना चाहिगे वो है सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) में सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल लेने का रिकॉर्ड। अब तक बुमराह और अकरम दोनो 11-11 बार 5 विकेट हॉल लेने में सफल रहे है। बुमराह इस टेस्ट में एक और 5 विकेट हॉल लेकर ये रिकॉर्ड में आगे बढ़ना चाहिगे।

सरफराज खान ने घटाया 17 किलो वजन

पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन हुए प्रभावित, कहा- कोई पृथ्वी शॉ को यह दिखाओ

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर सरफराज खान जो घरेलू क्रिकेट में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के लिए जाने जाते है, अब एक नई वजह से चर्चा में है। 27 वर्षीय इस बल्लेबाज ने महज दो महीने में 17 किलो वजन घटाकर सभी को चौंका दिया है। उनकी यह मेहनत न केवल प्रशंसकों के लिए प्रेरणा का स्रोत है बल्कि आलोचकों के लिए भी एक करारा जवाब है। इंग्लैंड पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन भी इससे प्रभावित दिखे और पृथ्वी शॉ को दिखाने के लिए कहा है।

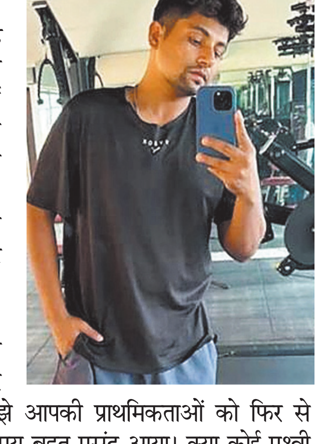

पीटरसन ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली जिसमें उन्होने लिखा- बेहतरीन प्रयास, नौजवान। बहुत-बहुत बधाई और मुझे यकीन है कि इससे मैदान पर बेहतर और लगातार प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। मुझे आपकी प्राथमिकताओं को फिर से व्यवस्थित करने में बिताया गया समय बहुत पसंद आया। क्या कोई पृथ्वी को यह दिखा सकता है? यह किया जा सकता है। मज़बूत शरीर, मज़बूत दिमाग। पीटरसन का बयान अब काफी वायरल हो गया है। शॉ को फिटनेस और फ़ॉर्म की समस्याओ का सामना करना पड़ा है। सबसे ज्यादा ध्यान खीचने वाली बात यह है की उन्होंने न सिर्फ सरफराज की तारीफ की, बल्कि इस मौके का इस्तेमाल पृथ्वी शॉ को भी आगाह करने के लिए किया। शॉ अक्सर मैदान के बाहर के कारणो से ही नही, बल्कि मैदान के अंदर की क्षमता के लिए भी सुर्खियों में रहते है।

अश्विन ने अंशुल कंबोज की तारीफ की, बोले

अधिकतर तेज गेंदबाजों में यह गुण नहीं होता

नई दिल्ली(एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने अंशुल कंबोज की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें जहीर खान और जसप्रीत बुमराह जैसा तेज गेंदबाज करार दिया जो न केवल अपने क्षेत्र का कुशल खिलाड़ी है बल्कि अपनी रणनीति की भी अच्छी समझ रखता है। ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी तथा तेज गेंदबाज आकाश दीप और अर्शदीप सिंह की जोड़ी के चोटिल होने के बाद कंबोज को इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट के लिए पिछले सप्ताह भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा, 'अंशुल की सबसे अच्छी बात यह है कि वह अपनी रणनीति को अच्छी तरह से समझता है। मैंने कई तेज गेंदबाजों को देखा है, अगर आप उनसे उनकी रणनीति के बारे में पूछते हैं, तो वे बस यही कहते हैं कि वे खुद को अभिव्यक्त करना चाहते हैं और खेल का आनंद लेना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'लेकिन अंशुल अपनी रणनीति को अच्छी तरह से समझता है और यह भी जानता है कि मैदान पर उस पर कैसे अमल करना है। अधिकतर तेज गेंदबाजों में यह गुण नहीं होता है। जहीर खान भी ऐसे तेज गेंदबाज थे जो अपनी रणनीति को समझते थे और उस पर अच्छी तरह से अमल करते थे। वह अद्भुत खिलाड़ी थे।

अश्विन ने कहा, 'हाल के दिनों में, जस्सी (बुमराह) एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो रणनीति को अच्छी तरह से समझते हैं और उसे बखूबी अंजाम देते हैं। अंशुल भी इसी तरह का खिलाड़ी है। मैं कौशल की तुलना नहीं कर रहा हूं क्योंकि कौशल एक बहुत ही अलग चीज है। मैंने उसे आईपीएल में खेलते हुए देखा है। उसकी लेंथ बहुत अच्छी है। उन्होंने कहा, 'बुमराह और सिराज के साथ अगर आप अंशुल कंबोज को अंतिम एकादश में शामिल करते हैं तो यह मजबूत गेंदबाजी आक्रमण होगा।

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के लिए 270 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण

किसानों को एक्सप्रेस-वे के लिए मिला मुआवजा | 47 करोड़ रुपये का मुआवजा वितरित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। उत्तर प्रदेश के वाराणसी से कोलकाता तक बनने वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण में जमीन मुआवजा की दर को लेकर चल रहे विवाद के बीच किसानों ने मुआवजा राशि ले ली है। एक्सप्रेस-वे के लिए नबीनगर, कुटुंबा और देव अंचल में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। तीनों अंचल के किसान अपनी जमीन का मुआवजा राशि लेने लगे हैं। अबतक तीनों अंचलों से करीब 800 रैयतों ने जमीन का मुआवजा लिया है। जिला भूअर्जन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, अबतक करीब 47 करोड़ मुआवजा राशि किसानों को दिया गया है। अन्य किसानों को मुआवजा राशि देने की प्रक्रिया चल रही है। बताया गया कि नबीनगर में करीब 25.53 करोड़, कुटुंबा में करीब 13.07 और देव में करीब 8.29 करोड़ मुआवजा राशि दी गई है। बताया गया कि देव अंचल में मुआवजा राशि का वितरण संतोषजनक नहीं है। तीनों अंचलों में करीब 270 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण करना है जिसमें करीब 204 हेक्टेयर किसानों की रैयती है। इसमें करीब 46 हेक्टेयर बकास्त, मालिक गैरमजरुआ और गैरमजरुआ मालिक है। करीब 66 हेक्टेयर जमीन आम गैरमजरुआ है। बकास्त जमीन का जिनका रैयतीकरण और जमीन का मालिकाना हक का कागजात होगा उन्हें जमीन का मुआवजा मिलेगा। अगर कोई मान्य कागजात नहीं होगा तो मुआवजा राशि नहीं मिलेगी। एक्सप्रेस-वे के लिए अधिग्रहित जमीन का मुआवजा और कागजात की जांच के लिए तीनों अंचलों में शिविर लगाया गया है। शिविर में डीएम ने किसानों से बात की है। किसानों को बोला गया है कि सरकारी प्रावधान के तहत सभी को उचित मुआवजा दिया जाएगा। जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने बताया कि वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस-वे में किसानों के बीच मुआवजा राशि का वितरण किया जा रहा है। जिले में करीब 35 किमी में एक्सप्रेस-वे का निर्माण होना है। करीब 22 किमी में जमीन दी गई है। एक्सप्रेस-वे का काम चल रहा है। डीएम ने कहा कि किसान एक्सप्रेस-वे के निर्माण में सहयोग करें।

पुलिस पर हमला सहित अन्य मामलों में 36 लोग गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। मादक प्रदार्थों की खरीद फरोख्त यथा अपराध पर अंकुश लगाने को लेकर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में औरंगाबाद पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर पिछले 24 घंटों में कई कार्रवाई की है। कार्रवाई के फलस्वरूप विभिन्न कांडों के 36 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अम्बरीश राहुल के नेतृत्व में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई जिसमें आवश्यक कार्रवाई के उपरांत 12 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस पर हमला मामले में 1, हत्या प्रयास में 1, शराब के शीर्ष कांडों में 9 एवं अन्य शीर्ष कांडों में 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 922 वाहनों की जांच की गई जिनसे 59000 रूपये जुर्माना वसूला गया है। वहीं 144 लीटर देसी शराब जब्त किया गया है। वारंट निष्पादन की संख्या 32 एवं कुर्की निष्पादन की संख्या 2 है। पुलिस अधीक्षक की माने तो इस जद में जो भी पकड़े जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कानून व्यवस्था के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यह कार्रवाई अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी एक चेतावनी है कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करें। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सूचनाओं के आदान-प्रदान में पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी के पास भी नशा तस्करी से जुड़ी कोई भी सूचना हो तो पुलिस से साझा करें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

प्रथम राष्ट्रपति की प्रतिमा लगने पर जीकेसी और कायस्थ महासभा ने जताई प्रसन्नता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद की प्रतिमा लगने पर ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस और कायस्थ महासभा औरंगाबाद ने प्रसन्नता जताई है। यह प्रतिमा औरंगाबाद शहर के डॉ राजेन्द्र प्रसाद बाल उद्यान में लगाई गई है जिसका अनावरण मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने किया। गौरतलब हो कि 3 दिसंबर 2021 को डॉ राजेन्द्र प्रसाद की जयंती समारोह में कमल किशोर ने ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस और कायस्थ महासभा औरंगाबाद की तरफ से डॉ राजेन्द्र प्रसाद बाल उद्यान में उनकी प्रतिमा लगाने की मांग की थी। इसके फलस्वरुप नगर परिषद अध्यक्ष उदय कुमार गुप्ता और रेडक्रॉस चेयरमैन सतीष कुमार सिंह के प्रयास से आज बाल उद्यान में डॉ राजेन्द्र प्रसाद की प्रतिमा लग गई। मौके पर जीकेसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता कमल किशोर, जिला महासचिव अजय कुमार वर्मा, अजय कुमार श्रीवास्तव, डॉ शीला वर्मा, श्रीराम अम्बष्ट, महेन्द्र प्रसाद, रवीन्द्र कुमार सिन्हा, डॉ राजीव कुमार, राजेष कुमार, राजू रंजन, सूर्यकांत, दीपक बलजोरी, मधुसूदन प्रसाद, नीरज वर्मा, उदय कुमार सिन्हा, उदय कृष्ण प्रसाद, सुनील सिन्हा, गणेष प्रसाद, कामिनी वर्मा, प्रेम कुमार, रणविजय कुमार, सुनील कुमार, मनीष कुमार, मुकेष सिन्हा, संजय सिन्हा, आलोक कुमार सिन्हा आदि मौजूद रहे।

विस चुनाव में एनडीए की सीटों में आएगा जबरदस्त उछाल : ऋतुराज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने कहा है कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शानदार प्रदर्शन करेगा और उसकी सीटों की संख्या में जबरदस्त उछाल आएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए इस बार पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतरेगा और हर एक सीट पर विशेष नजर रखी जा रही है। मंगलवार को औरंगाबाद में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि पिछली बार मगध और शाहाबाद क्षेत्र में एनडीए का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा था, लेकिन इस बार स्थिति बिल्कुल अलग है। एनडीए का इस इलाके पर विशेष फोकस है। हाल के सर्वे रिपोर्ट बता रहे हैं कि मगध और शाहाबाद से भी इस बार एनडीए की सीटों में भारी वृद्धि होगी। जनता का विश्वास हमारे साथ है और हम रिकॉर्ड सीटों के साथ वापसी करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की बड़ी भूमिका रही है। केंद्र सरकार ने बिहार के लिए जितना किया है, उतना आज़ादी के बाद किसी सरकार ने नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में जिस प्रकार बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है, उसका सीधा लाभ बिहार को भी मिल रहा है। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि बिहार में पिछले दस वर्षों में सड़क, बिजली, गैस, स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम हुए हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गांव-गांव तक पक्की सड़कें पहुंची हैं। उज्ज्वला योजना ने गरीब महिलाओं के जीवन को आसान बनाया है। आयुष्मान भारत योजना के जरिए गरीबों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिली हैं। बिहार में एम्स पटना को और विस्तारित किया जा रहा है, जबकि दरभंगा एम्स के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने बिहार के लिए विशेष पैकेज की भी घोषणा की थी, जिसके तहत इंफ्रास्ट्रक्चर, सिंचाई, कृषि और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। बिहार में रेल, सड़क और एयर कनेक्टिविटी के क्षेत्र में जो काम हुए हैं, वे अभूतपूर्व हैं। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि युवाओं के लिए स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा योजना और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाओं के जरिए स्वरोजगार के नए द्वार खुले हैं। बिहार के युवाओं को अब सिर्फ सरकारी नौकरी की ओर देखने की बजाय खुद भी रोजगार सृजन के लिए आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि एनडीए बिहार में स्थिरता और विकास की गारंटी है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिहार ने नई गति पकड़ी है और अब जनता इस विकास यात्रा को रुकने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि एनडीए के कार्यकर्ता हर बूथ तक पहुँच कर जनता से संवाद कर रहे हैं। इस बार एनडीए का लक्ष्य केवल जीतना नहीं है, बल्कि रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज करना है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की नीति के तहत बिहार में समावेशी और टिकाऊ विकास का माहौल बना है, जो चुनावी सफलता का सबसे बड़ा आधार है। इस अवसर पर स्थानीय भाजपा नेताओं के साथ-साथ एनडीए घटक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

ग्रामीण के घर से लाखों की चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारून (औरंगाबाद)। बारून थाना क्षेत्र के केशव मार्केट भुइयां टोली स्थित एक घर का ताला तोड़कर चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित संतोष यादव ने थाने में लिखित आवेदन देते हुए बताया कि अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर से दो लाख नगद और ज्वेलर्स के साथ आवश्यक कागजात भी चोरी कर लिए गए है। बताया कि 19 जुलाई को अपने घर में ताला बंद करके पूरे परिवार के साथ टाटा में अपने रिश्तेदार के गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होने गया था। इधर 20 जुलाई को पड़ोसी के द्वारा सूचना दिया गया कि आपके घर की ताले तोड़ी गई है। जब पड़ताल किया गया तो चोरी की खबर बताई गई। बताया कि जैसे ही मुझे घर में चोरी की सूचना मिली, अपने घर 21 जुलाई को पहुंच गया। जब घर आकर पड़ताल करने लगा तो पाया कि मुख्य द्वार के ताले तोड़े गए हैं। साथ ही घर के अंदर गोदरेज को तोड़कर अंदर रखे दो लाख नगद एवं पत्नी के करीब दो लाख के ज्वेलर्स चोरी कर लिए गए है। साथ ही बैंक के पासबुक के साथ अन्य कागजात भी गायब है जिसकी शिकायत थाने में की गई है। प्रभारी थानाध्यक्ष सुमन कुमारी ने बताया कि मामले को लेकर आवेदन मिला है। चोरी की घटना को लेकर कार्रवाई जारी है।

तेज रफ्तार बस ने इ-रिक्शे में मारी टक्कर, दो गंभीर

ओबरा (औरंगाबाद)/नबिटा संवाददाता। औरंगाबाद-पटना मुख्य पथ पर ओबरा प्रखंड के खरांटी गांव के समीप तेज रफ्तार अनियंत्रित बस ने इ-रिक्शे में टक्कर मार दिया। इस घटना में इ-रिक्शा सवार चालक व उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बारे में पता चला कि बस के चालक की आंख झपक गयी थी जिसके बाद बस इ-रिक्शे से टकरा गयी। घायलों में ओबरा थाना क्षेत्र के ही बभंडीहा गांव निवासी 30 वर्षीय इम्तियाज व उसका दोस्त सिशोबिगहा गांव निवासी उमेश पासवान के 19 वर्षीय पुत्र ब्रजेश कुमार शामिल है। अस्पताल में इलाज के दौरान परिजनों ने बताया कि औरंगाबाद से यात्री बस सवारियों को लेकर पटना जा रही थी तभी इ-रिक्शे से टकरा गयी।

औरंगाबाद के दो युवक पलामू में गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद/पलामू। पलामू के हुसैनाबाद थाने की पुलिस ने हथियार के साथ औरंगाबाद के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक कट्टा, एक कारतूस व बाइक बरामद की गयी है। गिरफ्तार दोनों युवक औरंगाबाद जिले के माली थाना क्षेत्र के मिर्ज़ापुर गांव के रहने वाले हैं और इनकी पहचान सुमेर कुमार व रविकांत कुमार के रूप में हुई हैं। यह सफलता हुसैनाबाद थाने की पुलिस को वाहन जांच के दौरान मिली है। थानाध्यक्ष सोनू कुमार चौधरी ने मंगलवार को थाना परिसर में प्रेसवार्ता में बताया कि सोमवार की देर शाम हुसैनाबाद-हैदरनगर मुख्य सड़क पर नहर के पास वाहन जांच चलाया जा रहा था। इस दौरान बाइक से दो युवक वहां पहुंचे लेकिन पुलिस को देखते ही दोनों बाइक सहित भागने लगे। जवानों ने पीछा कर दोनों को दबोच लिया। तलाशी के क्रम में उनके पास से 12 बोर का कट्टा, 12 बोर की गोली व दो स्मार्टफोन बरामद किया गया। गिरफ्तार दोनों युवक हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में अपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। इस मामले में हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में प्राथमिकी दर्ज कर दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस अभियान में सहायक अवर निरीक्षक कालिका राम, आरक्षी विकास राम, हरेंद्र कुमार, रमेश कुमार नट, सहायक आरक्षी उदय कुमार, अमरेश कुमार पासवान, रविंद्र सिंह एवं सुरेंद्र पाल शामिल थे।

नये को बदल लगाई पुरानी टायर, लाखों का नुकसान

बारून (औरंगाबाद)/नबिटा संवाददाता। सड़क किनारे खड़ी चार ट्रकों से नये टायरों के बदले पुरानी टायर बदलने का मामला सामने आया है। इसमें वाहन मालिकों को लाखों रूपये नुकसान की बातें बताई जा रही है। मामला बारून थाना क्षेत्र के एनएच-19 पर स्थित साउथ बिहार पावर डिस्टीब्युशन लिमिटेड कंपनी के सामने की है। यहां चार ट्रकों से कुल -30 नये टायरों की चोरी कर अज्ञात चोरों ने पुराना टायर लगा दिया। इस घटना को लेकर अररिया जिले के बसैटी निवासी एवं एसजीआरजी इंफ्रा सोलूशन कंपनी के वाहन प्रबंधक विवेक कुमार ठाकुर ने बताया कि उनकी कंपनी की गाड़ियां एनटीपीसी से बाराचट्टी सहित अन्य जगहों पर परिवहन का कार्य करती है। इस घटना से काफी नुकसान हुआ है। वहीं बारून थाना क्षेत्र के बगतरपा के निवासी प्रकाश कुमार ने बताया कि हमलोग गाड़ियां खड़ी कर कही चले गए। घटना की सूचना फोन पर मिली। देखा तो पता चला कि अज्ञात चोरों ने ट्रकों से नए टायर के बदले पुरानी टायर लगा दिया गया है। मामले में उन्होंने थाना में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी थानाध्यक्ष सुमन कुमारी ने बताया कि आवेदन के आधार पर मामले की जांच की जाएगी।

विभिन्न विद्यालयों में नए प्रधानाध्यापकों ने संभाला पदभार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न उच्च विद्यालयों में मंगलवार को प्रधानाध्यापकों ने पदभार ग्रहण किया। बिहार लोक सेवा आयोग की अनुशंसा के बाद इन शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। सभी नए प्रधानाध्यापकों ने विद्यालयों में शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का संकल्प लिया। उच्च विद्यालय बेल में सीमा सूफिया शम्सी ने प्रधानाध्यापक के पद पर पदभार ग्रहण किया। उन्होंने पूर्व प्रधानाध्यापक मिथलेश कुमार से प्रभार लिया। इससे पूर्व वे उच्च विद्यालय केताकी देव में पदस्थापित थीं। प्रभार ग्रहण करने के बाद सीमा सूफिया शम्सी ने कहा कि वे विद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार के सहयोग से न सिर्फ शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाया जाएगा, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी जोर रहेगा। इस मौके पर शिक्षकों ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। शिक्षक पूरन कुमार, आलोक कुमार समेत विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। उच्च विद्यालय करसावा में भी नए प्रधानाध्यापक के रूप में श्रवण कुमार ने पदभार ग्रहण किया। पूर्व प्रधानाध्यापक अखिलेश कुमार ने उन्हें कार्यभार सौंपा। श्रवण कुमार इससे पहले कन्या उच्च विद्यालय ओबरा में पदस्थापित थे। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि वे विभाग की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना उनकी प्राथमिकता होगी और वे विद्यालय को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सभी सदस्य मौजूद थे. उत्क्रमित उच्च विद्यालय शंकरपुर में प्रशांत कुमार ने प्रधानाध्यापक के पद पर पदभार ग्रहण किया। विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें माला पहनाकर और स्वागत कर सम्मानित किया गया। प्रशांत कुमार पूर्व में उच्च विद्यालय ओबरा में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा की रोशनी से छात्रों का जीवन बदलना ही उनका मुख्य उद्देश्य रहेगा। उन्होंने विद्यालय परिवार से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वे सामूहिक प्रयास से शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाएंगे।

बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज
BAYC Institute
स्थापित 1972
गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7
नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स
भारत का पहला कॉलेज
डॉक्टर बनें
एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE
DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th
DEMS Electrohomeopathy Medicine | DNYS Naturopathy Yoga — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th
BACHELOR DEGREE COURSE
MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture — अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2
BEMS Electrohomeopathy Medicine | MBAS Medicine in ALT Science — अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2
MASTER DEGREE COURSE
MD (Acu Yoga) MD (TM) — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजुएट
MD (EH) — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS
PROFESSIONAL COURSE
BLIS | MLIS | BBA | MBA
TRADITIONAL COURSE
MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA
100% रिजल्ट एवं रोजगार
Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised
DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES
एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।
कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।

डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त
अध्यक्ष

डा. अजय प्रकाश
सचिव
9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in
Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

बीआरबीसीएल की सीएसआर फंड से होगा नगर भवन का जीर्णोद्धार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। अनुमंडल मुख्यालय में प्रशासनिक या गैर प्रशासनिक स्तर पर किसी भी प्रकार का कार्यक्रम कराने के लिए सरकारी स्तर पर कोई स्थल नहीं है। जब सांस्कृतिक व मंचीय गतिविधियां आयोजित होती है तो नगर भवन का अभाव खलता है। हालांकि, यहां नगर भवन तो है लेकिन उसकी स्थिति ऐसी नहीं है कि उसमें कोई कार्यक्रम कराया जा सके। अब यह सुखाड़ खत्म होने वाला है। अब नगर भवन का जीर्णोद्धार कराया जाना है। काराकाट के सांसद की पहल पर बीआरबीसीएल की सीएसआर फंड से टाउन हॉल का जीर्णोद्धार कराने की पहल की गयी है। सांसद प्रतिनिधि पिंटू सिंह ने बताया कि बिजली उपक्रम बीआरबीसीएल द्वारा इसके लिए इस वित्तीय वर्ष में 50 लाख रुपये की राशि दी जा रही है। इसके लिए बीआरबीसीएल के अधिकारी एसडीओ से आकर मिल भी चुके हैं। पहले फ़ेज में फॉल सीलिंग, दो तरफ बरामदा, चहारदिवारी का निर्माण कराया जायेगा। पीछे के ग्रीन रूम को और चौड़ा किया जायेगा। अगर राशि बच जाती है तो वायरिंग आदि कराये जायेंगे। अन्य कार्य दूसरे फ़ेज में कराये जा सकते हैं। इसे अत्याधुनिक बनाने की कोशिश की जा रही है। जीर्णोद्वार कार्य का स्टीमीट भी बन चुका है। सूत्रों से पता चला कि लगभग एक करोड़ 34 लाख रुपये का स्टीमेट जीर्णोद्धार के लिए बना है। पहले फ़ेज में 50 लाख रुपये से काम कराया जा रहा है। बता दें कि दाउदनगर की धरती कलाकारों की धरती रही है। यहां के कलाकारों ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराया है लेकिन स्थानीय स्तर पर सही हालत में कोई भी ऐसा स्थान नहीं है, जहां स्थानीय कलाकार रिहर्सल कर सकें और अपनी प्रस्तुति दे सकें। दाउदनगर के मौलाबाग में बना टाउन हॉल करीब दो दशक से लगातार उपेक्षा का शिकार रहा है। टाउन हॉल का निर्माण तत्कालीन विधायक राजाराम सिंह की विधायक ऐच्छिक निधि से दो दशक पहले कराया गया था, जो वर्ष 2003-04 में बनकर तैयार हुआ था। उसे आम जनता के लिए उपलब्ध कराया गया। उसके बाद यह लगातार उपेक्षा का शिकार होता गया। अवकाश प्राप्त अनुमंडल कृषि पदाधिकारी एवं रंगकर्मी द्वारिका प्रसाद उर्फ गुरु जी का कहना है कि यह टाउन हॉल कभी मापदंड पर खरा उतरा ही नहीं। इसमें कही गई बातें जरा भी ठीक से समझ में नहीं आती है। किसी तरह का कार्यक्रम कराना मुश्किल है। छत जर्जर हो गया है। इसकी देख-रेख के लिए बनी कमेटी का कोई अता-पता नहीं है। वरिष्ठ रंगकर्मी व श्रीसूर्य मंदिर न्यास समिति के सचिव डॉ संजय कुमार सिंह ने कहा कि नगर भवन को उच्च कोटि का बनाकर इस शहर का ड्रीम प्रोजेक्ट बनाया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस (डी.बी.कॉर्प.लि.), उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, शाहपुर, पटना (बिहार) से मुद्रित एवं सत्येन्द्र नगर, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक - कमल किशोर
नवबिहार टाइम्स (दैनिक)
सत्येन्द्र नगर औरंगाबाद (बिहार)
पिन - 824101
मो.-9431223574,9572550076
व्हाटसप नं.-7295863300
ई-मेल: nbtimesbihar@gmail.com
Web : www.navbihartime.com
झारखंड कार्यालय
31, कॉपरेटिव कॉलोनी.
बोकारो स्टील सिटी, बोकारो
मो.- 9431145865
दिल्ली प्रतिनिधि
मो.- 09818366269